खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 02 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-6 | अंक-273

Jai Mata Di

SOUBHAGYA
(A Munno United Group Company)
SOUBHAGYA INFRA DEVELOPERS PVT. LTD.

PRESENTS

Rangtaali

Navaratri Mahotsav

"Ye Hai Mohabbatein" Fame
Celebrity
Divyanka Tripathi

Celebrity
Payal Rajput

Organised by
शुभ लाभ
Fifth Avenue Event Management
Shree Maheshwari Decorators

Powered By
JAIN CONSTRUCTIONS — Building a better lifestyle
Fresh Flower — Refined Sunflower Oil

Hospitality Partner: Creative
Decor by: Tanveer Singh Gujral
Fm Partner: fever — Happening Hai
Digital Partner: lantrn — Everything is Reachable
Photography Partner: Victory
Emcee Komal Sharma

Music by: Beat Makers

EVENT SUPPORTED BY
Agarwal Samaj Telangana, Jignesh Doshi, TGSWS, Toys & Kales, TCEI, HPRC Hyderabad Polo and Riding Club, Shri Govind Rathi, go rura, Ramoji Film City

MEDICAL ASSISIANCE
RED AMBULANCES

Date : 4th -12th October, 2024 | Venue : Classic Convention 3 Shamshabad

ASSOCIATE SPONSOR
DRS International School — Strive to Surpass — IB World School
Baheti Steel Traders
DIILTMT 550HD STEEL BARS
"La Belina" de salon
PRIVATE EYE — Aapki Teesari Aankh
MPL STEEL PIPES — Issi par hai bharosa
Rajesh Corporation
Rockraft
Agrawala
unwrap
Jagdamba Pearls & Gems
DEEVYASHAKTI Realty
Chintamani Parshwanath Infra Projects Pvt. Ltd.
CACHE Group
Jindal PANTHER TMT REBARS
Ambica Iron & Steel (Hyd) Pvt. Ltd. Bahadurpura

COMITTEE
Manoj Innani, Mayur Agarwal,Jitendar Bangad, Ashish Sharma, Sharan Kandala, Nisha Agarwal, Aashish Innani, Bharath Tayal, Neha palan, Sanjay Chejra, Bhavesh Tayal, Prathiyodh Agarwal, Lokesh Agarwal, Mohit Agarwal, Aabha, Jigna Mehta, Sai Kiran Goud, Kaushik Ram, Tripti, Krishna Baheti, Ritesh Modi, Vikas

For season passes and daily tickets

+91 9700819474, +91 98853 00500, +91 9704404477, +91 8121928934

नेपाल में बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 225 तक पहुंचा, तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की

काठमांडू, 01 अक्टूबर (एजेंसियां) । नेपाल में भीषण बाढ़ और भूस्खलन से जानमाल की क्षति का आंकड़ा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिनों में इस आपदा से जान गंवाने वालों की संख्या 225 तक पहुंच गई है। जैसे-जैसे बाढ़ प्रभावित जिलों में संपर्क स्थापित किया जा रहा है, लापता और मृतकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। गृह मंत्रालय के मुताबिक सैकड़ों अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।

इसी बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के अमेरिका से वापस होते ही कैबिनेट की बैठक में बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुए नुकसान की स्थिति का जायजा लिया गया। सोमवार देर शाम हुई कैबिनेट बैठक में देश में तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने बताया कि मंगलवार से तीन दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय शोक के बावजूद सार्वजनिक अवकाश नहीं दिया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में मृतक परिवारों को आर्थिक सहायता देने का निर्णय भी किया गया है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रति मृतक परिवार को संघीय सरकार के तरफ से 2 -2 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की गई है। घायल हुए लोगों के उपचार का पूरा खर्च सरकार की तरफ से किए जाने की घोषणा भी की गई है। नेपाल सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष में सहायता करने की अपील की है। कैबिनेट की बैठक में इस कोष में 1000 करोड़ रुपए देने का निर्णय किया गया है। सरकार ने देश-विदेश के दानदाताओं से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष में सहयोग करने की अपील की है। इस कोष में नेपाल सरकार के सभी मंत्रियों के एक महीने का वेतन देने का भी निर्णय किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

एआई ने बताया ब्रह्मांड एक सिमुलेशन है

लंदन। साइंस फिक्शन फिल्म द मैट्रिक्स में इंसान को मशीनों द्वारा बनाए गए एक आभासी संसार में रहने का चित्रण किया गया है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा नियंत्रित एक सिमुलेशन उसके अनुभवों का आधार बनाता है। अब, एक नए अध्ययन में, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के भौतिकी प्रोफेसर मेल्विन वोपसन ने दावा किया है कि हमारा ब्रह्मांड भी एक ऐसा ही कंप्यूटर सिमुलेशन हो सकता है, और इस अवधारणा का प्रमाण बाइबल में छिपा हो सकता है। वोपसन ने अपनी विचारधारा को प्रस्तुत करते हुए कहा, बाइबल हमें स्पष्ट रूप से बताती है कि हम एक सिमुलेशन में हैं और यह हमें यह भी बताती है कि इसे कौन संचालित कर रहा है। उनका यह दावा न्यू टेस्टामेंट की जोस्पेल ऑफ जॉन से प्रेरित है, जिसमें कहा गया है, शुरुआत में शब्द था, और शब्द ईश्वर के साथ था, और शब्द ईश्वर था।इस कथन का विश्लेषण करते हुए वोपसन ने बताया कि शब्द वास्तव में एक अंतर्निहित कंप्यूटर कोड हो सकता है जो हमारे अस्तित्व और अनुभवों को नियंत्रित करता है। उन्होंने कहा कि जैसे द मैट्रिक्स में अक्षर और संख्याएं कंप्यूटर सिमुलेशन के नियमों को निर्धारित करती हैं, वैसे ही ईश्वर का शब्द भी इस सिमुलेशन का एक हिस्सा हो सकता है। इसका अर्थ यह है कि ईश्वर न केवल इस सिमुलेशन का निर्माता है, बल्कि इसका सक्रिय नियंत्रक भी है।

एक दर्जन शेरों ने मिलकर किया तेंदुए का शिकार

कैप्टाउन। कहते हैं बिल्ली शेर की मौसी है, ऐसा इसलिए क्योंकि शेर पेड़ पर चढ़ने में महारत हासिल नहीं रखता, जबकि बिल्ली फटाफट चढ़ जाती है और शिकार भी कर लेती है। ऐसे में जंगल के सबसे खतरनाक जानवरों में इन्हीं बिल्लियों की प्रजाति माने जाने वाले शेर, बाघ, चीता और तेंदुआ जैसे जीवों को शामिल किया जाता हैं। ये शिकारी इतने खतरनाक होते हैं कि अपने से बड़े जानवरों को भी आसानी से अपना शिकार बना लेते हैं। हाल ही में, साउथ अफ्रीका के मालामाला गेम रिजर्व में 12 शेरों के एक झुंड ने एक तेंदुए को फांस लिया और फिर शुरु हुआ संघर्ष। इस लड़ाई का एक वीडियो सामने आया है, जो यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक दर्जन शेर और तेंदुए की लड़ाई वाले इस वीडियो में देखा जा सकता है कि 12 शेरों के बीच घिरे तेंदुए ने बहादुरी से अइजराइलीतक लड़ाई लड़ी। मालामाला गेम रिजर्व के एक रेंजर द्वारा कैद किए गए इस वीडियो में शेरों का झुंड शिकार की तलाश में बैठा दिख रहा है। तभी उनकी नजर तेंदुए पर पड़ती है, जिसे उन्होंने घेर लिया। शेरों के आक्रमण के बावजूद, तेंदुआ हार मानने के बजाय अपने पंजों से पलटवार करता रहा। हालांकि, शेरों के हमले के आगे तेंदुआ धीरे-धीरे कमजोर पड़ता गया और अंत में उसकी मौत हो गई। दिलचस्प बात यह है कि शेरों ने तेंदुए को मारा, लेकिन उसे खाया नहीं।

मछली खाकर तीन महीने में घटाया 15 किलो वजन

न्यूयॉर्क । फ्लोरिडा की एक महिला ने दावा किया है कि उसने तीन महीने तक मछलियां खाकर अपना 15 किलो

वजन कम कर लिया। 62 वर्षीय महिला जेन क्रुमेट ने वजन घटाने का यह अनोखा तरीका अपनाया। जेन का वजन पहले 240 पाउंड था, और वह चलने-फिरने में कठिनाई महसूस कर रही थीं। डॉक्टरों से सलाह लेने के बाद, जेन ने विभिन्न खाद्य पदार्थों से परहेज करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। जेन ने बताया, मेरे पैरों में तेज दर्द होता था और मैं हर समय भूखी रहती थी। मैंने हार मान ली थी। फिर उनकी मुलाकात डॉक्टर एनेट बोसवर्थ से हुई, जिन्होंने उन्हें एक विशेष आहार का सुझाव दिया। डॉ. बोसवर्थ ने जेन को फिश फास्ट नामक एक योजना के तहत तीन महीने तक सिर्फ सार्डिन मछली खाने की सलाह दी। डॉक्टर ने कहा कि सार्डिन पचाने में तेज होती है और शरीर की वसा को जलाकर ऊर्जा में बदल देती है। जेन ने कहा, पहले मुझे यह अजीब लगा, लेकिन जब उन्होंने इसके फायदों के बारे में बताया, तो मैं हैरान रह गई। जेन की इस यात्रा ने उनके डॉक्टरों को भी चकित कर दिया। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि वजन घटाने के लिए कोई भी आहार संतुलित होना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी खाद्य पदार्थ को अत्यधिक मात्रा में खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जेन के अनुभव से यह स्पष्ट होता है कि एक उचित मार्गदर्शन के साथ, व्यक्ति अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है।

लेबनान में घुसी इजराइली सेना, हिज्बुल्लाह के खिलाफ जमीनी कार्रवाई शुरू, सुरंगों की तलाशी

तेल अवीव, 01 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के खात्मे और लगातार हवाई हमलों के बाद इजरायली सेना ने लेबनान में घुस कर जमीनी हमले शुरू कर दिए हैं। मंगलवार को इजरायली सेना की तरफ से कहा गया है कि उसके सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के ठिकानों और बुनियादी ढांचों के खिलाफ सीमित और लक्षित जमीनी हमला शुरू किया है। वह सीमा से सटी हिज्बुल्लाह की सुरंगों में घुसकर तलाशी ले रही है। इजरायली सेना के रडार पर इजरायल को लेबनान से अलग करने वाली ब्लू लाइन के पास हिज्बुल्लाह की सुरंगे हैं।

इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा पोस्ट में बताया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमित और टारगेटेड ग्राउंड ऑपरेशन शुरू किए हैं। लेबनान की सीमा से सटे गांवों को निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि यहां हिज्बुल्लाह के कई ठिकाने हैं जो खतरा बने हुए हैं। इजरायली वायुसेना इस ग्राउंड ऑपरेशन में मदद कर रही है।

इजराइल के हमलों में पिछले 10 दिनों में नसरल्लाह और उसके छह शीर्ष कमांडर व सहयोगी मारे गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले दो हफ्तों में देश में 1000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इजराइली सेना के अनुसार, उन्होंने लेबनान के बड़े हिस्सों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया है।

हालिया दिनों में हिज्बुल्लाह को भारी नुकसान हुआ है लेकिन उसके कार्यकारी नेतृत्वकर्ता नईम कासेम ने बयान जारी कर कहा कि यदि इजराइल जमीनी हमला शुरू करने का फैसला करता है तो हिज्बुल्लाह के लड़ाके तैयार हैं। नईम ने दावा किया है कि मारे गए कमांडरों की जगह पहले ही ले ली गई है। नईम लंबे समय तक नसरल्लाह का डिप्टी रहा है और उसके मारे जाने के बाद तात्कालिक तौर पर संगठन संभाल रहा है।

हमास कमांडर की मौत के बाद यूएन एजेंसी पर लग रहे गंभीर आरोप

बेरुत। इजरायल ने जनवरी में आरोप लगाया था कि यूएनआरडब्ल्यूए के 12 कर्मचारी हमास के 7 अक्टूबर वाले हमले में भी शामिल थे। इसके बाद से ही यूएन एजेंसी की जांच करवा रहा है। बता दें कि इजरायल पर हुए हमास के हमले में कम से कम 1200 लोग मारे गए थे और 250 को बंदी बना लिया गया था। आरोपों के बाद यूएनआरडब्लूए को दान देने वाली दर्जनों देशों ने अपने कदम पीछे खींच लिए थे। बाद में अमेरिका को छोड़कर अन्य देशों ने फंडिंग फिर से शुरू कर दी।फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन की एजेंसी ने दावा किया है कि लेबनान में इजरायली हमले में मारा गया हमास का कमांडर यूएन के लिए भी काम करता था। वहीं आतंकी संगठन से संबंध होने की बात पता चलने के बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया था। फतह शरीफ के कनेक्शन के बारे में पता चलने के बाद यूएनआरडब्ल्यूए पर और ज्यादा दबाव पड़ने लगा है। इस साल पहले से ही यूएनआरडब्लूए 80 मिलियन डॉलर के नुकसान में है। आलोचकों का कहना है कि क्या किसी हमास के आतंकी को उसके रैंक से हटा देना ही काफी था।सोमवार को इजरायली हवाई हमले में बेरूत के अल बास में हमास के कमांडर शरीफ की मौत हो गई थी। रिपोर्टस के मुताबिक उसकी पत्नी और बेटा-बेटी भी इस हमले में मारे गए। वह फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में रह रहा था। बताया गया कि पहली बार इजरायल ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों के शिविर को निशाना बनाया है। शरीफ ने खुद से कभी हमास से जुड़े होने की बात स्वीकार नहीं की थी। हालांकि उसके मारे जाने के बाद हमास ने खुद बयान जारी कर कहा कि उसका एक कमांडर इजरायल के हवाई हमले में मारा गया है।

वेस्ट बैंक और गाजा.... ग्रेटर इजराइल बनाने में जुटे नेतन्याहू

बेरूत, 01 अक्टूबर (एजेंसियां) । इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान दो नक्शे दिखाकर वैश्विक स्तर पर विवाद खड़ा कर दिया। इसमें से एक नक्शा 1948 की स्थिति को दिखाता है, इसमें इजरायल को मध्य पूर्व में अकेला दिखाया गया है, जबकि दूसरा नक्शा 2023 की वर्तमान स्थिति को दिखाता है, जिसमें इजरायल के साथ सात अन्य देशों को एक साथ दिखाया गया है, जिसमें सऊदी अरब भी शामिल है। भाषण के बाद कई आलोचकों ने नेतन्याहू पर आरोप लगाया है कि उन्होंने नक्शे में फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक और गाजा को इजरायल का हिस्सा दिखाकर पूरी दुनिया को गुमराह किया है। जर्मनी में फिलिस्तीनी अथॉरिटी के प्रतिनिधि लैथ अराफे ने कहा कि नेतन्याहू ने इस नक्शे के द्वारा फिलिस्तीन और उसके लोगों को नकार दिया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांतों का अपमान करार दिया। इस मामले में अन्य कई नेताओं ने भी नेतन्याहू के नक्शे को भ्रामक बताकर आलोचना की है। ग्रेटर इजरायल की अवधारणा, इस जायनिज्म के पिता थियोडोर हर्जल द्वारा विकसित किया गया था, के अनुसार यह क्षेत्र मिस्त्र से फरात नदी तक फैला होगा। इसमें पूरा फिलिस्तीन, दक्षिणी लेबनान, सीरिया के गोलान हाइट्स, जॉर्डन और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। योजना का सीधा मतलब है कि इजरायल के क्षेत्र में फिलिस्तीनी क्षेत्रों को पूरी तरह से अपने अधीन करना। विश्लेषकों का मानना है कि नेतन्याहू इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए गाजा और लेबनान में सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में हिजबुल्लाह के प्रमुख नसरल्लाह की हत्या का आदेश दिया, जिसके बाद इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इस स्थिति ने वैश्विक राजनीति में तनाव को बढ़ाया है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस तरह के प्रयासों पर प्रतिक्रिया देने के लिए तत्पर रहेगा। नेतन्याहू के इन कदमों के पीछे उनकी सरकार का उद्देश्य न केवल हिजबुल्लाह और हमास को कमजोर करना है, बल्कि पूरे क्षेत्र में इजरायल का प्रभाव बढ़ाना भी है।

सुपर टाइफून की आहटः जापान और फिलीपींस हाईअलर्ट पर

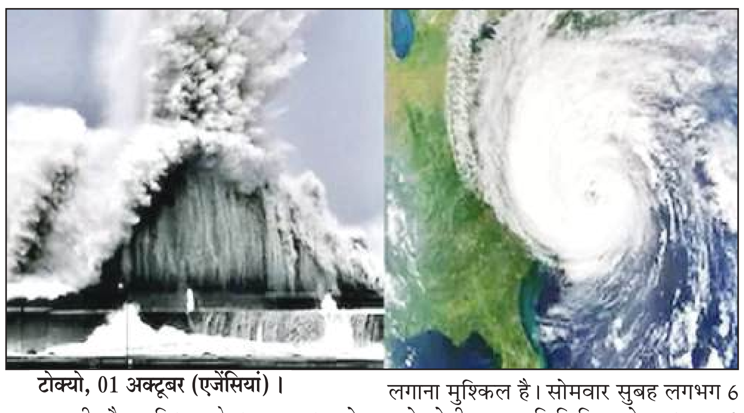

टोक्यो, 01 अक्टूबर (एजेंसियां) । जापानी मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में दो सुपर टाइफून का आगमन होने वाला है। इनमें से एक, क्रैथॉन, की गति 215 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक होने की संभावना है। लेकिन सबसे अधिक चिंता का विषय जेबी तूफान है, जिसने 100 साल पहले जापान में 195 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तबाही मचाई थी, जब लाखों घर उड़ा दिए गए थे। जापान, फिलीपींस और अन्य देशों ने इस तूफान को लेकर हाईअलर्ट घोषित किया है। जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इन तूफानों से होने वाली तबाही का अनुमान लगाना मुश्किल है। सोमवार सुबह लगभग 6 बजे, जेबी टाइफून चिचिजिमा से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। जबकि इसकी रफ्तार फिलहाल कम है, लेकिन यह मिनटों में अपनी गति बढ़ा सकता है। जेबी टाइफून को सबसे घातक तूफानों में चौथे स्थान पर रखा जाता है। पिछले 100 वर्षों में जापान में आए छह सबसे बड़े तूफानों में इसका नाम शामिल है, जिन्हें बिग-6 कहा जाता है। नेशनल सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, जेबी टाइफून अपनी स्पीड को जिस तरह से बदलता है, वैसा अन्य कोई तूफान नहीं करता।

थाईलैंड में तूफान के बाद 125 पालतू मगरमच्छों की करना पड़ी हत्या

बैंकॉक, 01 अक्टूबर (एजेंसियां) । क्रोकोडाइल एक्स के नाम पहचान बना चुके लाम्फुन में रहने वाले नट्टापक खुमकड़ अपने पाले हुए 125 मगरमच्छों को करंट लगाकर मार दिया। इसके पीछे का कारण ये हैं कि यहां तूफान आया था जिसके कारण उनके फार्म की दीवारे कमजोर हो गई थी। दीवार गिरने वाली थी। दीवार टूटने से मगरमच्छ आसपास के क्षेत्रों में फैल सकते थे, जिससे आम लोगों की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। नट्टापक ने फार्म को सुरक्षित करने की बहुत कोशिश की, लेकिन कोई वैकल्पिक स्थान नहीं मिलने के कारण उन्हें इस कठिन कदम पर जाना पड़ा। नट्टापक का कहना था, मेरे परिवार और मैंने इस पर चर्चा की और महसूस किया कि अगर दीवार गिर जाती, तो हम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते थे। उनकी जान बचाने के लिए हमें मगरमच्छों को मारना पड़ा। यह उनके लिए जीवन का सबसे कठिन फैसला था, क्योंकि वह पिछले 17 साल से इन मगरमच्छों का पालन-पोषण कर रहे थे।

इस वर्ष का सबसे शक्तिशाली तूफान टाइफून यागी ने थाईलैंड और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई। थाईलैंड के उत्तरी क्षेत्रों में बाढ़ और भारी बारिश ने हजारों घरों को प्रभावित किया और कम से कम नौ लोगों की जान ले ली। नट्टापक के पास अब भी 500 छोटे मगरमच्छ हैं, जो एक से चार फीट लंबे हैं। थाईलैंड में मगरमच्छ पालन एक लाभदायक व्यवसाय है, और देश में लगभग 1,100 रजिस्टर्ड मगरमच्छ फार्म हैं, जो हर साल 1,700 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार करते हैं। हालांकि, साइमीज मगरमच्छ लुप्तप्राय प्रजाति है, और इनके संरक्षण की आवश्यकता है।

जापान में 27 अक्टूबर को आम चुनाव कराने की योजना

टोक्यो, 01 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

जापान के भावी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने घोषणा की कि वह 27 अक्टूबर को आम चुनाव कराने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि संसद का निचला सदन 9 अक्टूबर को भंग कर दिया जाएगा। पूर्व रक्षा मंत्री इशिबा ने कहा कि जनता का जनादेश प्राप्त करने का महत्व बेहद आवश्यक है।

संसद का निचला सदन 9 अक्टूबर को भंग कर दिया जाएगा

एक समाचार एजेंसी के अनुसार इशिबा ने शुक्रवार को आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को हराकर देश की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का नेतृत्व चुनाव जीता। एलडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने जापान में संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है, इसलिए नए पार्टी प्रमुख के रूप में इशिबा का मंगलवार को प्रधानमंत्री चुना जाना तय है। वह फूमियो किशिदा की जगह लेंगे। इशिबा ने अपनी जीत के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एलडीपी के भीतर विश्वास और एकता के पुनर्निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह एलडीपी को एक ऐसी पार्टी बनाना चाहते हैं जो विनम्र, निष्पक्ष और पारदर्शी हो। यह एलडीपी नेतृत्व के लिए इशिबा की पांचवीं दावेदारी थी, और पिछले कुछ वर्षों में उनकी पहचान रक्षा और कृषि के गहरे ज्ञान रखने वाले अनुभवी नीति विशेषज्ञ के रूप में बनी है। हालांकि, इशिबा के सामने कुछ बड़ी चुनौतियां भी हैं। इनमें एलडीपी में जनता का भरोसा बहाल करना शामिल है, जो स्लश फंड घोटाले के कारण प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, चीन, उत्तर कोरिया और रूस से बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी उनके नेतृत्व का परीक्षण होगा। इसी बीच मुख्य विपक्षी दल कांस्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (सीडीपीजे) ने भी नए नेता के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिको नोडा को चुना है। सीडीपीजे संभावित आम चुनाव में अधिक सीटें हासिल करने की कोशिश कर रही है, जिससे वह लंबे समय से प्रभावी एलडीपी को चुनौती दे सके। जापान में नए प्रधानमंत्री अक्सर निचले सदन को जल्दी भंग करने के लिए चुनाव की घोषणा करते हैं, ताकि वे उच्च अनुमोदन रेटिंग का लाभ उठाकर जनता से जनादेश प्राप्त कर सकें और अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ा सकें।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 02 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-273

रोहिंग्या युवतियों को भारत में घुसाया, बसाया और बड़े लोगों को 'परोसा'

फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा समेत कई धनपशु हैं 'सप्लायर'

भारत में बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों को लेकर सामाजिक, सांगठनिक और राजनीतिक मंचों से तमाम चिताएं तो जाहिर की जाती हैं, लेकिन किसी भी मंच से यह

पोर्न स्टार रिया बर्डे उर्फ बोन्या शेख गिरफ्तार, फर्जी बाप अरविंद बर्डे फरार

बात नहीं होती कि बाहरी घुसपैठिए आखिर भारत में घुसते कैसे हैं? सीमा पर तैनात सुरक्षा बल उन्हें भारत में घुसने क्यों देते हैं? घुसपैठियों को भारत का शासन-प्रशासन तंत्र आधार कार्ड, पासपोर्ट, राशन कार्ड जैसे दस्तावेज कैसे मुहैया कराता है? इन सवालों का जवाब यह है कि भारत के लोगों की घूसखोर नस्ल भारतवर्ष की सारी आफत के मूल में हैं। पैसे के लिए भारत के बहुतायत लोग भारत को खुलेआम सरेआम बेच डालने में कोई शर्म नहीं करेंगे। ऐसे ही घृणित तत्वों को हम सम्मानित करते हैं, महिमामंडित करते हैं और उनसे हाथ मिला कर खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं। अभी जिस घटना को लेकर बात आगे बढ़ेगी, वह भी ऐसे ही नस्लदूषित

भारतवर्षियों की घृणित हरकत है, जिसके कारण रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत में बसाया गया। उन्हें सारे प्रामाणिक दस्तावेज मुहैया कराए गए और उनकी महिला सदस्यों को बड़े बड़े धन्नासेठों के आगे परोसा गया।

रितु उर्फ मोनी शेख, अंजलि उर्फ रूबी शेख, रवींद्र उर्फ रियाज की तलाश जारी

इस काम में मशहूर फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा समेत जैसे कई चेहरे सक्रिय रूप से शामिल हैं। लेकिन हम उनसे नफरत नहीं करते। कानून की कार्रवाईयों की तो बात ही दूर और अलग है। उल्लेखनीय है कि भारत के दोगले प्रशासनिक तंत्र की वजह से वर्तमान में करीब 90 लाख रोहिंग्या भारत में अवैध रूप से रह रहे हैं।

हाल ही में महाराष्ट्र पुलिस ने रिया बर्डे उर्फ रिया अरविंदा बर्डे उर्फ आरोही बर्डे उर्फ बोन्या शेख नामक महिला को फर्जी पासपोर्ट हासिल कर भारत में अवैध रूप से रहने और अश्लील फिल्मों में काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। रोहिंग्या घुसपैठिया रिया बर्डे उर्फ बोन्या शेख फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के ▶10 पर

पलवल की विशाल जनसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी

कांग्रेस की नस-नस में भ्रष्टाचार दौड़ता है

पलवल, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलवल में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी की करतूतों और कांग्रेस नेताओं की चारित्रिक असलियत के धागे फिर से खोले और कहा, कांग्रेस की नस-नस में भ्रष्टाचार दौड़ता है। ये दलालों और दामादों की पार्टी बन गई है। कांग्रेस के राज में यहां जमीन की दलाली करने वाले मालामाल हो गए। जबकि किसान को सिर्फ 2 रुपए का मुआवजा मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि जमीन की दलाली में कांग्रेसी दलाल और कांग्रेसी दामाद अरबों के स्वामी बन गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज कांग्रेस यहां एमएसपी को लेकर बड़ी बड़ी बातें कर रही है। लेकिन कांग्रेस की सरकार यहां सिर्फ 3-4 फसलों पर एमएसपी देती थी। जबकि भाजपा सरकार 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही है। पिछले 8 सीजन में एमएसपी के रूप में यहां के लाखों किसानों को 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में मिली है। पीएम मोदी बोले, कांग्रेस ने देश के लिए जरूरी हर विषय को उलझाए रखा। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में संविधान पूरी तरह से लागू नहीं होने दिया। उसने हमारी बहनों को संसद और विधानसभा में आरक्षण से वंचित रखा। उसने हमारी मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की समस्या में उलझाए रखा। कांग्रेस ने देश की, देशवासियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया बल्कि अपने परिवार को स्थापित करने में पूरी शक्ति लगा दी।

पीएम मोदी ने कहा, यहां हरियाणा में कांग्रेस के भीतर जो कलह मची है, उसे भी यहां के लोग देख रहे हैं। कांग्रेस से सबसे अधिक नाराजगी तो दलित, पिछड़े, वंचित समाज की है। दलित समाज ने भी ठान लिया है कि वो बापू-बेटे की राजनीति को चमकाने का मोहरा नहीं बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, हम परिणाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि कांग्रेस कभी भी खुद मेहनत नहीं करती। कांग्रेस को लगता था कि 10 साल हो गए, हरियाणा वाले उन्हें थाली में परोसकर सत्ता दे देंगे। यही गलतफहमी कांग्रेस को मध्य प्रदेश में भी थी, वहां भी कांग्रेस के लोग पहले ही जीत का जश्न मनाने लगे थे। लेकिन मध्य प्रदेश की जनता ने वोटिंग के दिन कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिए।

पीएम मोदी ने कहा, हरियाणा ने हमें सिखाया है कि काम करो, मेहनत से करो। कांग्रेस का फॉर्मूला है न काम करो और न दूसरों को काम करने दो। कांग्रेस की राजनीति केवल झूठे वादों तक सीमित रहती है, जबकि भाजपा की राजनीति मेहनत और परिणामों पर टिकी है। पीएम मोदी ने कहा, मैंने एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में लंबे समय तक हरियाणा की जमीनी राजनीति को देखा है। बीते दिनों हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्र में मुझे चुनाव अभियान के लिए, जनता-जनार्दन के दर्शन के लिए जाने का अवसर मिला है। आज इस चुनाव की ये मेरी अंतिम सभा है। आपने भी मेरी इस चुनाव की आखिरी सभा को चार चांद लगा दिए हैं।

▶10 पर

भारत के थलसेना अध्यक्ष ने दिया संवेदनशील बयान

सीमा पर हालात स्थिर हैं, लेकिन सामान्य नहीं

हम किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार: जनरल

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्वी लद्दाख में चीन और भारत के बीच जारी सैन्य गतिरोध पर कहा कि इस क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति स्थिर तो है, लेकिन मामला संवेदनशील है और स्थिति सामान्य नहीं है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि विवाद के समाधान पर दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक वार्ता से एक सकारात्मक संकेत सामने आ रहा है लेकिन किसी भी योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर ▶10 पर

युद्ध के लिए जरूरी है, उसकी अग्रिम योजना

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इज़राइल हिज्बुल्लाह युद्ध के प्रसंग में पेजर धमाकों को लेकर पूछे गए सवाल पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि जिस पेजर की बात हो रही है, वह ताइवान की कंपनी है, जिसे हंगरी की कंपनी को सप्लाई किया जा रहा था। हंगरी की कंपनी ने इसके बाद उन पेजरों को बेबनान सप्लाई कर दिया। जनरल द्विवेदी ने कहा, जो शेल कंपनी बनाई गई, वह इज़राइलियों का मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। इसके लिए सालों-साल की तैयारी की जरूरत होती है। ▶10 पर

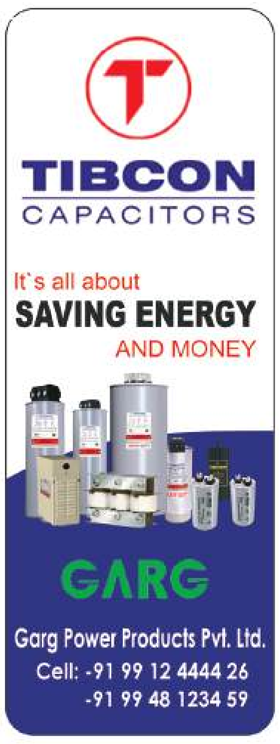

बिहार की राजधानी में विशाल राजनीतिक जलसे की तैयारी

प्रशांत किशोर करेंगे पार्टी की आलीशान लॉन्चिंग

पटना, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को प्रशांत किशोर अपनी जन सुराज पार्टी की औपचारिक लॉन्चिंग कर रहे हैं। बिहार में बड़े राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में इसे प्रस्तुत किया जा रहा है। सभी राजनीतिक दलों की नजर वहीं टिकी हैं। बिहार में अपनी राजनीतिक पार्टी की प्राण-प्रतिष्ठा कर रहे प्रशांत किशोर के कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों का भी जमावड़ा होने वाला है। प्रशांत किशोर के मंच पर 10-12 देशों के अतिथि रहेंगे। बुधवार को इस कार्यक्रम में प्रशांत किशोर की पार्टी का नामकरण भी होगा। जन सुराज नाम कायम रखने पर ज्यादा लोगों की सहमति है, लेकिन अंतिम फैसला लेकर कल खुद पीके मंच से ऐलान करेंगे। इसके साथ ही वह पार्टी अध्यक्ष के नाम का भी ऐलान करेंगे। प्रशांत किशोर चुनावी रणनीतिकार के अलावा बड़े इवेंट मैनेजर के रूप में भी अपने इस कार्यक्रम की तैयारी करा रहे हैं। ▶10 पर

सरकारी एयरोस्पेस कंपनी एचएएल का बेहतरीन समयबद्ध प्रदर्शन

वायुसेना को सौंपा सुखोई लड़ाकू विमान का पहला इंजन

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने नए करार के तहत भारतीय वायुसेना को सुखोई एसयू-30एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट का पहला इंजन सौंप दिया है। कॉन्ट्रैक्ट पर पिछले महीने 09 सितंबर को ही हस्ताक्षर हुए थे। इस करार के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को अगले आठ साल में सुखोई फाइटर जेट के लिए 240 इंजन बनाने थे। लेकिन एक महीने से कम वक्त में एचएएल ने सुखोई का पहला इंजन तैयार करके भारतीय वायुसेना को सौंप दिया।

एचएएल को आठ साल में बनाने हैं सुखोई फाइटर जेट के 240 इंजन

रक्षा मंत्रालय ने एसयू-30एमकेआई विमान के लिए 240 एयरो-इंजन की खरीद के लिए एचएएल के साथ 26,000 करोड़ रुपए का सौदा किया था। भारतीय वायुसेना के पास 260 सुखोई-30 विमानों का बेड़ा है। इनमें से पहले 50 सुखोई फाइटर जेट रूस से आए थे, जबकि बाकी को एचएएल ने ट्रांसफर और टेक्नोलॉजी (टीओटी) लाइसेंस के तहत देश में ही बनाया था। मिग कॉम्प्लेक्स के सीईओ साकेत चतुर्वेदी ने सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट का पहला एयरो इंजन भारतीय वायुसेना के एयर वाइस मार्शल के. हरिशंकर को सौंपा। एडीजी एक्यूए (कोरापुट) आरबी नागराजा ने भारतीय वायुसेना को इस इंजन के दस्तावेज सौंपे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने 02 सितंबर को ही सुखोई-30 के इंजनों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^{0}

न्यूनतम : 24^{0}

पाकिस्तान में मुसलमानों का मारा मुसलमान परिवार

भारत में बन कर रह रहा था 'शर्मा परिवार'

फिर खुली पाकिस्तान की इस्लामियत की पोल

बेंगलुरु, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बेंगलुरु में पहचान छिपाकर रह रहे चार पाकिस्तानियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध राशिद अली सिद्दीकी, उसकी पत्नी आयशा और उसके पिता हनीफ मोहम्मद और मां रुबीना राजापुरा गांव में शर्मा परिवार बनकर रह रहे थे। उन्होंने अपना नाम शंकर शर्मा, आशा रानी, राम बाबू शर्मा और रानी शर्मा रखा हुआ था। पाकिस्तान में ईश निंदा के आरोपों और जान से मार डालने की धमकियों से डर कर यह परिवार भारत में छुप कर रह रहा था। परिवार की गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर से पाकिस्तान की इस्लामियत की पोल खुल गई है।

पुलिस ने चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो पाकिस्तानियों को गिरफ्तार किया था। उनके पकड़े जाने के बाद में इंटेलिजेंस के अधिकारियों से मिली जानकारी के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ढाका से चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे पाकिस्तानी लोगों को इमिग्रेशन अधिकारियों ने फर्जी पासपोर्ट के साथ में पकड़ा था। जांच में पता चला कि वे सिद्दीकी से संबंधित थे। रविवार को सिद्दीकी और उसका पूरा परिवार अपना सामान पैक कर रहा था। ▶10 पर

ओड़ीशा के आदिवासी बहुल इलाके में मुस्लिमों की करतूत

100 एकड़ जंगल की जमीन पर बसा दिया इस्लाम नगर!

भुवनेश्वर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ओड़ीशा के जनजातीय बहुल मालकानगिरि जिले में सौ एकड़ अधिक जंगल की जमीन पर कब्जा कर वहां इस्लाम नगर बसा दिया गया। मलकानगिरि जिले के मोटु इलाके में जंगल की सौ एकड़ जमीन हड़पे जाने की अजीबोगरीब घटना का खुलासा होने के बाद पूरे प्रदेश में सनसनी मची हुई है। इस धांधली में वन विभाग और जिला प्रशासन की मिलीभगत की बातें सामने आ रही हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग 326 से मात्र 2-3 किमी की दूरी पर स्थित इस जंगल की जमीन को हड़प कर इस्लाम नगर बसाए जाने के मामले की राज्य सरकार ने उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। यह इलाका साबेरी नदी के तट पर घने जंगलों के बीच यह स्थित है। इतने विशाल जंगल की जमीन पर गैरकानूनी तरीके से भवनों का निर्माण किया गया। उस इलाके में जाने के लिए सरकारी पैसे से और

राज्य सरकार ने दिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश

सरकारी योजना से सड़क भी बनाए जाने की बात सामने आई है। मनरेगा योजना से इस सड़क का निर्माण किया गया है। इस संबंध में वहां बोर्ड भी लगाया गया है। बोर्ड से स्पष्ट हो रहा है कि इस गैरकानूनी तरीके से कब्जे किए जाने वाले इस सड़क निर्माण के लिए ▶10 पर

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

नायब सिंह सैनी ने पानीपत की धरती से हुड्डा पर साधा निशाना, कहा

भूपेंद्र हुड्डा के 10 साल पर मेरे 56 दिन भारी

पानीपत, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत की धरती से पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधा। उन्होंने हुड्डा के दस साल पर अपने 56 दिन के कार्यकाल को बेहतर बताया। उन्होंने यहां यह भी कहा कि इन 56 दिनों में 126 योजन-ाओं पर फैसले लिए हैं। यह तो एक ट्रेलर था। इसकी फिल्म आठ अक्टूबर के बाद भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद दिखाई जाएगी। उन्होंने यह बात मंगलवार को पानीपत के शहरी विधानसभा क्षेत्र की पुरानी सब्जी मंडी और समालखा विधानसभा क्षेत्र की बापौली अनाज मंडी में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। वे पानीपत शहरी विस में प्रमोद विज और बापौली में समालखा विस क्षेत्र के प्रत्याशी मनमोहन भड़ाना के समर्थन में रैली को संबोधित करने आए थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव अंतिम पड़ाव में है। सबको मिलकर पांच अक्टूबर को लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा लेकर नई सरकार का गठन करना है। ऐसे में समय बहुत कम है। प्रत्येक कार्यकर्ता अपना पूरा दम लगा दे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले दस साल में पानीपत का चहुंमुखी विकास किया गया है। अगर कहीं कसर रह गई है तो अगले पांच साल में पूरी कर देंगे। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने हरियाणा समेत पूरे देश का एक समान विकास किया है। यहां सड़क, मेडिकल कॉलेज, वंदे भारत ट्रेन व नए महाविद्यालय खोले हैं। भाजपा सरकार ने मिशन मोड में काम किया है। आठ अक्टूबर के बाद प्रदेश का विकास तेज किया।

उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा दस साल हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे हैं। जबकि वे 56 दिन सीएम रहे हैं। हुड्डा के दस साल पर उनके 56 दिन भारी हैं। तीज पर महिलाओं को 500 रुपये गैस का सिलिंडर देने की घोषणा की है। इससे ऊपर का पैसा उनके खातों में जाएगा। 1.80 हजार आय वाले लोगों के घरों पर दो किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाया जाएगा। किसान की 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जाएगा। उन्होंने हुड्डा का नाम लेकर कहा कि मैंने जो कहा व धरातल पर कर दिखाया है। कौशल विकास के कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। भाजपा पूरी पिक्चर आठ अक्टूबर को दिखाएगी। भाजपा सरकार एक से बढ़कर एक फैसला ले रही है। आठ के बाद पंचायती या सरकारी जमीन पर मकान बनाने वाले लोगों को उसका मालिकाना हक मिल जाएगा। यह जमीन न्यूनतम चार्ज पर उनके नाम कर दी जाएगी। 84 लाख लोगों को हैप्पी कार्ड दिया है। भाजपा ने कई संकल्प लिए हैं। भाजपा की सरकार बनते ही

सबसे पहला फैसला महिलाओं के लिए लागू होगा। उनको लाडो लक्ष्मी योजना में 2100 रुपये प्रति महिला दिए जाएंगे। पांच लाख परिवारों को प्रधानमंत्री योजना के तहत मकान बनाकर दिए जाएंगे। आयुष्मान व चिरायु योजना में पांच की बजाय 10 लाख रुपये का इलाज दिया जाएगा। 70 से साल से अधिक आयु के बुजुर्ग को पांच लाख का कार्ड अलग से दिया जाएगा। उनके इलाज की चिंता परिवार पर नहीं होगी। दो लाख नई नौकरी बिना पर्ची व खर्ची के दी जाएंगी। एससी व बीसी वर्ग के विद्यार्थी देश के किसी भी कॉलेज व विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं तो उनकी पूरी फीस सरकार देगी। सैनी ने कहा कि आठ को कांग्रेस वेंटिलेटर पर चली जाएगी। कांग्रेस ने सुविधा देने की बजाय अपनी जेब भरी है। असंध के कांग्रेस प्रत्याशी की घर भरने की बात हर किसी ने सुनी है। राहुल गांधी उनके हलके में प्रचार करने पहुंच गए।

उन्होंने कहा कि पानीपत की कस्टोडियन की जमीन पर बसी राजीव गांधी, चावला कॉलोनी व सैनी कॉलोनी के लोगों को मालिकाना हक देने को कैबिनेट में पास कर दिया है। इनको कलेक्टर रेट पर रजिस्ट्री कराई जाएगी। प्रॉपर्टी आईडी की समस्या को जड़ से खत्म किया जाएगा। यहां पानीपत शहरी विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी हिमांशु शर्मा ने भाजपा को समर्थन दिया। इनके अलावा शशि कपूर व शेरू कपूर भाजपा में शामिल हुए। नायब सिंह सैनी ने इनका स्वागत किया।

कांग्रेस नेता संजय अग्रवाल ने भाजपा जॉइन की। संजय अग्रवाल ने 2019 का विधानसभा चुनाव प्रमोद विज के सामने चुनाव लड़ा था। उन्होंने 37318 वोट मिले थे। यह 30.51 प्रतिशत था। वहीं भाजपा के प्रमोद विज 76863 वोट लेकर 39545 वोटों से विजयी रहे थे। उनका वोट प्रतिशत 62.84 प्रतिशत था। पानीपत शहरी विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी हिमांशु शर्मा ने भाजपा में विश्वास जताया है। कार्यकारी सीएम नायब सिंह सैनी ने उनका स्वागत किया।

असंध के स्कूल ग्राउंड में भाजपा उम्मीदवार योगेंद्र राणा के पक्ष में जन आशीर्वाद रैली का आयोजन किया। इस रैली में मुख्यमंत्री ने जनता से योगेंद्र राणा को समर्थन देने की अपील की और भाजपा सरकार के 56 दिन के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने कार्यकाल के दौरान जितने विकास कार्य नहीं किए, उससे अधिक भाजपा सरकार ने किए हैं। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस केवल झूठे वादे कर रही है और उनके नेता भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों को समर्थन दे रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रिे से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएं। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएं उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 02 अक्टूबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 12:21 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी दोपहर 12:23 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 03:20 तक
करण : चतुष्पाद प्रात: 11:01 तक
चन्द्र राशि : कन्या
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:03 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:55 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवपितृ कार्य सर्व अमावस्या , गजच्छाया योग दोपहर 12:23 से सूर्यास्त तक , गांधी–शास्त्री जयंती, महालय श्राद्ध पक्ष समाप्त

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सिरसा डेरा प्रमुख को पेरोल नियमों के मुताबिक : विज

अंबाला, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। यौन शोषण व हत्या के आरोप में सजा भुगत रहे हरियाणा के सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले 20 दिन की पेरोल मिलने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने मंगलवार को कहा कि राम रहीम को पेरोल नियमों के मुताबिक ही दिया गया होगा।

श्री विज ने यहाँ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पेरोल के नियम हैं और नियमों के मुताबिक ही पेरोल दिया होगा। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष इस संबंध में सवाल उठा रहा है तो विपक्ष नियमों को बदलवा दे। पूर्व मंत्री विज ने कहा कि गुरमीत सिंह को चुनाव आयोग ने 20 दिन का सशर्त पेरोल दिया है जिसके तहत गुरमीत सिंह हरियाणा में कदम नहीं रख सकता और निजी या सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक गतिविधि में संलिप्त नहीं हो सकता। अगर गुरमीत सिंह शर्तों का उल्लंघन करेगा तो उसी समय पेरोल रद्द किया जा सकता है। गौरतलब है कि गुरमीत सिंह को पिछले माह ही 20 दिन के लिए परोल पर जेल से रिहा किया गया था। इस बार सरकार ने फाइल चुनाव आयोग को भेजी जिसके बाद चुनाव आयोग ने सशर्त पेरोल मंजूर किया।

सरिस्का में पहले दिन ही बड़ी संख्या में पहुंचे देशी-विदेशी पर्यटक

अलवर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर का सरिस्का बाघ अभयारण्य मानसून के बाद मंगलवार से खुल गया और बाघों को देखने के लिए पहले दिन ही बड़ी संख्या में देशी- विदेशी पर्यटक पहुंचे। सरिस्का प्रशासन की ओर से तिलक लगाकर और फूल माला से पर्यटकों का स्वागत किया गया। इस मौके पर सरिस्का के नेचर गाइड और सरिस्का कर्मी मौजूद रहे। तीन महीने बाद खुले सरिस्का को लेकर पर्यटकों में भारी उत्साह देखा गया। पहली पारी में करीब 125 पर्यटक सरिस्का पहुंचे, हालांकि आज मंगलवार होने के कारण पर्यटकों की संख्या कम रही लेकिन दो और तीन अक्टूबर को अवकाश होने के कारण पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी क्योंकि सबसे ज्यादा यहां पर्यटक शनिवार और रविवार या अन्य अवकाशों में आते हैं।

सीसीएफ संग्राम सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर सरिस्का में जिप्सी रवाना की गई। सरिस्का में हर साल लाखों की संख्या में देशी विदेशी पर्यटक आते हैं। बाहर से आए पर्यटकों ने सरिस्का में इस बार साफ सफाई

को लेकर संदेश दिया कि वन्यजीवों के जंगल में पॉलिथीन की थैली लेकर नहीं जाएं और पर्यावरण को स्वच्छ रखें और साफ रखें। श्री सिंह ने बताया कि तीन महीने बाद सरिस्का खुला है, हालांकि पहले भी खुला था लेकिन स्थाई रूप से पहली बार खुला है। इस बार बारिश अच्छी होने के कारण सरिस्का में हरियाली अच्छी है। बाघ को आसानी से देखा जा सकेगा। सभी ट्रैकों पर पर्यटक आसानी से घूम सकेंगे और बाघों को देख सकेंगे। बरसात के मौसम में तीन महीने जंगल बंद रहता है क्योंकि वन्य जीव एवं वनस्पति प्रजनन का समय रहता है, वही ट्रैक भी बरसात के समय खराब हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि सरिस्का में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए बाघों के दर्शन होना सुगम हो गया है। जल स्रोतों पर पानी भी बहुत मात्रा में है। इसके अलावा जो रास्ते बरसात में खराब हो गए थे, उनको दुरुस्त किया गया है, जिसके कारण सरिस्का में तीन जोन में पर्यटक आसानी से घूम सकेंगे। उन्होंने बताया कि सरिस्का में पहली पारी में आज 12 जिप्सियां एवं आठ कैंटरो द्वारा भ्रमण कराया जा रहा है। सबकी ऑनलाइन बुकिंग की गई है।

भाजपा सरकार ने रोजगार के सारे रास्ते बंद किए : राहुल

सोनीपत, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने रोजगार के सारे रास्ते बंद कर दिए हैं और हरियाणा के युवा रोजगार के लिए विदेश जाने को मजबूर हो गए हैं। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विजय संकल्प रैलियों की श्रृंखला के तहत राहुल गांधी मंगलवार को सोनीपत पहुंचे।

श्री गांधी ने कहा कि वे अमेरिका में हरियाणा के युवाओं से मिले, जिन्होंने बताया कि हरियाणा में एक तरफ महंगाई है तो दूसरी तरफ रिकार्ड बेरोजगारी है।

उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार ने जवानों की पेंशन की राशि को अडाणी की जेब में डालने का काम किया है और युवाओं के लिए अग्निवीर योजना लाकर उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है। कांग्रेस नेता ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमीरों का जितना कर्ज माफ किया है उतना ही रुपया गरीब, किसानों और मजदूरों को दिया जाएगा। श्री गांधी ने कहा कि किसान तीन चीज चाहता है। कर्ज माफ होना चाहिए, किसानों के लिए एक सिस्टम बनाया जाएगा। किसानों के लिए फसलों पर एमएसपी गारंटी कानून लागू करवाया जाएगा।

पथराव के विरोध में जहाजपुर कस्बे में बाजार बंद रहे

भीलवाड़ा, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर कस्बे में जलझूलनी के मौके पर निकाले जा रहे बेवाण पर एक धार्मिक स्थल से पथराव करने के मामले में कार्रवाई नहीं होने के विरोध में मंगलवार को बाजार बंद रहे जबकि हिंदू संगठनों का महापड़ाव जारी रहा। हालांकि क्षेत्र में अब तक शांति है। पुलिस स्थिति पर निगाह रखे हुए है। प्रशासन और हिंदू संगठनों के बीच बातचीत से हल निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

जहाजपुर कस्बे में सुबह से बाजार बंद हैं। चाय-पान की दुकानों के साथ ही मेडिकल स्टोर भी नहीं खुले हैं। महापड़ाव में जिले भर से हजारों लोग शामिल हुए हैं। ये लोग अपनी मांगों पर अड़े हैं। सुबह से भजन-कीर्तन चल रहे हैं। भोजन और रहने की व्यवस्था भी वहीं की गयी है। सांसद दामोदर अग्रवाल भी जहाजपुर पहुंचे हैं। नगर पालिका में बातचीत का दौर शुरु हुआ है, जहां सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपीचंद मीणा, विजय ओझा के साथ ही हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ही जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, एएसपी चंचल मिश्रा, एसडीएम एवं अन्य अधिकारियों के बीच वार्ता चल रही है। संभवत: कोई हल निकल सकता है। उधर, बंद को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

बेटे को सेट करने के लिए हरियाणा को अपसेट करने में लगा बापू : अनुराग ठाकुर

करनाल, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने करनाल में कांग्रेस पर निशाना साधा। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि बापू बेटे को सेट करने के लिए, हरियाणा को अपसेट कर रहा है। दलितों को अपमानित किया जा रहा है। हालात अभी से ऐसे हैं कि सरकार आए बिना ही कांग्रेस के नेता और प्रत्याशी नौकरियों की सेल लगाने लगे हैं और कोटे भी निर्धारित कर लिए हैं। इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को जवाब देना होगा।

अनुराग ठाकुर मंगलवार शाम को भाजपा कार्यालय कर्ण कमल पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मेरा सवाल हुड्डा से है, वे खर्ची-पर्ची वाली सरकार बनाने की फिर सोचते हैं? ये क्या आधार है कि 50 वोट के आधार पर एक नौकरी। कांग्रेस के प्रत्याशी कहते हैं कि नौकरी का कोटा मिल गया।

किसने दिया कोटा, किस आधार पर दिया। खर्ची-पर्ची करके जनता की जेब से पैसा निकालना चाहते हैं, युवाओं को नौकरी बेचना चाहते हैं। कुमारी सैलजा की नाराजगी पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हालत तो ऐसी हो गई कि राहुल गांधी को मजबूरी में हाथ मिलवाने पड़ रहे हैं। जनता सब देख रही है कि दलितों का अपमान कैसे किया। हुड्डा सरकार के कार्यकाल में मिर्चपुर की घटना को प्रदेश अभी भूला नहीं है। 18 दलितों के परिवारों के घर जला दिए गए थे और उनकी बेटियों पर अत्याचार हुए। अब साथ लगते राजस्थान में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दलितों की बेटियों से इतने अत्याचार हुए कि इस मामले में वो प्रदेश अब देश में नंबर-1 पर आया। क्या दलितों के उत्पीड़न की प्रयोगशाला अब हरियाणा को बनाएंगे। राहुल गांधी विदेश में जाकर देश विरोधी ताकतों के साथ बैठकें करते हैं, भारत का क्या भला कर सकते हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगता है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि असंध के कांग्रेस प्रत्याशी कहते हैं कि पहले अपना घर भरेंगे, फिर रिश्तेदारों का भरेंगे। इनकी सरकार जो दस साल तक चली, वो दामाद और दलाल का जलवा जलाल था। दलितों का अत्याचार था। तो क्या ये वही हालात दोबारा वापस लाने की बात करते हैं। भरेंगे अपने घर, जो पहले भरे थे। हुड्डा ने भ्रष्टाचार और उत्पीड़न में प्रदेश को नंबर-1 बनाया। क्योंकि तब एक ही जिले तक विकास सिमटा रहता था। किसानों की जमीनें तक हड़प ली गई।

राजस्थान में बेघर घुमंतू जाति के लोगों के घर का सपना आज होगा साकार

जयपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। इतिहास में पहली बार राजस्थान में रहने वाली 32 विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जाति के दर दर घूमने वाले बेघर लोगों का अपने स्थाई घर का सपना महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर को साकार होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा बुधवार को पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे जयपुर में दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू परिवारों को आवासीय पट्टा वितरण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जयपुर की सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद रहेंगी। पट्टा वितरण कार्यक्रम एक साथ राज्य एवं जिला स्तर पर आयोजित होगा। राज्य स्तरीय समारोह को समस्त जिलों में होने वाले कार्यक्रमों मे लाइव दिखाया जायेगा। इस दौरान चयनित दस जिलों के लाभार्थियों से मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद भी करेंगे। कुल चयनित 20 हजार 721 परिवारों को प्रथम चरण मे पट्टे दिए जाएंगे।

मातामह श्राद्ध करने से मिलती है मातृ ऋण से मुक्ति

कल होगा मातामह श्राद्ध

नवरात्रि स्थापना के साथ अधिकांश घरों में मातामह श्राद्ध किया जायेगा। सर्व पितृ और मातामह नाना, मातामही नानी का श्राद्ध आश्विन शुक्ल प्रतिप्रदा नवरात्रि के दिन करते है । मातामह श्राद्ध 3 अक्टूबर को होगा। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि परिजनों की स्मृति में तर्पण और श्राद्ध कर्म की तिथि अनुसार करने की परंपरा है। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। अक्सर मातामह श्राद्ध पितृ पक्ष की समाप्ति के अगले दिन होता है। इस बार 3 अक्टूबर को होगा। परंपरा है कि लोग अपनी संतान नहीं होने पर दत्तक गोद लेते थे ताकि मृत्यु के बाद वो पिंडदान कर सके। मान्यतानुसार दत्तक पुत्र दो पीढ़ी तक श्राद्ध कर सकता है।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी औरत के पिता का निकाला जाता है जिसका पति व पुत्र ज़िन्दा हो अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। इस प्रकार यह माना जाता है कि मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

मातामह श्राद्ध में दूसरी पीढ़ी करती है तर्पण–पिंडदान

दिवगंत परिजन के घर में लड़का ना होए तो लड़की की संतान यानी नाती भी पिंडदान कर सकता है। मान्यतानुसार लड़की के घर का खाना नहीं खा सकते इसलिए मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है।

मातृ ऋण से मिलती है मुक्ति

इस दिन माता पक्ष यानी मां, नानी का श्राद्ध करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है और मां अपने कुल को वृद्धि, सुख–सौभाग्य व समृद्धि का आशीर्वाद देकर चली जाती हैं। मातामह श्राद्ध बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है।

जो लोग माता पक्ष का श्राद्ध नहीं करते, उनको मातृ दोष का भागी बनना पड़ता है। मातामह श्राद्ध का दिन परिवार की मातृ पितरों से जुड़ा हुआ है, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए इस दिन पिंडदान, तर्पण विधि और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं।

क्या होता है मातामह श्राद्ध

मातामह श्राद्ध एक ऐसा श्राद्ध है जो एक पुत्री द्वारा अपने पिता व एक नाती द्वारा अपने नाना को तर्पण के रूप में किया जाता है। इस श्राद्ध को सुख शांति का प्रतीक माना जाता है । यह श्राद्ध करने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें है अगर वो पूरी न हो तो यह श्राद्ध नहीं किया जाता है। शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी महिला के पिता के द्वारा किया जाता है जिसका पति व पुत्र जिंदा हो। अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं?

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं? यह प्रश्न भ्रम की स्थिति उत्पन्न करता है। अमूमन देखा गया है कि परिवार के पुरुष सदस्य या पुत्र–पौत्र नहीं होने पर कई बार कन्या या धर्मपत्नी को भी मृतक के अंतिम संस्कार करते या श्राद्ध वर्षी करते देखा गया है। परिस्थितियां ऐसी ही हों तो यह अंतिम विकल्प है। इस बारे में हिंदू धर्म ग्रंथ, धर्म सिंधु सहित मनुस्मृति और गरुड़ पुराण भी महिलाओं को पिंड दान आदि करने का अधिकार प्रदान करती है।

श्राद्ध में ये तीन अत्यंत पवित्र माने जाते है

पुत्री का पुत्र अर्थात दौहित्र, कुतप समय, अर्थात अपरान्ह समय व तिल। श्राद्ध कर्म में ये तीन पवित्र माने गए है। सामान्यतः श्राद्ध कर्म में कभी क्रोध व जल्दबाजी नहीं करना चाहिए।शांति, प्रसन्नता व श्रद्धा पूर्वक किया कर्म ही पितरों को प्राप्त होता है। धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ सिद्धान्त शिरोमणि व अथर्वेद का मानना है कि श्राद्ध कर्म हमारे वेद शास्त्रों द्वारा अनुमोदित व विज्ञान सम्मत भी है। कन्यागत सूर्य में जो भोज्य सामग्री पितरों को दी जाती है वे समस्त स्वर्ग प्रदान करने वाली कही गयी है। पितृ पक्ष के ये सोलह दिन यज्ञों के समान है इस काल मे अपने पितरों की मृत्यु तिथि पर दिया गया भोजनादि पदार्थ अक्षय होता है अतः इस काल मे श्राद्ध ,तर्पण,दान, पुण्य आदि अवश्य करना चाहिए। इससे आयु, पुत्र, यश,कीर्ति, समृद्धि, बल, श्री,सुख, धन,धान्य की प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

साल में एक ही बार आता है ये शुभ दिन, करें ये उपाय

गृह क्लेश होगा दूर, कारोबार में भी मिलेगी कामयाबी

सर्वपितृ अमावस्या 2 अक्टूबर, बुधवार को है, और इस दिन ज्यादातर लोग अपने पितरों का तर्पण करते हैं। यह दिन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह साल की सबसे बड़ी अमावस्या होती है। पितरों के तर्पण का यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन किसी भी तीर्थ स्थल पर जाकर अपने पितरों को पिंडदान और तर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। जो पितृ वायु रूप में भटक रहे होते हैं, उन्हें पिंडदान से शरीर रूप प्राप्त होता है। अगर किसी व्यक्ति की जन्मपत्रिका में कालसर्प दोष, पितृ दोष या अन्य कोई दोष हो, या यदि परिवार में वंश वृद्धि नहीं हो रही हो, घर में कलह हो, या व्यापार में लगातार नुकसान हो रहा हो, तो इस दिन पितरों का पिंडदान करने से इन समस्याओं में राहत मिलती है।

ज्योतिषी कविता जांगिड़ ने लोकल 18 को बताया कि इस दिन की अमावस्या पिंडदान करने से पितरों को पिंड रूपी शरीर की प्राप्ति होती है। तो वहीं पिंड तर्पण करने से पितरों की भूख प्यास समाप्त जाती है। इस प्रकार जिस भी जातक के जन्मपत्रिका में किसी भी प्रकार का दोष होता है। जैसे कालसर्प दोष, पितृ दोष। जिनके घर में वंश वृद्धि नहीं हो पा रही, घर में गृह क्लेश है, व्यापार में हानि होती रहती है, इस दिन पितरों को पिंडदान पिंड दर्पण करने से इन सभी कार्यों में राहत मिलती है।

तीर्थ का राजा पुष्कर राज

कविता जांगिड़ ने बताया कि अमावस्या के दिन पिंडदान तर्पण तीर्थ स्थल पर करें। समस्त तीर्थ का राजा पुष्कर राज को कहा गया है। अगर यहां जाकर अमावस्या के दिन पिंडदान पिंड तर्पण करते हैं। समस्त तीर्थ साल में एक बार पुष्कर राज को ढोकने आते हैं। पुष्कर में ज्ञात और अज्ञात पितरों के पिंडदान हो जाते हैं कोटा में आप चंबल नदी के किनारे भी पिंडदान पिंड तर्पण कर सकते हैं।

कैसे कराएं भोजन

उन्होंने ने बताया कि गरुड़ पुराण सहित कई पुराणों में बताया गया है कि पितरों का श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। आप भी अगर सर्वपितृ अमावस्या पर अपने पितरों का तर्पण, श्राद्ध कर रहे हैं, तो आपको श्राद्ध भोजन से जुड़े कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे कि आपके पितरों की आत्मा को मुक्ति मिल सके। पितृपक्ष में अगर आप पितरों का श्राद्ध कर रहे हैं, तो आपको केले के पत्ते पर श्राद्ध का भोजन नहीं परोसना चाहिए, क्योंकि श्राद्ध का भोजन केले के पत्ते पर नहीं परोसा जाता है। आप चांदी, कांसे, तांबे के बर्तनों में भोजन परोस सकते हैं। वहीं, पत्तल पर भोजन परोसना भी शुभ माना जाता है।

शारदीय अमावस्या पर क्या करें और क्या न करें

1.इस दिन बेलपत्र नहीं तोड़ना चाहिए।

2. जितना हो सके गाय को हरा चारा देना चाहिए पक्षियों को दाने देना चाहिए।

3. जितना हो सके लोगों को पानी पिलाना चाहिए।

4. गरीब निर्धन लोगों को खाना खिलाना चाहिए।

सर्वपितृ अमावस्या पर पितृ पक्ष खत्म

जानें मुहूर्त, राहुकाल, दिशाशूल

साल का अंतिम सूर्य ग्रहण और सर्व पितृ अमावस्या बुधवार को है । इस दिन अश्विन कृष्ण अमावस्या तिथि, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, ब्रह्म योग, चतुष्पाद करण, उत्तर का दिशाशूल और कन्या राशि का चंद्रमा है। सूर्य ग्रहण रात में 9 बजकर 13 मिनट से लगेगा। यह सूर्य ग्रहण 6 घंटे 4 मिनट के लिए लगेगा। उसके बाद इसका मोक्ष होगा। यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इस वजह से इसका सूतक काल नहीं लगेगा। ऐसे में मांगलिक कार्यों पर कोई रोक नहीं होगी। सूर्य ग्रहण से पहले दिन में सर्व पितृ अमावस्या है। इस अवसर पर पूर्णिमा तिथि वाले पितरों और जिनकी तिथि ज्ञात नहीं होती है, उनका तर्पण, श्राद्ध आदि करते हैं। सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितर पितृ लोक वापस चले जाते हैं। पितरों को तृप्त करने और पितृ दोष की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोज, पंचबलि, त्रिपिंडी श्राद्ध आदि कर्म किए जाते हैं। सर्व पितृ अमावस्या से पितृ पक्ष का समापन हो जाता है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। सर्व पितृ अमावस्या के दिन बुधवार व्रत भी है। जिनकी कुंडली बुध का दोष हो, उनको बुधवार व्रत के साथ गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। गणपति महाराज को मूंग के लड्डू का भोग लगाना चाहिए। बुध के बीज मंत्र का जाप करना चाहिए। इस उपाय से बुध मजबूत होगा और उसके शुभ प्रभाव जीवन में दिखाई देंगे। गणेश जी की पूजा में मोदक, सिंदूर, गेंदे का फूल, दूर्वा, केला आदि जरूर रखते हैं। पूजा में तुलसी के पत्ते वर्जित हैं। गणेश जी के आशीर्वाद से कार्य सफल होते हैं और जीवन में शुभता आती है। बुधवार को हरे रंग के कपड़े पहनें, इससे भी बुध ग्रह मजूबत होगा। कांसे के बर्तन, हरे रंग के कपड़े, हरे फल आदि का दान भी अच्छा होता है।

एक ऐसा मंदिर जहां सांप दिखने पर बदल जाती है किस्मत!

नवरात्रि में दर्शन देते हैं अजगर दादा

मध्य प्रदेश के सागर में बाघराज एक प्रसिद्ध इलाका है। यहां हरसिद्धि माता का मंदिर है। मंदिर परिसर में एक गुफा है। गुफा में भारी भरकम अजगर रहता है। यहां अजगर से डरने की बजाय लोग रोजाना उनकी पूजा करते हैं। गुफा के द्वार पर जल अर्पित कर पुष्प चढ़ाते हैं। क्षेत्रवासी इन्हें 'अजगर दादा' कहते हैं। मान्यता है कि नवरात्रि के समय जिसको भी इनके दर्शन हो जाएं, उसकी किस्मत चमक जाती है।

बताया जाता है कि मंदिर में अजगर दादा रक्षक के रूप में विराजमान हैं। यही वजह है कि इस पूरे इलाके में आज तक कभी किसी को सांप काटने की खबर सामने नहीं आई और न ही कभी किसी के साथ इस संबंध में अनहोनी हुई है। कई दशकों से लोग यह चमत्कार देखते आ रहे हैं। जब भी नवरात्रि आती है या मंदिर परिसर में कोई बड़ा धार्मिक अनुष्ठान किया जाता है, तो काले सर्प या छोटे अजगर के रूप में अजगर दादा दर्शन देते हैं। इंसान उन्हें छू कर भी देख लेते हैं। प्रणाम कर लेते हैं। माता के मंदिर की यही सबसे बड़ी महिमा है।

15–20 फीट होगी अजगर की लंबाई

गुफा में रहने वाले अजगर को लेकर कहा जाता है कि 10–15 साल पहले तक वह कभी–कभी गुफा के बाहर दो–तीन फीट तक आ जाते थे, जिसमें उनकी मोटाई डेढ़ फीट तक किसी मकान के पिलर के जैसी होती थी। उनकी लंबाई 15–20 फीट तक होने का अंदाजा लगाया जाता है। अब वह बहुत ही ज्यादा बूढ़े हो गए हैं, इसलिए कई सालों से लोगों ने उन्हें गुफा के बाहर आते नहीं देखा। क्षेत्र वासियों की मान्यता है कि वह आज भी यहां साक्षात रूप में विराजमान हैं। उनकी कृपा से आज तक इस इलाके में सांप की वजह से कभी कोई दुर्घटना नहीं हुई, जबकि यह इलाका पहाड़ी, जंगल और खेतों से लगा हुआ है।

अजगर के रूप में दादा

मंदिर के पुजारी पुष्पेंद्र महाराज बताते हैं कि उनका पूरा बचपन यही बीता है। तब से लेकर अब तक मां भगवती के मंदिर में बाघराज दादा के रूप में प्रत्यक्ष चमत्कार देखने को मिलता है। नवरात्रि के समय में या मंदिर पर कभी भी कोई धार्मिक अनुष्ठान हो तो किसी न किसी स्वरूप में अजगर दादा दर्शन देने आते हैं। ऐसी मान्यता है कि अगर उनके दर्शन हो गए तो कार्यक्रम के लिए आशीर्वाद मिल गया। 3 अक्टूबर से नवरात्रि शुरू हो रही है। प्रतिपदा से नवमी के बीच में किसी न किसी दिन अजगर दादा जरूर दर्शन देंगे। अब वह दर्शन किसको देंगे, किस रूप में देंगे, यह तो वही जानते हैं।

सांप की वजह से नहीं होती अनहोनी

आगे बताया कि जब अजगर दादा दर्शन देते हैं तो लोगों की भीड़ उन्हें देखने के लिए आ जाती है। लोग उन्हें छू कर देख लेते हैं, प्रणाम करते हैं, फूल चढ़ाने लगते हैं, लेकिन आज तक कभी किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह केवल मंदिर परिसर में ही नहीं जहां तक इस मंदिर का प्रभाव है, उसे इलाके में कोई घटना नहीं हुई है। हमारे पूर्वज भी यही कहते आ रहे हैं कि यहां बाघराज दादा की कृपा से इस तरह की कोई अनहोनी नहीं हुई है।

रीवा का अद्वितीय शिवलिंग : हजारों शिवलिंगों से बना एकमात्र शिवलिंग, त्रेतायुग से है मान्यता

मध्यप्रदेश के रीवा जिले की जवा तहसील स्थित गोहटा गांव एक अद्वितीय धार्मिक स्थल के लिए प्रसिद्ध है।यहां स्थित एक शिवलिंग, जिसे हजारों शिवलिंगों से मिलकर बनाया गया है, श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है।इस मंदिर की मान्यता त्रेतायुग से जुड़ी है और इसका संबंध माता सीता और भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण जी से बताया जाता है।यह शिवलिंग और इसका पौराणिक इतिहास इसे अद्भुत और अद्वितीय बनाते हैं।

पौराणिक कथा – इतिहासकार असद खान के अनुसार, यह शिवलिंग पौराणिक और पुरातत्वीय दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है।जब भगवान राम ने माता सीता का परित्याग किया था, तब माता सीता वाल्मीकि आश्रम जाने से पहले गोहटा गांव में रुकी थीं।यहां तमसा नदी में स्नान कर भगवान शिव की आराधना करते हुए, माता सीता ने अपने दुखों का बखान किया।उन्होंने भगवान शिव से कहा कि अब उनकी पूजा भी खंडित मानी जाएगी क्योंकि उनका परित्याग हो चुका है।तब भगवान शिव प्रकट हुए और उन्हें यह समझाया कि उनका चरित्र और पतिव्रत धर्म ही उनकी पूजा का साक्षी है।भगवान शिव ने माता सीता को हजारों शिवलिंग दिखाए और कहा कि आप इन्हें एक स्थान पर स्थापित कर दें, मैं यहां वास करूंगा।माता सीता ने ऐसा ही किया, और उसके बाद वे वाल्मीकि आश्रम चली गईं।

लक्ष्मण जी की आराधना

मंदिर के पुजारी राम दीन, जो 21 वर्षों से इस मंदिर की सेवा कर रहे हैं, बताते हैं कि लक्ष्मण जी ने भी इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा की थी।उन्होंने अपनी भाभी, गर्भवती माता सीता को जंगल में छोड़ने का अपराधबोध महसूस किया और भगवान शिव से कहा कि उनकी पूजा खंडित है।तब भगवान शिव ने प्रकट होकर उन्हें भी सांत्वना दी और समझाया।

धार्मिक उत्सव और मेले

हर साल सावन के महीने में यहां एक विशाल मेला आयोजित होता है।भक्त बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रा निकालते हैं और हजारों श्रद्धालु इस अद्वितीय शिवलिंग के दर्शन करने आते हैं।यह धार्मिक स्थल न केवल अपनी पौराणिकता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि भक्तों की गहरी आस्था का केंद्र भी है।

मार्वल यूनिवर्स की डेडपूल एंड वूल्वरिन ओटीटी पर धमाका मचाने के लिए तैयार!

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' जब थिएटर्स में रिलीज हुई थी, तब कमाई के मामले में कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए थे। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इस मूवी ने दुनियाभर में छह करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था। फिल्म ने भारत सहित दुनिया भर के दर्शकों को खूब एंटरटेन किया।

वहीं, फैंस लंबे से इस मूवी की ओटीटी रिलीज के इंतजार में हैं, जो कि हो सकता है कि वह अब खत्म हो। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' की ओटीटी रिलीज की डेट सामने आई है और यह व्यूअर्स से ज्यादा दिनों की दूरी पर नहीं है। तो चलिये जानते हैं कि ओटीटी पर यह फिल्म कब और कहां रिलीज होगी।

हाईएस्ट आर-रेटेड फिल्म है 'डेडपूल एंड वूल्वरिन'

ह्यू जैकमैन और रायन रेनॉल्ड्स स्टारर 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी दो ऐसे सुपरहीरो के इर्दगिर्द घूमती है, जो दुनिया को क्राइसेज से बचाने का जिम्मा उठाते हैं। इस कॉन्स्प्ट को फिल्म में काफी शानदार तरीके से दिखाया गया है, जिसका अंदाज इसके कलेक्शन से भी लगाया जा सकता है। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' हाईएस्ट ग्रॉसिंग आर-रेटेड फिल्म मानी जाती है।

ओटीटी पर कब और कहां होगी रिलीज?

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' फिल्म को 1 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकता है। हालांकि, यह खबर रिपोर्ट्स के आधार पर है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से ऑफिशियल अनाउंसमेंट होना बाकी है। वहीं, यह भी कहा गया है कि जो फैंस इस फिल्म को इंडिया में नहीं देख सकते, वह प्रीमियम वीडियो ऑन डिमांड पर इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इसके अलावा फिल्म को एप्पल टीवी पर भी देखा जा सकता है।

तृप्ति डिमरी अब माधुरी दीक्षित के साथ पर्दे पर मचाएंगी धमाल

इन दिनों अभिनेत्री तृप्ति डिमरी खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनके पास एक से बढ़कर एक फिल्मों के प्रस्ताव जो आ रहे हैं। जल्द ही वह कई चर्चित फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।एनिमल के बाद से तृप्ति स्टारडम के रथ पर सवार हैं और अब एक और फिल्म उनके हाथ लग गई है।खास बात यह है कि इस फिल्म में उन्हें बॉलीवुड की धक-धक गर्ल रहीं माधुरी दीक्षित का साथ मिला है।रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभालने वाले हैं, जिन्होंने विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। अगले साल मार्च-अप्रैल में फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी भले ही सामने नहीं आई है, लेकिन 90 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा माधुरी और आज की पीढ़ी की अभिनेत्री तृप्ति की जुगलबंदी देखना बेहद दिलचस्प होगा। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी।रिपोर्ट में बताया गया है कि यह फिल्म मुख्य रूप से 3 किरदारों पर केंद्रित होगी। फिल्म के लिए हीरो का चयन करना अभी बाकी है। माधुरी फिल्म में मां तो तृप्ति उनकी बेटी की भूमिका में होंगी।फिल्म कॉमेडी, एक्शन, रोमांच और ड्रामा से लबरेज होगी। खास बात यह है कि माधुरी और तृप्ति को फिल्म भूल भुलैया 3 में भी साथ देखा जाएगा। हालांकि, इस फिल्म में माधुरी का कैमियो होगा।तृप्ति के हाथ में फिलहाल कई फिल्में हैं। वह राजकुमार राव के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में दिखाई देंगी, जो 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है।वह कार्तिक आर्यन के साथ एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु हैं।वह करण जौहर की फिल्म धड़क 2 में भी नजर आएंगी। विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी तृप्ति के पास है, जिसमें शाहिद कपूर उनके जोड़ीदार होंगे।माधुरी ने कई सफल फिल्में दी हैं। उनके नाम जुड़ने भर से फिल्में हिट हो जाती थीं। न सिर्फ अदाकारी, बल्कि अपने डांस के जरिए भी उन्होंने दर्शकों को मुरीद बनाया है।देवदास की चंद्रमुखी से लेकर तेजाब की मोहिनी, हम आपके हैं कौन की निशा चौधरी से लेकर दिल तो पागल है की पूजा तक, उनके हर किरदार को दर्शकों ने सिर आंखों पर बैठाया है।माधुरी को पिछली बार 2022 में फिल्म मजा मा में देखा गया था।

प्रिंस शिवराम नरेश अगस्त्य स्टारर काली का ट्रेलर रिलीज़

शिव साशु द्वारा निर्देशित और गौतम वर्मा द्वारा निर्मित नई मनोवैज्ञानिक थ्रिलर काली के टीजर ने फिल्म प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्म में युवा अभिनेता प्रिंस और नरेश अगस्त्य मुख्य भूमिकाओं में हैं।4 अक्टूबर को दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार मनोवैज्ञानिक थ्रिलर काली के साथ एक रोमांचक मुठभेड़ के लिए तैयार हो जाइए। टीम ने ट्रेलर जारी किया, जिसे हनुमान पर अपने काम के लिए जाने जाने वाले प्रशांत वर्मा ने लॉन्च किया।

उन्होंने ट्रेलर की प्रशंसा करते हुए इसे मनोरंजक और रोमांचक बताया, और इसके दृश्यों में स्पष्ट जुनून झलकने की बात कही। ट्रेलर में प्रिंस शिवराम की भूमिका में हैं, जो एक ऐसा व्यक्ति है जो बहुत खोया हुआ महसूस करता है और एक कठोर निर्णय पर विचार कर रहा है। इसकी शुरुआत शिवराम की आवाज़ से होती है जब वह किसी को दफनाता है, उसके बाद नरेश अगस्त्य द्वारा निभाए गए एक रहस्यमयी किरदार का परिचय होता है, जो शिवराम के जीवन के बारे में आश्चर्यजनक विवरण जानता है। यह मुठभेड़ एक दिलचस्प नतीजे की ओर ले जाती है।

ट्रेलर में शिवराम की रोमांटिक परेशानियों और वैवाहिक समस्याओं का भी संकेत मिलता है, जो सस्पेंस को और बढ़ा देता है। यह कई सवाल खड़े करता है, जिनका जवाब फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने पर मिलेगा। कहानी शिवराम की अचानक उदासी, रहस्यमय अजनबी और उसके जैसे दिखने वाले शव की खोज पर केंद्रित है। यह फिल्म एक आकर्षक मनोवैज्ञानिक ड्रामा होने का वादा करती है, जिसमें शानदार दृश्य और एक गहन स्कोर है, विशेष रूप से रहस्यमय व्यक्ति के अंतिम शॉट द्वारा उजागर किया गया है, जो उम्मीदों को और भी अधिक बढ़ा देता है।

नए एक्शन से भरपूर होगी धूम 4

रणबीर कपूर के बाद फिल्म से जुड़ा एक और शख्स का नाम

बॉलीवुड की मोस्ट एंटरटेनिंग फिल्मों में शामिल 'धूम' के चौथे पार्ट की इन दिनों काफी चर्चा है। हर बार की तरह इस बार भी फिल्म में पुलिस तो वही होगी, लेकिन चोर कौन होगा, ये देखने के लिए फैंस बेहद बेताब हैं।

कई दिनों से चर्चा है कि 'धूम 4' के विलेन रणबीर कपूर होंगे। हालांकि, उनके नाम पर मेकर्स की तरफ से कन्फर्मेशन आना बाकी है। वहीं, अब एक और शख्स का नाम फिल्म से जुड़ा सामने आ रहा है।

'धूम 4' से जुड़ा एक और शख्स

'धूम 4' हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मोस्ट एंटिसिपेटेड मूवी में से एक है। पहले पार्ट में जॉन अब्राहम, दूसरे में ऋतिक रोशन और तीसरे में आमिर खान ने चोर की भूमिका निभाई थी। अब चौथे पार्ट में रणबीर कपूर इस लिगेसी को आगे बढ़ाते देखे जा सकते हैं। वहीं, बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, धूम 4 से विजय कृष्णा आचार्य यानी विक्टर का नाम जुड़ गया है ।

'धूम 4' के लिए करेंगे ये काम

रिपोर्ट में बताया गया है कि विक्टर धूम 4 मूवी से डायरेक्टर के तौर पर जुड़े हैं। इसके पहले वह धूम 3 का निर्देशन कर चुके हैं। इतना ही नहीं, वह धूम फ्रेंचाइजी की सभी फिल्मों के राइटर भी रहे हैं। 'धूम 4' को डायरेक्ट करने के साथ ही वह इसकी कहानी भी लिखते नजर आएंगे।

इन एक्टर्स का नाम भी आया सामने

रणबीर कपूर से पहले विलेन के रोल के लिए शाह रुख खान और साउथ एक्टर सूर्या का नाम भी सामने आया था। इनमें सूर्या को फिल्म के लिए लगभग कन्फर्म बताया जा रहा था। हालांकि, अब रणबीर कपूर का नाम विलेन के तौर पर लगभग कन्फर्म बताया जा रहा है।

तलाक की खबरों के बीच बिग बॉस का 18 में आएगी ये खूबसूरत हसीना?

एक फिल्म के बाद सलमान खान के साथ कभी नहीं किया काम

मशहूर शो 'बिग बॉस' का 18वां सीजन अब से कुछ ही दिनों में शुरू होने वाला है। जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे हैं, वैसे-वैसे शो को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ती जा रही है। हर बार की तरह इस बार के सीजन में भी कुछ अलग देखने को मिलेगा। बिग बॉस 18 में टाइम का टांडव होते देखने को मिलेगा, जिसके तहत कई दिनों तक कंटेस्टेंट्स का भविष्य बिग बॉस तय करेंगे।

सलमान खान के इस शो के लिए अभी तक निया शर्मा का ही नाम कन्फर्म कंटेस्टेंट के तौर पर सामने आया है। 'खतरों के खिलाड़ी 14' के ग्रैंड फिनाले में रोहित शेट्टी ने खुलासा किया था कि निया, बिग बॉस 18 में नजर आएंगी। वहीं, अब एक और एक्ट्रेस का नाम इस शो के लिए लगभग कन्फर्म बताया जा रहा है।

'बिग बॉस 18' में आ सकती है ये हसीना

बिग बॉस की पल-पल की अपडेट देने वाले पेज द खबरी के मुताबिक, सलमान खान के शो के इस सीजन में उर्मिला मातोंडकर नजर आ सकती हैं। उनका नाम लगभग कन्फर्म बताया जा रहा है। अगर ऐसा होता है, तो लंबे समय बाद उन्हें स्क्रीन पर देखना दिलचस्प होगा।

तलाक की अफवाह को लेकर चर्चा में

उर्मिला मातोंडकर पिछले कुछ दिनों से तलाक की अफवाहों को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि वह उर्मिला शादी के 8 साल बाद मोहसिन मीर अख्तर से अलग हो रही हैं। हालांकि, कपल की ओर से इस पर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। उर्मिला, मोहसिन से 10 साल बड़ी हैं।

सलमान खान के साथ इस फिल्म में किया था काम

उर्मिला मातोंडकर ने सलमान खान के साथ 'जानम समझा करो' में काम किया था। यह मूवी 1999 में रिलीज हुई थी, जो कि फ्लॉप थी। इसके बाद दोनों ने साथ में कभी काम नहीं किया।

हिट फिल्मों के बाद भी 9 महीने तक सलीम-जावेद को नहीं मिला था कोई काम

सलीम-जावेद की जोड़ी एक समय पर सुपरहिट थी। जिस फिल्म की कहानी वह लिखते उसकी सुपरहिट होने की गारंटी होती थी। उनकी जोड़ी को एक समय पर हीरोज से भी ज्यादा फीस चार्ज करती थी। सरहदी लुटेरा के निर्माता एस एम सागर ने सलीम-जावेद को बतौर स्क्रीनप्ले राइटर पहला ब्रेक दिया था।

एस एम सागर की साल 1971 में रिलीज हुई फिल्म 'अधिकार' का स्क्रीनप्ले इस जोड़ी ने ही लिखा, जिसके लिए दोनों को पांच हजार रुपए तो मिले, लेकिन कोई क्रेडिट नहीं मिला। इसके बाद फिल्म आई अंदाज, जिसमें सलीम-जावेद को बतौर राइटर पहली बार क्रेडिट मिला। राजेश खन्ना की साल 1971 में रिलीज हुई फिल्म 'हाथी मेरे साथी' सलीम जावेद के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। इस मूवी ने उनके लिए हिंदी सिनेमा के दरवाजे खोल दिए।

इस फिल्म के बाद इस जोड़ी ने साथ में सीता और गीता, जंजीर, यादों की बारात, और दीवार जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी। हालांकि, बैक टू बैक हिट की झड़ी लगाने के बावजूद भी एक वक्त ऐसा आया था जब सलीम-जावेद के पास 9 महीने तक कोई काम नहीं था। जिसके बारे में खुद जावेद अख्तर ने इंटरव्यू में बताया था। आज थ्रोबैक थर्सडे में हम आपको उस किस्से के बारे में बताने जा रहे हैं-

फीस बनी थी सलीम -जावेद के करियर में अड़चन

हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय राइटर सलीम-जावेद कई सालों पहले जब राजीव मसंद के शो में पहुंचे थे, तो उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया था कि एक बड़ी सफलता के बावजूद उन्हें 9 महीने तक किसी ने काम नहीं दिया। उन्होंने इसकी वजह भी बताई थी।

दो लाख सुनते ही प्रोड्यूसर के ऑफिस में छा गया था सन्नाटा

जावेद अख्तर ने आगे बताया, मैंने उन्हें कहा कि मैं आपको स्क्रिप्ट सुना दूंगा, लेकिन आप पहले प्राइस सुन लीजिये। आप बोलेंगे कि स्क्रिप्ट मुझे पसंद आई, इसलिए पैसा ज्यादा मांग रहे हैं, तो आप अमाउंट सुन लीजिये फिर स्क्रिप्ट सुना देंगे, हम एडवांस नहीं मांग रहे। जैसे ही निर्माता ने पूछा, मैंने तपाक से कहा 2 लाख रुपए, जिसे सुनकर ऑफिस में पूरा सन्नाटा छा गया।

उन्होंने ऊपर से अपने पार्टनर को बुलाया और मुझे कहा कि जो मैंने उन्हें बताया है, वह उनके पार्टनर को भी बताए, क्योंकि कोई विश्वास नहीं करता था कि राइटर इतना पैसा ले सकते हैं। 9 महीने बाद जो हमें फिल्म मिली वो हमने 2 लाख में की, दूसरी की कहानी के लिए हमने 5 लाख लिए और तीसरी के लिए 10 लाख। उस समय पर अगर आप हाइएस्ट पेड राइटर हैं और आपको 60-80 हजार के करीब मिल रहे हैं, तो निश्चित तौर पर आप बिगड़ैल और अहंकारी इंसान की तरह लगते हैं।

कन्नड़ फिल्मों के लिए भी लिखी सलीम-जावेद ने स्क्रिप्ट

जंजीर के लिए जीता था बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट स्टोरी का अवॉर्ड

शोले को ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट के 2002 के पोल में पहला स्थान मिला था।

1982 में टूटी थी सलीम-जावेद की जोड़ी

सलीम-जावेद की जोड़ी 21 साल की लंबे पार्टनरशिप के बाद टूट गई। दोनों ने 1982 में निजी कारणों के चलते अपनी राह अलग-अलग कर ली।

उनकी जोड़ी टूटने के बाद 1985 में उनकी फिल्म 'जमाना' और 1987 में मिस्टर इंडिया रिलीज हुई। ये दोनों ही फिल्में हिट रहीं। अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की फिल्म बागबान के लिए भी उन्होंने स्क्रीनप्ले लिखा, लेकिन इसमें उन्हें क्रेडिट नहीं मिला।

नशा नाश का कारण, इससे दूर रहकर ही सपनों को कर सकते हैं साकार: योगी

ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स के पदक विजेता हुए पुरस्कृत

खिलाड़ियों को दी गई 22 करोड़ 70 लाख की पुरस्कार राशि

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वैश्विक स्तर पर देश व उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को लखनऊ में सम्मानित किया। इस दौरान सीएम योगी ने युवाओं और खिलाड़ियों को सफलता का मंत्र भी दिया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए आज स्मार्ट फोन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह युवाओं के समय और श्रम दोनों को प्रभावित करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को नशे से दूर रहना चाहिए, नशा नाश का का कारण है, जो नशे की तरफ गया वह जीवन में फिर किसी के लायक नहीं रह पाएगा। उन्होंने कहा कि युवा अपने आप को तैयार करें, उनकी सुविधाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार उनके लिए समुचित माहौल तैयार कर रही है। युवा खेल के अपने जीवन का हिस्सा बनाएं इसके लिए प्रदेश के शहरों और गांवों में खेल की सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। अच्छे प्रशिक्षण के साथ-साथ अच्छे प्रशिक्षक भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। खेल के प्रति युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए सीएम योगी ने सम्मान समारोह में आए खिलाड़ियों की प्रेरक कहानी भी साझा की।

जिन्होंने बढ़ाया देश का मान, ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम में 14 ओलंपियंस व पैरालंपिक एथलीट्स को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश का मान बढ़ाने वाले इन सभी खिलाड़ियों को 22.70 करोड़ रुपए की पुरस्कार सम्मान राशि वितरित की। इनमें पदक विजेता कुल 7 ओलंपियंस व पैरालंपियंस और 7 अन्य प्रतिभाग करने वाले ओलंपियंस व पैरालंपियंस मौजूद रहे। सम्मानित होने वाले पदक विजेताओं में प्रवीण कुमार, सुहास एलवाई, अजीत सिंह, प्रीति पाल, सिमरन, ललित उपाध्याय व राज कुमार पाल शामिल रहे।

ये खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलंपिक-पैरालंपिक में एक स्वर्ण समेत छह पदक जीते हैं। गौतमबुद्ध नगर के पैरा हाई जम्पर प्रवीण कुमार ने पैरालंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीता है। उन्हें 6 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की गई। वहीं भारतीय हॉकी टीम की तरफ से खेलते हुए वाराणसी के ललित उपाध्याय और गाजीपुर के राजकुमार पाल ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। उन्हें एक-एक करोड़ रुपए पुरस्कार राशि के तौर पर दिया गया। यूपी के आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई ने पैरा बैडमिंटन में और इटावा के अजीत सिंह ने पैरा एथलेटिक्स की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। दोनों को 4-4 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की गई। इसी तरह मुजफ्फरनगर की रहने वाली एथलीट प्रीति पाल ने 100 मीटर और 200 मीटर में कांस्य पदक जीता, जिसके लिए उन्हें 4 करोड़ रुपए तो वहीं गाजियाबाद की सिमरन ने अपने वर्ग की 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता, जिसके लिए उन्हें 2 करोड़ रुपए से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त पेरिस ओलंपिक व पैरालंपिक गेम्स में प्रतिभाग कर उत्तर प्रदेश का नाम रौशन करने के लिए पारुल चौधरी, अनु रानी, प्रियंका गोस्वामी, प्राची चौधरी, साक्षी कसाना, दीपेश कुमार तथा यश कुमार को 10-10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने वाले चार प्रशिक्षकों का भी सीएम योगी ने सम्मान किया। इनमें गजेंद्र सिंह (पैरा एथलीट), गौरव खन्ना (पैरा बैटमिंटन), राकेश कुमार यादव (पैरा एथलीट) और डॉ. सत्यपाल सिंह (पैरा एथलीट) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षकों का सम्मान महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रशिक्षक ही हमारे खिलाड़ियों को ओलंपिक जैसी प्रतिस्पर्धाओं के लिए तरासते और तैयार करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी वह खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। आज देश के अंदर खेल का माहौल बदला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए जो नियोजित प्रयास हुए हैं, उसका परिणाम आज सबके सामने है। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा शुरू किया गया खेलो इंडिया अभियान, फिट इंडिया मूवमेंट और सांसद खेलकूद प्रतियोगिता ने पूरे देश के अंदर खेल के वातावरण को बदला है। सीएम योगी ने कहा कि अब विश्वविद्यालय स्तर पर लीग और गांव स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं शुरू हो चुकी है, जिसने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म प्रदान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर खेल को बढ़ावा देने को लेकर किए जा रहे प्रयासों में उत्तर प्रदेश ने कई तरह के कार्यक्रमों को तैयार किया है और हम उस पर आगे बढ़ रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों के लिए समुचित अवसंरचना तैयार की है। आज डबल इंजन की सरकार इस पर लगातार ध्यान दे रही है। आज उत्तर प्रदेश में 84 स्टेडियम, 67 बहुद्देश्यीय हॉल, 38 तरणताल, 15 सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम और 3 सिंथेटिक रनिंग ट्रैक तैयार हैं। इसके अलावा 2 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, 16 छात्रावास, 47 अत्याधुनिक जिम, 20 सिंथेटिक टेनिस कोर्ट और 19 डॉरमेट्री खिलाड़ियों के लिए तैयार किए जा चुके हैं। वहीं प्रदेश में 2 जूडो हॉल, 13 कुश्ती हॉल, 6 शूटिंग रेंज, 2 इंडोर वॉलीबाल, 12 वेटलिफ्टिंग हॉल, 14 सिंथेटिक बॉस्केट बॉल कोर्ट प्रदेश के अंदर बनकर तैयार हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। प्रदेश के अंदर सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान और ओपन जिम, सभी 826 विकासखंड में मिनी स्टेडियम और सभी जनपदों में स्टेडियम के निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। ग्राम पंचायत स्तर पर खिलाड़ियों के लिए खेल के संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय, ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप के पूर्व खिलाड़ियों को प्रशिक्षक के रूप में तैनात किया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि किसी भी अतंरराष्ट्रीय स्पर्धा में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रदेश सरकार लक्ष्मण पुरस्कार और महिला खिलाड़ियों के लिए रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार की घो-षणा की है जिसमें सरकार उन्हें नकद राशि के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर रही है। इसके अलावा देश स्तर पर पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों के लिए प्रदेश सरकार 20 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान करती है और वृद्ध खिलाड़ियों के लिए भी प्रतिमाह वित्तीय सहायता दे रही है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के अंदर एकलव्य क्रीड़ा कोष्ठ का गठन किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मेरठ में मेजर ध्यानचंद्र के नाम से पहले खेल विश्वविद्यालय का निर्माण भी किया जा रहा है।

चंद्रशेखर ने लड़वाया वाहन चोर को चुनाव पुलिस ने किया गिरफ्तार

दलित नेता चंद्रशेखर का चहेता कार-चोर

सॉफ्टवेयर की मदद से लग्जरी कारें चुराते थे गिरोह के सदस्य

मेरठ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत की दलित सियासत में तेजी से उभरता नाम और सांसद चंद्रशेखर आजाद की पार्टी ने जिस नेता को चुनाव लड़ाया था, वह कार चोर गिरोह का सदस्य निकला है। इस नेता का नाम मोहम्मद अनस उर्फ हाजी है। अनस ने उत्तर प्रदेश में हुए 2022 के विधानसभा चुनाव में चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बैनर पर मेरठ की किठौर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। चुनाव में वह हार गया था।

मोहम्मद अनस की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर उसकी जो फोटो वायरल हुई है, उसमें चंद्रशेखर आजाद अपने कई साथियों के साथ अनस को भारी-भरकम फूलों की माला पहनाते हुए दिख रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद लोकसभा चुनाव 2024 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से चुनाव जीते हैं। मोहम्मद अनस के बारे में पुलिस को जानकारी तब मिली जब दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया। मोहम्मद अनस के साथ ही इस गिरोह के पांच अन्य सदस्यों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने 15 दिन तक अभियान चलाकर इस गिरोह के द्वारा चुराई गई पांच लग्जरी कारें बरामद की हैं। इन कारों में एक टोयोटा फॉर्च्यूनर, एक स्विफ्ट डिजायर और तीन मारुति ब्रेजा जैसी महंगी कारें शामिल हैं। इनमें से टोयोटा फॉर्च्यूनर कार राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र से, स्विफ्ट डिजायर बुध विहार थाना क्षेत्र से और मारुति ब्रेजा पंजाबी बाग और इंद्रपुरी से चोरी की गई थीं। पुलिस ने चोरों के पास से 5 फर्जी नंबर प्लेट, 17 डुप्लीकेट की, दो रिमोट की भी बरामद की हैं।

कार चोरी करने वाले गिरोह के सभी सदस्य बेहद शातिर हैं। उन्होंने आपस में बातचीत करने के लिए एक विशेष ऐप बनाया हुआ था और इसी के जरिए वे एक-दूसरे से बातचीत करते थे। पुलिस से पूछताछ के दौरान गिरोह के सदस्यों ने खुलासा किया कि वे लोग दिल्ली से लग्जरी कारें चुराते थे और जब चोरी की गई कारों को बेचने का सौदा किया जाता था तो मोहम्मद अनस मेरठ से दिल्ली आता था। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अन्य अभियुक्तों की पहचान पवन उर्फ पन्नू, मुकीम उर्फ मुक्की और मोहम्मद फरियाद उर्फ फरी के रूप में हुई है। पन्नू और फरी पहले भी कार चोरी के 12 मामलों में शामिल रहे हैं। खबरों के मुताबिक, पन्नू और फरी सॉफ्टवेयर और मैकेनिकल उपकरणों का इस्तेमाल करना जानते हैं और इनकी मदद से महंगी कारों को निशाना बनाते थे।

ये शातिर चोर दिल्ली-एनसीआर से महंगी कारें चुराने के लिए साफ्टवेयर की मदद लेते थे जिससे कार का लॉक खुल जाता था। इसके बाद वे मोहम्मद अनस के साथ कारों को बेचने का सौदा करते थे। मोहम्मद अनस के कहने पर उसके लोग दिल्ली से कार लेकर मेरठ चले जाते थे। पुलिस ने बताया कि दिल्ली में कार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं और पिछले दो महीने में ही 30 कारें चोरी हुई हैं।

36.51 करोड़ पौधरोपण से काफी आगे निकली यूपी सरकार

लखनऊ, 01 अक्टूबरः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक दिन (20 जुलाई) को 36.51 करोड़ पौधरोपण कर इतिहास रचने वाला उत्तर प्रदेश अब और भी आगे निकल गया। 20 जुलाई से 30 सितंबर के मध्य उत्तर प्रदेश में 36.80 करोड़ से अधिक पौधरोपण कर लिए गए। 13.53 पौधरोपण के साथ ग्राम्य विकास विभाग निरंतर शीर्ष पर है, जबकि वन विभाग की तरफ से लगाए गए 12.92 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। वहीं जनपदों में सोनभद्र शीर्ष पर है। यहां एक करोड़ 55 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 जुलाई को लखनऊ से पौधर-ोपण कर पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2024 का शुभारंभ किया था। इसी दिन मुख्यमंत्री ने गोरखपुर व प्रयागराज में भी पौधरोपण कर अभियान को धार दी थी। 20 जुलाई को 36.50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य था, लेकिन उस दिन 36,51,45,477 करोड़ पौधे लगाए गए, जो सरकार के लक्ष्य से 1,45,477 अधिक रहे। सीएम योगी के निर्देशन में यह अभियान 20 जुलाई से निरंतर चलता रहा। सभी के संयुक्त प्रयास का परिणाम रहा कि 20 जुलाई से 30 सितंबर के मध्य यह आंकड़ा 36.51 करोड़ से आगे बढ़कर 36.80 करोड़ पौधरोपण तक पहुंच गया। वन, वन्य जीव व पर्यावरण विभाग के नेतृत्व में सभी विभागों के संयुक्त प्रयास से यह सफलता अर्जित की गई।

अभियान के तहत सर्वाधिक पौधरोपण सोनभद्र में किया गया। 20 जुलाई को सोनभद्र में 1.53 करोड़ पौधे लगाए गए थे। 30 सितंबर तक यहां 1.55 करोड़ पौधरोपण हो गए। झांसी में 20 जुलाई को 97 लाख पौधे लगाए गए थे, जो अब बढ़कर 98.70 लाख हो गए। लखीमपुर खीरी में 95 लाख से बढ़कर 30 सितंबर तक का आंकड़ा 96.18 लाख हो गया है। जालौन में 20 जुलाई को 94 लाख पौधे लगे थे। 30 सितंबर तक यहां 95.22 लाख पौधे लगाए गए। मीरजापुर में 93 लाख से बढ़कर 30 सितंबर तक 94.06 लाख पौधे लगाए गए।

ग्राम्य विकास विभाग की तरफ से सर्वाधिक पौधरोपण किए गए हैं। 30 सितंबर तक विभाग ने 13,54,62,142 पौधे लगाए।

महायोगी गोरखनाथ विवि को एमबीबीएस की 100 सीटों की मान्यता मिली

गोरखपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में निजी क्षेत्र के पहले विश्वविद्यालय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को नेशनल मेडिकल कमीशन से अब एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए 100 सीटों की मान्यता मिल गई है। इसके पहले नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने 50 सीटों की मान्यता दी थी और नीट स्टेट कोटा काउंसिलिंग में अब तक इन सभी सीटों पर प्रवेश हो चुका है। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की अपील पर जांचोपरांत एनएमसी ने अब एमबीबीएस की मान्यता बढ़ाकर 100 सीटों के लिए कर दी है। यह जानकारी देते हुए श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य प्रो. डॉ. अरविंद कुशवाहा ने बताया कि जल्द ही बढ़ी 50 सीटों पर भी प्रवेश प्रक्रिया नीट काउंसिलिंग से शुरू हो जाएगी।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा की गई अपील के परीक्षण में एनएमसी ने पाया कि 100 एमबीबीएस सीटों के लिए जरूरी 420 बेड के हॉस्पिटल के सापेक्ष 450 बेड का हॉस्पिटल क्रियाशील है। साथ ही अन्य सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी भी मानक के अनुरूप हैं। इसे देखते हुए 30 सितंबर को अपील को इस आदेश के साथ के साथ निस्तारित किया गया कि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को सत्र 2024-25 के लिए एमबीबीएस की 100 सीटों पर मान्यता प्रदान की जाती है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को एमबीबीएस कोर्स संचालन को लेकर यह बड़ी उपलब्धि विश्वविद्यालय स्थापना के मात्र तीन साल में हासिल हुई है। नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी के तमाम रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ ही यहां गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतर्गत 2021 से ही बीएएमएस का पाठ्यक्रम संचालित है।

एमबीबीएस की मान्यता बढ़कर 100 सीटों पर पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने विश्वविद्यालय परिवार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह समूचे पूर्वांचल के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है। कुलपति ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज का हॉस्पिटल आने वाले समय में अपग्रेड होकर 1800 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो जाएगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है।

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य प्रो. डॉ. अरविंद कुशवाहा के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब मान्यता वृद्धि की 50 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। एमबीबीएस की मान्यता बढ़कर 100 सीट हो जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर-बस्ती-आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला अस्पताल भी मिल जाएगा।

विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह सहित सभी सदस्यों, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

मिशन शक्ति का पांचवा चरण

नारी शक्ति को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करेगा वीमेन्स फेस्ट

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश की नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के पांचवे चरण में महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने और इंटरप्रेन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वीमेन्स फेस्ट का आयोजन करने का जा रही है। वहीं मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत प्रदेश के सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए रिटायरिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए क्रेच की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शारदीय नवरात्रि के पहले दिन 3 अक्टूबर को अपने सरकारी आवास से मिशन शक्ति के पांचवे चरण का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपद के मिशन शक्ति नोडल अधिकारी (पुलिस उपायुक्त/अपर पुलिस अधीक्षक) ऑनलाइन जुड़ेंगे। वहीं राजधानी लखनऊ के साथ प्रदेश के सभी कमिश्नरेट और जनपदों में महिला सशक्तिकरण रैली निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का भी शुभारंभ किया जाएगा। वहीं योगी सरकार ने इस बार 1090 चौराहे पर महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने और इंटरप्रेन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वीमेन्स फेस्ट का आयोजन कराने का निर्णय लिया है। इसे महिलाओं के स्वयं सहायता समूह और सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा लगाया जाएगा, जिसमें उनके द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी और स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके तहत सांस्कृतिक संगीता संध्या, वार्ता कार्यक्रम, स्वास्थ्य चेकअप कैंप, प्रेरणात्मक भाषण, नुक्कड़ नाटक, प्रश्न-ोत्तरी कार्यक्रम, साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य सत्र आदि का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत प्रदेश के सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के रिटायरिंग रूम और क्रेच की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा पुलिस लाइन, पीएसी वाहिनी परिसर, मेडिकल कॉलेज आदि जगहों पर वर्किंग वीमेन हॉस्टल्स का निर्माण किया जाएगा। यहां पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किये जाएंगे। प्रदेश के हर थाने में महिला बैरक की व्यवस्था की सुनिश्चित की जाएगा। साथ ही राजधानी लखनऊ की तर्ज पर सभी कमिश्नरेट में पिंक बूथ की स्थापना और पिंक स्कूटी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों मॉल, सार्वजनिक स्मारक, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चिड़ियाघर आदि शिशुओं के लिए फिडिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। वहीं असंगठित क्षेत्रों में (बिल्डिंग कंसट्रक्शन साइट, कारखाने, फैक्टरी) कार्य करने वाली महिलाओं के लिए विश्राम स्थल की व्यवस्था की जाए ताकि महिलाएं यहां अपना व्यक्तिगत समय बिता सकें। इन स्थानों पर पिंक टॉयलेट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

हैदराबाद एफसी के खिलाफ जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए खेलेगी चेन्नइयन एफसी

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हैदराबाद एफसी और चेन्नइयन एफसी के बीच गाचीबोवली स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के मैचवीक 4 की शुरुआत होगी।

हैदराबाद एफसी ने अपने पिछले मैच पंजाब एफसी के खिलाफ 0-2 से हारने से पहले जुझारूपन दिखाया था, जबकि चेन्नइयन एफसी पिछले गुरुवार को मोहम्मडन एससी से 0-1 से हार गई थी।

चेन्नइयन एफसी के खिलाफ हैदराबाद एफसी रक्षात्मक रूप से सुदृढ़ रही है। उसने चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपने पिछले आठ आईएसएल मैचों में से प्रत्येक में एक या उससे कम गोल खाए हैं। इस दौरान उसने चार मैच जीते हैं और केवल दो बार हारे हैं।

चेन्नइयन एफसी ने अपने पिछले चार अवे मैचों में से प्रत्येक में गोल किया है। इससे पता चलता है कि वे हैदराबाद एफसी की बैकलाइन की परीक्षा लेंगे।

हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो पिछले सीजन से प्रेरणा ले रहे हैं, जब उनकी टीम ने चेन्नइयन एफसी को हराया था।

सिंग्टो ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, ट्रेनिंग के पिछले कुछ हफ्तों में लड़के एक-दूसरे के साथ घुलमिल गए हैं। हमने अब तक केवल अवे मैच खेले हैं और हमारा अगला मुकाबला घर पर होगा। चेन्नइयन एफसी एकमात्र टीम थी जिसे हमने पिछले सीजन में हराया था। क्या हम उसे फिर से हराएंगे मैं यही चाहता हूं।

चेन्नइयन एफसी के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल के अनुसार टीम ने इस बार पिछले सीजन से बेहतर शुरुआत की है, लेकिन अभी भी सुधार की काफी गुंजाइश है।

कॉयल ने कहा, मैं निश्चित रूप से छह अंकों के साथ तालिका में आगे बढ़ना पसंद करूंगा। हमारे पास तीन हैं, जो पिछले साल की तुलना में बेहतर है लेकिन हम छह अंकों तक पहुंच सकते थे।

हैदराबाद एफसी और चेन्नइयन एफसी के बीच आईएसएल में 10 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से दोनों ने चार-चार जीत हासिल की हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ब्राजीलियाई सीरी ए क्लब फ्लेमेंगो ने मुख्य कोच टिटे से नाता तोड़ा

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के पूर्व मुख्य कोच टिटे को ब्राजीलियाई सीरी ए क्लब फ्लेमेंगो ने सोमवार को

बर्खास्त कर दिया। क्लब ने एक बयान में कहा कि 63 वर्षीय खिलाड़ी की जगह साल के अंत तक पूर्व एटलेटिको मैड्रिड, चेल्सी और फ्लेमेंगो के डिफेंडर फिलिप लुइस लेंगे। यह घोषणा ब्राज़ील की सीरी ए चैंपियनशिप में फ्लेमेंगो की एथलेटिको पैरानेंस पर 1-0 की घरेलू जीत के एक दिन से भी कम समय बाद आई। पिछले गुरुवार को, फ्लेमेंगो को कोपा लिबर्टाडोरेस - दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता - से क्वार्टर फाइनल चरण में उरुग्वे के पेनारोल द्वारा बाहर कर दिया गया था। फ्लेमेंगो वर्तमान में 20-टीम ब्राज़ीलियाई सीरी ए स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, और सीज़न में 10 गेम शेष रहते हुए शीर्ष पर चल रहे बोटाफ़ोगो से नौ अंक पीछे है। टिटे, जो 2016 से 2022 तक ब्राजील के मैनेजर थे, ने पिछले साल अक्टूबर में अपनी नियुक्ति के बाद फ्लेमेंगो को 41 जीत, 13 ड्रॉ और 16 हार दिलाई।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024: बांग्लादेश और श्रीलंका ने दर्ज की जीत

दुबई। बांग्लादेश और श्रीलंका ने क्रमशः पाकिस्तान और स्कॉटलैंड पर जीत के साथ आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी तैयारी पूरी की। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 23 रन से हराया पाकिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शोर्ना अख्तर के नाबाद 28 और शांति रानी के 23 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 140 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल ने 2 विकेट लिए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 18.4 ओवर में 117 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए ओमैमा सोहेल ने सर्वाधिक 33 और फातिमा सना ने 17 रन बनाए।बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर और शोर्ना अख्तर ने 2-2 विकेट लिए।श्रीलंका ने स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया एक अन्य मैच में श्रीलंका ने गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। श्रीलंका के पहले गेंदबाजी करता हुए 19 ओवर में स्कॉटलैंड को केवल 58 रन पर समेट दिया। हालांकि 59 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत भी खराब रही, लेकिन कविशा दिलहारी के 27 रन की बदौलत लंकन टीम ने 15.3 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। 3 अक्टूबर को प्रतियोगिता शुरू होने से पहले तीन और अभ्यास मैच खेले जाएंगे।

अंडर -19 टेस्ट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। चेन्नई में भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीमों के बीच चल रहे युवा टेस्ट मैच में, वैभव सूर्यवंशी ने मंगलवार को भारत के लिए अंडर -19 टेस्ट में सबसे तेज शतक दर्ज किया। भारत के लिए पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए, 13 वर्षीय खिलाड़ी ने केवल 58 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उनकी पारी में 14 चौके और चार छक्के शामिल थे। वह 104 रन रन बनाकर रन आउट हुए। कुल मिलाकर, यह अंडर -19 टेस्ट में दूसरा सबसे तेज़ शतक है, इंग्लैंड के मोइन अली अभी भी रिकॉर्ड धारक हैं। मोईन ने यह रिकॉर्ड 2005 में बनाया था, जब उन्होंने 56 गेंदों पर शतक जड़ा था। वैभव पिछले साल तब सुर्खियों में आए थे जब वह 12 साल की उम्र में बिहार के लिए खेलते हुए रणजी ट्रॉफी के इतिहास में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए थे और उन्होंने सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। उन्होंने अब तक दो प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

कानपुर टेस्ट

भारत ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया दो मैचों की श्रृंखला में किया क्लीन स्विप

कानपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने यहां ग्रीन पार्क में खेले जा दूसरे टेस्ट मैच में लगभग ढाई दिन बारिश के कारण रद्द होने के बावजूद बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 2-0 अपने नाम किया।

इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम ने बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर समेट दी और उसके बाद तेजी से खेलते हुए अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित की और पहली पारी के आधार पर 52 रनों की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम 146 रन पर सिमट गई थी, जिसके बाद भारत को केवल 95 रनों का लक्ष्य मिला।

95 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 17.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाकर मैच जीत लिया। दूसरी पारी में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए 51 रन बनाए। यशस्वी के अलावा विराट कोहली ने 29 रनों की नाबाद पारी खेली। कोहली के साथ ऋषभ पंत भी 4 रन बनाकर नाबाद लौटे। कप्तान रोहित शर्मा ने 8 और शुंभमन गिल ने 6 रन बनाए।

बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने 2 और तइजुल इस्लाम ने 1 विकेट लिया।

दूसरी पारी में बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने टेके घुटने

बांग्लादेश की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने जाकिर हसन को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। जाकिर ने 10 रन बनाए। अश्विन ने बांग्लादेश का दूसरा विकेट भी झटका। उन्होंने हसन महमूद बोल्ड कर पवेलियन भेजा। हसन ने चार रन बनाए।

बांग्लादेश का तीसरा विकेट पहली पारी के शतकवीर मोमिनुल हक के रूप में गिरा। हक को अश्विन ने 36 रनों के कुल योग पर पवेलियन भेजा। हक ने 2 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे और पूरी टीम 146 रनों पर सिमट गई।

दूसरी पारी में बांग्लादेश के लिए केवल शादमान इस्लाम और मुश्फिकुर रहीम ही कुछ टिक कर खेल सके। शादमान ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए 50 रन बनाए, जबकि मुश्फिकुर ने 37 रन बनाए।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने 3-3 व आकाशदीप ने 1 विकेट लिया।

भारत ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 285 रन बनाकर की घोषित

इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में ताबड़तोड़ शुरुआत की। कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर शुरुआती तीन ओवर में ही 50 रन का आकड़ा पार कर लिया।

चौथे ओवर में 55 के स्कोर पर भारतीय टीम का पहला विकेट गिरा। कप्तान रोहित 11 गेंद में एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद यशस्वी जायसवाल ने भी तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया। यशस्वी 51 गेंदों पर ताबड़तोड़ 72 रनों की पारी खेलकर आउट हुए।

चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आए। उन्होंने शुभमन गिल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। भारतीय टीम को 141 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। शुभमन 36 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 159 के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा। ऋषभ कोई कमाल नहीं कर सके और नौ रन बना कर आउट हुए।

यहां से विराट कोहली और केएल राहुल ने अर्धशतकीय साझेदारी कर पारी को तेजी से आगे बढ़ाया। भारत का 246 के स्कोर पर पांचवां विकेट विराट कोहली के रूप में गिरा। कोहली 35 गेंद में 47 रन बनाकर आउट हुए।

कोहली के बाद भारतीय टीम ने कुछ और ओवर बल्लेबाजी की और 9 विकेट पर 285 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। केएल राहुल ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंद में सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 रन और आकाश दीप ने 5 गेंदों पर 12 रन बनाए।

बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने चार-चार विकेट लिये, जबकि हसन महमूद को एक विकेट मिला।

बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर सिमटी

इससे पहले बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर सिमट गई थी। मोमिनुल हक ने नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए 107 रन बनाए। मोमिनुल के अलावा शादमान इस्लाम ने 24, कप्तान नजमुल हसन शांतों ने 31 और मेहदी हसन मिराज ने 20 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 3, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने 2-2 व रवींद्र जडेजा ने 1 विकेट लिया।

दिग्गज बास्केटबॉल खिलाड़ी डिकेम्बे मुटोम्बो का 58 वर्ष की आयु में निधन

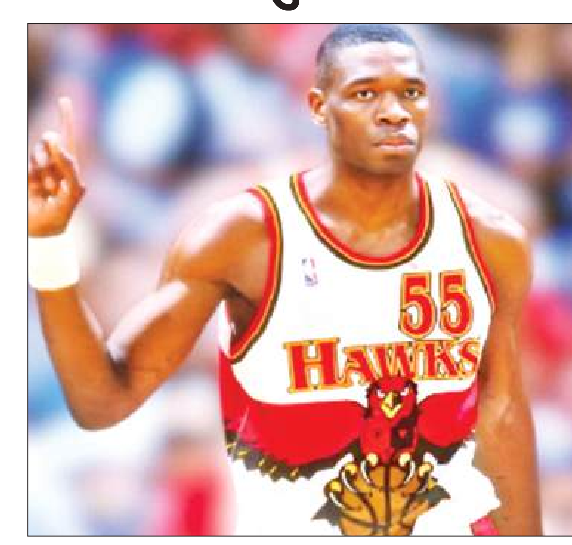

किशांसा, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एनबीए के वैश्विक राजदूत और नाइस्मिथ बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर डिकेम्बे मुटोम्बो, जिनका जन्म डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में हुआ था, का सोमवार को 58 साल की उम्र में मस्तिष्क कैंसर से निधन हो गया। एनबीए ने सोमवार को उक्त घोषणा की।

एनबीए कमिश्नर एडम सिल्वर ने एक बयान में कहा, डिकेम्बे मुटोम्बो जीवन से भी बड़े थे। कोर्ट पर, वह एनबीए में सबसे महान शॉट अवरोधक और रक्षात्मक खिलाड़ियों में से एक थे। मैदान से बाहर, उन्होंने दूसरों की मदद करने में अपना दिल और आत्मा लगा दी।

मुटोम्बो को बास्केटबॉल के सबसे सम्मानित रक्षात्मक खिलाड़ियों और रिबाउंडर्स में से एक माना जाता है। उन्हें चार बार एनबीए का वर्ष का रक्षात्मक खिलाड़ी नामित किया गया, यह रिकॉर्ड उन्होंने बेन वालेस के साथ साझा किया है।

मुटोम्बो 3,298 ब्लॉक और 12,359 रिबाउंड जमा करने और आठ ऑल-स्टार प्रदर्शन करने के बाद 2009 में सेवानिवृत्त हो गए। उस वर्ष बाद में, उन्हें तत्कालीन आयुक्त डेविड स्टर्न द्वारा एनबीए के लिए वैश्विक राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था। 2015 में, मुटोम्बो को नाइस्मिथ मेमोरियल बास्केटबॉल हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया था।

ह्यूस्टन रॉकेट्स के पूर्व स्टार को दुनिया भर में उनके मानवीय कार्यों के लिए खेल से परे भी बहुत सम्मान दिया गया था।

मुटोम्बो ने धर्मार्थ कार्यों में लाखों डॉलर का निवेश किया है, जिसमें हजारों लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में सुधार के लिए डीआरसी में एक अस्पताल का निर्माण भी शामिल है।

संदीप प्रधान ने साई के महानिदेशक का पद छोड़ा सुजाता चतुर्वेदी अंतरिम आधार पर संभालेंगी कार्यभार

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर।

संदीप प्रधान अपना कार्यकाल पूरा होने पर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक का पद छोड़ देंगे और खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी अंतरिम आधार पर उनकी भूमिका संभालेंगी। खेल मंत्रालय ने मंगलवार को उक्त घोषणा की।

खेल मंत्रालय के आधिकारिक आदेश के अनुसार, 30.09.2024 को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक के पद के लिए संदीप एम. प्रधान का केंद्रीय प्रतिनियुक्ति कार्यकाल पूरा होने के परिणामस्वरूप, सक्षम प्राधिकारी ने श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी, सचिव (खेल) को भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के महानिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने की मंजूरी दे दी है। दिनांक 01.07.2019 से 01.10.2024, और नियमित पदधारी की नियुक्ति तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, चतुर्वेदी पद पर बनी रहेंगी।

1990 बैच के भारतीय राजस्व अधिकारी प्रधान ने अगस्त 2019 में नीलम कपूर से महानिदेशक का पदभार संभाला था, जिसके तहत भारत ने क्रमशः टोक्यो और पेरिस में दो सफल ओलंपिक और पैरालंपिक चक्र देखे।

2020 ओलंपिक में, भारत ने पुरुषों की भाला फेंक में नीरज चोपड़ा के माध्यम से ट्रैक-एंड-फील्ड में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता, जबकि देश ने खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात पदक अपने नाम किए।

बावुमा की कप्तानी में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी दक्षिण अफ्रीकी टीम, केशव , डेन सहित तीसरे स्पिनर के लिए सेनुरन शामिल

केपटाउन, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड ने इसी माह होने वाले बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस दौरे में दक्षिण अफ्रीकी टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। टेम्बा बावुमा इस सीरी में टीम की कप्तानी करेंगें। टीम में इस सीरीज के लिए तीन स्पिनर रखे गये हैं। जिसमें केशव महाराज और डेन पीट के अलावा स्पिनर सेनुरन मुथुसामी भी शामिल हैं।

सेनुरन की एक साल बाद टीम में वापसी हुई है। स्पिनर सेनुरन ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं। इस टीम में एकमात्र गैर अनअनुभवी खिलाड़ी मैथ्यू ब्रीट्जके हैं। वहीं टेम्बा बावुमा दो मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीकी टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट ढाका में तथा दूसरा टेस्ट चटगाँव में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम के मुख्य टेस्ट कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, ''बांग्लादेश का दौरा करना हमेशा से ही काफी कठिन रहा है। उन्होंने माना कि बांग्लादेश की टीम घरेलू मैदान पर काफी मजबूत है। इसलिए हमें मुकाबले के लिए तैयार रहना चाहिये। इसलिए हमने वहां के स्पिन हालातों के हिसाब से टीम का चयन किया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास तीन मुख्य स्पिनर हैं जो जरूरत पड़ने पर किसी भी समय अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

टीम इस प्रकार है : टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंगहैम, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोर्जी, केशव महाराज, एडन मारक्रम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, डेन पिड्ट, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेलटन और काइल वेरिन।

भारतीय खो खो महासंघ ने एथलीटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लिया खेल विज्ञान का सहारा

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) ने खो खो के पारंपरिक खेल में खेल विज्ञान को एकीकृत करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो खिलाड़ी के प्रदर्शन को बढ़ाने और प्रतिस्पर्धी बढ़त सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

उन्नत खेल विज्ञान तकनीकों के समावेश का उद्देश्य इस स्वदेशी खेल को परिष्कृत और उन्नत करना है, जिससे यह वास्तव में विश्व स्तरीय बन सके। यह परिवर्तन खो खो के मिट्टी से शुरू होकर खेल के आधुनिक, मैट-आधारित संस्करण तक के विकास का हिस्सा है। नवाचार के प्रति फेडरेशन की प्रतिबद्धता खो-खो को अंतरराष्ट्रीय और लोकप्रिय बनाने, इसकी समृद्ध विरासत को संरक्षित करते हुए इसे वैश्विक खेल मानकों के अनुरूप लाने की दृष्टि को दर्शाती है।

एथलीट विकास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान और पोषण की त्रिमूर्ति पर केंद्रित है, जो प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए एक व्यापक विधि प्रदान करता है। व्यक्तिगत, संतुलित पोषण योजनाओं के साथ-साथ नियमित शारीरिक और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के माध्यम से शारीरिक और मानसिक कल्याण पर समान जोर दिया जाता है।

चपलता और सहनशक्ति को मापने के लिए, बायोमैकेनिक्स और मोशन साइंस में निहित विशिष्ट परीक्षण आयोजित किए जाते हैं, जिसमें मांसपेशियों की गतिविधि पर नजर रखने और हर गतिविधि को परिष्कृत करने के लिए मोशन कैप्चर सूट और सेंसर डेटा

विश्लेषण जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाता है।

यह वैज्ञानिक फोकस प्रत्येक एथलीट के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ ताकत बनाने से भी आगे जाता है। इसके अतिरिक्त, मानसिक दृढ़ता, भावनात्मक लचीलापन और तनाव प्रबंधन का आकलन करने के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन नियमित रूप से किया जाता है।

इसके अलावा, केकेएफआई एक खो खो ऐप लॉन्च करने के लिए तैयार है जो एक व्यापक खेल प्रबंधन प्रणाली के रूप में काम करेगा। ऐप में चार प्रमुख मॉड्यूल होंगे: इवेंट मैनेजमेंट, सूचना प्रणाली, समाचार सेवा, और समय, स्कोरिंग और परिणाम प्रबंधन। यह डिजिटल टूल एथलीटों के लिए डेटा मॉनिटरिंग और प्रदर्शन ट्रैकिंग को और बढ़ाएगा।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खेल के इस नए दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए कहा, खो खो वास्तव में एक आधुनिक अंतरराष्ट्रीय खेल है, जिसमें वैश्विक स्वीकृति के लिए आवश्यक सभी तत्व मौजूद हैं। उन्नत मूल्यांकन और लक्षित रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से, अब हम खेल को विश्व स्तरीय मानकों तक बढ़ा रहे हैं। खो खो अब अतीत का अवशेष नहीं है, बल्कि यह भविष्य का खेल है।

महासंघ के महासचिव, एमएस त्यागी ने खो खो को आधुनिक बनाने की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, हमने खेल को बदलने और खो खो के बारे में सार्वजनिक धारणा को बदलने के लिए अत्याधुनिक उपकरण और प्रौद्योगिकी को शामिल करने का भी निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, हम वैश्विक दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए खेल को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने के तरीके तलाश रहे हैं। इन वैज्ञानिक प्रगति के साथ, खो खो भारत में एक नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है, जिससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेल की दृश्यता दोनों में वृद्धि होगी। इस समग्र दृष्टिकोण से न केवल स्वदेशी खेल को ऊपर उठाने की उम्मीद है बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर अधिक मान्यता प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

संपादकीय

पराली का महीना

अक्तूबर माह की शुरुआत हुई है, लेकिन मन अभी से घबराने लगा है। इसी माह से राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण इतना घना और व्यापक होने लगता है, जो कमोबेश जनवरी माह तक जारी रहता है। वायु प्रदूषण इतना घातक स्तर तक पहुंच जाता है कि घर से निकलना दूभर हो जाता है। सांस घुटने लगता है। चिकित्सक परामर्श देने लगते हैं कि यदि बहुत जरूरी न हो, तो घर से मत निकलें। प्रदूषण के कारण कौन-कौन सी गंभीर बीमारियां मानव-शरीर में पनपने लगती हैं, चिकित्सक उनके प्रति भी आगाह करने लगते हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण का प्रकोप इतना घातक हो जाता है कि सर्वोच्च अदालत को कई बार उस स्थिति की तुलना 'गैस चैंबर' से करनी पड़ी है। अदालत फटकार लगाती है, सरकारों से नाराजगी जताती है, लेकिन सरकारें और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग सरीखी संवैधानिक संस्थाएं प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में नाकाम रही हैं। किसान अपने खेतों में पराली जलाने से बाज नहीं आते। हमने अक्तूबर का संदर्भ पराली के कारण ही उठाया है। खेतों में धान की बालियां कट चुकी हैं। जो छोटे अवशेष बचे हैं, उन्हें पंजाब-हरियाणा के खेतों में जलाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। किसानों की अपनी पेशेवर मजबूरी है, क्योंकि उन्हें गेहूं आदि की फसल के लिए खेत तैयार करना है। यह क्रम अक्तूबर में ही घनीभूत होने लगता है। हालांकि अभी दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से कम है, जो सामान्य श्रेणी में आता है। पराली-दहन पर किसी भी पार्टी की सरकार का अंकुश नहीं है। रासायनिक विकल्पों की घोषणाएं की जाती रही हैं, लेकिन विकल्प अभी तक उपलब्ध नहीं हैं। सर्वोच्च अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को फटकार लगाई है, नाराजगी व्यक्त की है, क्योंकि पराली के संदर्भ में आयोग अपने निर्देशों, आदेशों को जमीनी स्तर पर लागू कराने में नाकाम रहा है। आयोग के प्रयास 'कागजी' ही हैं। केंद्रीय स्तर पर 12-सदस्यीय टीम के गठन की भी घोषणा की गई है। यह टीम दिल्ली-एनसीआर में 'ग्रेप' (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) के तहत लगाए जाने वाले प्रतिबंधों पर फैसला लेगी। राजधानी में सिर्फ वही अंतरराज्यीय बसें और माल वाहन प्रवेश कर सकेंगे, जो सीएनजी, बिजली या खास किस्म के डीजल से चलते होंगे। निर्माण-कार्यों पर भी विशेष अवधि के लिए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। कूड़े को इक_ा करने और उसे उठाने के बंदोबस्त भी व्यापक किए जाएंगे। यदि कूड़ा जलाएंगे, तो भी प्रदूषण होगा। यदि वायु प्रदूषण एक स्तर से अधिक बढ़ता है, तो कमोबेश राजधानी क्षेत्रों में 'कृत्रिम बारिश' कराई जाएगी, ऐसी घोषणा दिल्ली सरकार ने की है। निजी परिवहन को भी नियंत्रित किया जाएगा। दिल्ली सरकार सम-विषम परिवहन का फॉर्मूला लागू कर चुकी है, लेकिन वह अपेक्षाकृत सफल नहीं रहा। आयोग के संदर्भ में पराली का मुद्दा गायब रहा है। केजरीवाल की 'आम आदमी पार्टी' (आप) की सरकार दिल्ली और पंजाब दोनों जगह है। पंजाब में सरकार बनने से पहले केजरीवाल पराली के मुद्दे पर खूब चिल्ल-पौं करते थे, लेकिन आज वे किसानों को पराली जलाने से रोक नहीं सकते, क्योंकि वे एक संगठित वोट बैंक हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण 300-400 और उससे भी अधिक रहता है। यह खतरनाक, जानलेवा श्रेणी का प्रदूषण है। कुछ स्थानों पर प्रदूषण का सूचकांक 500 से भी अधिक चला जाता है। वह घोर खतरनाक स्थिति होती है, लेकिन आम आदमी क्या करे? उसे घर से भी निकलना है, काम पर जाना है, बोझ उठाने वाले मजदूरों को प्रदूषित माहौल में ही दिहाड़ी कमानी है। किसान सभी अपीलों और चिंताओं को नकार कर पैसे बचाने के प्रति ज्यादा आग्रही होते हैं, जबकि उन्हें भी अपनी सेहत की चिंता करनी चाहिए। बीते साल भी सर्वोच्च अदालत ने पंजाब, हरियाणा, उप्र, राजस्थान आदि राज्यों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे कि फसल अवशेष को जलाने का सिलसिला तुरंत रोका जाए, क्योंकि हम आम आदमी को मरने नहीं दे सकते। इस मुद्दे पर राजनीति न की जाए। एक-दूसरे पर दोष न मढ़ा जाए, लेकिन अभी तो कोई आसार नहीं है कि पराली जलाने पर कोई पाबंदी लग सके।

प्रदूषण के कारण कौन-कौन सी गंभीर बीमारियां मानव-शरीर में पनपने लगती हैं, चिकित्सक उनके प्रति भी आगाह करने लगते हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण का प्रकोप इतना घातक हो जाता है कि सर्वोच्च अदालत को कई बार उस स्थिति की तुलना 'गैस चैंबर' से करनी पड़ी है। अदालत फटकार लगाती है, सरकारों से नाराजगी जताती है, लेकिन सरकारें और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग सरीखी संवैधानिक संस्थाएं प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में नाकाम रही हैं। किसान अपने खेतों में पराली जलाने से बाज नहीं आते। हमने अक्तूबर का संदर्भ पराली के कारण ही उठाया है। खेतों में धान की बालियां कट चुकी हैं। जो छोटे अवशेष बचे हैं, उन्हें पंजाब-हरियाणा के खेतों में जलाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। किसानों की अपनी पेशेवर मजबूरी है, क्योंकि उन्हें गेहूं आदि की फसल के लिए खेत तैयार करना है। यह क्रम अक्तूबर में ही घनीभूत होने लगता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रभाव और सफल कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पलड़ा

प्रमोद भार्गव

मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कहा कि फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है। जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही दो ऐसे देश भी होने चाहिए, जिन्हें अफ्रीका प्रतिनिधित्व के लिए अनुशंसा करे। दूसरी तरफ पाकिस्तान से दोस्ती और भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को झटका दिया है। उन्होंने गाजा युद्ध को लेकर जमकर हमला बोला, लेकिन इस बार कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे पर किनारा किया है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र निकाय के विस्तार की वकालत की है। मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कहा कि फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है। जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही दो ऐसे देश भी होने चाहिए, जिन्हें अफ्रीका प्रतिनिधित्व के लिए अनुशंसा करे। दूसरी तरफ पाकिस्तान से दोस्ती और भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को झटका दिया है। उन्होंने गाजा युद्ध को लेकर जमकर हमला बोला, लेकिन इस बार कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे पर किनारा किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2020, 2021, 2022 और 2023 में कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया था। इससे लगता है कि भारत की स्थायी सदस्यता के लिए सहमति बढ़ रही है। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रभाव और सफल कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। भारत के संयुक्त राष्ट्र में भारी होते पलड़े के संदर्भ में विदेश नीति के विशेषज्ञों का मानना है कि तुर्किये ब्रिक्स का सदस्य देश बनना चाहता है। इस हेतु उसे भारत की मदद जरूरी है। यदि भारत असहमति जता देता है तो उसे सदस्यता मिलना मुश्किल है। ब्रिक्स में इस वक्त ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। भारत इसमें प्रमुख सदस्यों में से एक है। इस बीच खबर यह भी है कि तुर्किये को नाटो देशों के समूह से बाहर निकाला जा सकता है। इसलिए तुर्किये ब्रिक्स देशों की सदस्यता चाहता है। एर्दोगान ने कहा भी है कि 'हम ब्रिक्स देशों के साथ अपने संबंध बेहतर करना चाहते हैं। ब्रिक्स के देश दुनिया की उभरती आर्थिक शक्ति हैं। इसलिए हम उनके साथ संबंध मजबूत और विश्वसनीय बनाने के पक्षधर है।' एर्दोगान ने यह झटका तब दिया है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूरी तैयारी कर रखी थी कि महासभा में कश्मीर में हो रहे चुनाव का मुद्दा उठाया जाए और इस चुनाव प्रक्रिया को अलोकतांत्रिक बताया जाए। परंतु दुनिया की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे भारत का

डंका विश्व की प्रत्येक लोकतांत्रिक और मानवाधिकार हितों की पैरवी करने वाली संस्थाओं में बजता दिख रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की दलील है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की सुरक्षा परिषद 21वीं सदी की लक्ष्यपूर्तियों के लिए पर्याप्त नहीं है। इसमें समकालीन भूराजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिबिंब दिखाई नहीं दे रहा है। वर्तमान में सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य देश शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। परंतु पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और अमेरिका हैं, इनमें से प्रत्येक देश के पास ऐसी शक्ति है, जो किसी भी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर वीटो लगा सकता है। भारत 2021-22 में संयुक्त राष्ट्र की उच्च परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में चुना गया था। किंतु दुनिया का जो वर्तमान परिदृश्य है, उससे निपटने के लिए स्थायी सदस्यों की संख्या दुनिया का हित साधने के लिए बढ़ाई जानी चाहिए। इसीलिए मैक्रों को कहना पड़ा कि 'सुरक्षा परिषद के कामकाज के तरीकों में बदलाव, सामूहिक अपराधों के मामलों में वीटो के अधिकार को सीमित करने और शांति बनाए रखने के लिए जरूरी फैसलों पर ध्यान देने की जरूरत है। अतएव जमीन पर बेहतर और बेहिचक तरीके से काम करने की दृष्टि से दक्षता हासिल करने का समय आ गया है।' मैक्रों की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बीते रविवार 22 सितंबर 2024 को 'भविश्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करने के कुछ दिन बाद आई है, इसमें मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि वैश्विक शांति और विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार आवश्यक है। उन्होंने कहा था कि सुधार प्रासंगिकता की कुंजी है। वाकई इस समय संस्थाएं अपनी प्रासंगिकता खोती दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 15 सदस्य देशों की सुरक्षा परिषद को भी पुरानी व्यवस्था का हिस्सा बताकर आलोचना की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर इसकी संरचना और कार्य प्रणाली में सुधार नहीं होता है तो इस संस्था से दुनिया का भरोसा उठ जाएगा। दूसरे विश्व युद्ध के बाद शांतिप्रिय देशों के संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गठन हुआ था। इसका अहम मकसद भविष्य की पीढियों को युद्ध की विभीषिका और आतंकवाद से सुरक्षित रखना था। इसके सदस्य देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन को स्थायी सदस्यता प्राप्त है। याद रहे चीन जवाहरलाल नेहरू की अनुकंपा से सुरक्षा परिषद का सदस्य बना था। कांग्रेस नेता और संयुक्त राष्ट्र में अवर महासचिव रहे शशि थरूर की किताब 'नेहरू : दि इन्वेंशन ऑफ इंडिया' में थरूर ने लिखा है कि 1953 के आसपास भारत को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन उन्होंने चीन को दे दिया। थरूर ने लिखा है कि भारतीय राजनयिकों ने वह फाइल देखी थी, जिस पर नेहरू के इंकार का जिक्र है। नेहरू ने ताइवान के बाद इस सदस्यता को चीन को दे देने की पैरवी की थी। अतएव कहा जा सकता है कि नेहरू की भयंकर भूल और उदारता का नुकसान भारत आज तक उठा रहा है। जबकि उस समय अमेरिका भारत के पक्ष में था। भारत का दो बार पाकिस्तान और एक बार चीन से युद्ध हो चुका है। इराक और अफगानिस्तान, अमेरिका और रूस के जबरन दखल के चलते युद्ध की ऐसी विभीषिका के शिकार हुए कि आज तक उबर नहीं पाए हैं। तालिबान की आमद के बाद अफगानिस्तान में किस बेरहमी से विरोधियों और स्त्रियों को दंडित किया जा रहा है, यह किसी से छिपा नहीं रह गया है। इजराइल और फिलीस्तान और रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध एक नहीं टूटने वाली कड़ी बन गए हैं। अनेक इस्लामिक देश गृह कलह से जूझ रहे हैं। उत्तर कोरिया और पाकिस्तान बेखौफ परमाणु युद्ध की धमकी देते रहते हैं। दुनिया में फैल चुके इस्लामिक आतंकवाद पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। साम्राज्यवादी नीतियों के क्रियान्वयन में लगा चीन किसी वैश्विक पंचायत के आदेश को नहीं मानता।

दृष्टि कोण

समाज में पनपती मानसिक विकृति

एक समय था जब हमारे देश भारत के राजा कहा करते थे कि मेरे देश में कोई चोर नहीं. शराबी और कायर नहीं, कोई अधार्मिक नहीं, कोई व्यभिचारी नहीं। क्या आज का राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री ऐसा कह सकता है ? शायद उत्तर मिलेगा- नहीं। सैंकड़ों चोरियां होती हैं, अनेक हत्याएं होती हैं, अनेक महिलाओं, यहां तक कि नन्ही-नन्ही कन्याओं, जिन्हें नवरात्रों में देवी समझकर पूजा जाता है, उनके साथ दिल दहला देने वाले सामूहिक बलात्कार और हत्याएं हो रही हैं कि सुनकर ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। क्या इसलिए कि हमारा चरित्र गिर गया है या बड़ी-बड़ी उच्च डिग्रियां लेकर भी हम मानसिक दृष्टि से गिरे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों से मानव समाज में तकनीकी व आर्थिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन मूल्य प्रभावित हुए हैं। परिवर्तन समय की स्वाभाविक वृति है। ऐसा कभी नहीं था कि परिवर्तन रुका हो। आज हम इतराते हैं कि हम चांद पर पहुंच गए। मंगल और शुक्र ग्रह भी घूम आए। सेंसर जैसी कई अन्य आधुनिकतम तकनीक से उंगली के संकेत से मनवांछित प्राप्त कर सकते हैं। तीव्र गति से होने वाली वैज्ञानिक प्रगति नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस क्रांति में इंटरनेट एक ऐसे व्यापक हाईवे के रूप में सामने आया है जिसने समूचे विश्व को अपने आलिंगन में ले लिया है। इंटरनेट की सहायता से हम दुनिया भर की जानकारियां उपलब्ध करा सकते हैं। पहले हम कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुंब बना दिया, किंतु आज इंटरनेट ने मानों कुटुंब को ही कमरे में उपस्थित कर दिया है। मानव जीवन में इंटरनेट क्रांति एक महत्वपूर्ण बदलाव लाई है, पर हर सच्चाई के साथ बुराई, प्रगति के साथ अवनति, उत्थान के साथ पतन जुड़े रहते हैं। अतः जब कल्याण और प्रगति के लिए कोई नई सोच, विधि, तकनीक सामने आती है तो पीछे से शैतानी प्रवृत्ति भी चुपके से प्रवेश कर लेती है। राक्षसी वृति का अच्छाई के साथ सदा ही विरोध रहा है। हमारे पुराणों में अनेक ऐसे दृष्टांत हैं। भस्मासुर, महिषासुर, रावण आदि घोर तपस्या कर ईश्वर से अपने अस्तित्व और वर्चस्व के स्थायित्व का वरदान मांगते थे और वरदान मिल जाने पर उसका दुरुपयोग करते थे। इसी प्रकार वैज्ञानिक अनुसंधान व आविष्कार भी वैज्ञानिकों की तपस्या का परिणाम होते हैं। यही इंटरनेट की दुनिया में भी हुआ है जहां दुर्लभ उपयोगी जानकारियां एक ही क्लिक में मिल रही हैं, वहीं पर अश्लीलता भी परोसी जाने लगी है। कई प्रकार की ठगी हो रही है। युवाओं विशेष रूप से किशोरावस्था वालों के लिए यह हर प्रकार से हानिकारक सिद्ध होने लगा है। बच्चा जब गर्भ में होता है तो मां जैसे वातावरण में रहती है, उसका महत्वपूर्ण प्रभाव गर्भ में पल रहे बच्चे पर पड़ता है। धार्मिक ग्रंथ महाभारत में भी अभिमन्यु के चक्रव्यूह भेदने के प्रसंग में यह बात आई है और नारद के आश्रम में जन्म लेकर वहां के विष्णुमय वातावरण में पलकर हिरण्यकश्यप जैसे दैत्य का पुत्र प्रहलाद विष्णु भक्त बन गया था। यही बात विज्ञान और चिकित्सक भी कहते हैं कि गर्भवती महिला को स्वस्थ आहार के साथ स्वस्थ वातावरण मिलना चाहिए, पर आज की अधिकतर माताएं जब गर्भावस्था में बेड रैस्ट पर होती हैं या फुर्सत मिलती है तो इंटरनेट की दुनिया में मनोरंजन की सामग्री की ओर अधिक व धार्मिक या नैतिक शिक्षाप्रद वीडियो कार्यक्रमों की ओर कम ही झुकाव रखती हैं। बच्चा गर्भ में ही इंटरनेट की दुनिया में प्रवेश कर जाता है। शिशु जब धरा पर अवतरित होता है तो कुछ माह के बाद मां बच्चे को आया या मेड के पास छोडक़र नौकरी पर चली जाती है या कुछ गृहणियां घर का काम निपटाने के लिए स्मार्टफोन में यूट्यूब पर डांस या गाना लगाकर बच्चों को पकड़ा देती हैं। जो बच्चे मां से चिपके रहते थे वे फोन से चिपके रहते हैं। धीरे-धीरे बच्चा जब बड़ा होता है तो बोलकर नेट चलाना सीख जाता है और यही कच्ची उम्र जिज्ञासा का भंडार होती है। जैसे-जैसे वह पांच-सात वर्ष का होता है, नेट की दुनिया का आदी बन चुका होता है। फिर नेट की दुनिया में वह अश्लीलता की दुनिया में अनजाने में ही कदम रख देता है। जो सुकोमल आयु और तन चरित्र निर्माण के सुसंस्कार की पवित्र गंगा से सराबोर होने के होते हैं, वे कोमल आयु और तन अपनी आयु से आगे निकलकर अश्लीलता के रास्ते की कीचड़ में लिप्त होने लगते हैं। अगर बच्चे में अच्छे संस्कार भरे होंगे, विवेकशील होंगे, उसे अच्छे-बुरे का ज्ञान बचपन से उसके दिलों दिमाग में भर दिया गया होगा, तब तो वह इस नरक की दुनिया से दूर होकर अपना रास्ता बदल देगा, पर इसके विपरीत परिस्थितियां होंगी तो बच्चे इन अश्लील वेबसाइटों के आदी हो जाएंगे। हाल ही में सुर्खियों में रहे केस कोलकाता में एक डॉक्टर युवती से बलात्कार व हत्या का आरोपी पोर्न फिल्मों का आदी बताया गया है।

कुछ अलग

हिंदी का वार्षिक श्राद्ध

कई बार सोचता हूं कि क्या यह महज़ संयोग है कि हर साल हिन्दी पखवाड़ा और पितृ पक्ष साथ-साथ आते हैं। हिन्दी दिवस हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है और पितृ पक्ष लगभग इसी के साथ शुरू होता है। हर साल की तरह इस बार भी हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को मनाया गया और हिन्दी पखवाड़ा 28 सितम्बर तक चला। इस बार पितृ पक्ष 17 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक चलेगा। पितृ पक्ष की तिथियां बदलती रहती हैं। पर हिन्दी दिवस हर साल नियत तिथि को ही आता है और पूरे 14 दिन तक चलता है। इस दिन विभिन्न स्पर्धाओं, प्रतियोगिताओं, सम्मेलनों और वार्ताओं का आयोजन होता है। आमंत्रित अतिथि गण, साहित्यकार, अधिकारी और प्रतिस्पर्धी आयोजन के बाद जम कर जीमते हैं और हिन्दी को जन-जन में लोकप्रिय बनाने के अलावा सरकारी दरबार में किस तरह मुख्य सिंहासन पर विराजमान करवाया जाए, इस पर अपने दिमाग़ के अरबी घोड़े दौड़ाते हैं। पिछले एक दशक से आकंठ ईवेंट मेनेजमैंट में डूबी केन्द्र सरकार ने हिन्दी दिवस को भी इसी श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। पिछले चार साल से देश की विभिन्न सरकारी इकाइयों के क़रीब दस हज़ार हिन्दी अधिकारी और राजभाषा अधिकारी राजभाषा विभाग द्वारा नियत स्थान पर दो दिनों के लिए मिलते हैं। लेकिन इस सम्मेलन में उन्हें नेताओं के कोरे भाषणों और सरकार के पि_ओं के एकालाप और वार्ताएं सुनने के अलावा कभी अपनी बात कहने का मौक़ा नहीं मिलता। बेचारे घर में बीवी की सुनते हैं, दफ़्तर में बॉस की और हिन्दी सम्मेलन में मंत्रियों और सत्ता पक्ष से जुड़े काने विद्वानों की। बेचारे हिन्दी की महानता और महत्व के बारे में ज्ञान लेकर लौट आते हैं और साल भर अंग्रेज़ी भरे सरकारी माहौल में सत्ता की दासी हिन्दी को पटरानी बनाने की कागज़ी कोशिश में जुट जाते हैं। लेकिन आज़ादी के पचहत्तर सालों के बाद भी सरकारी दरबार में पटरानी बन कर घूम रही अंग्रेज़ी का बाल भी बींका नहीं कर पाते। यहां तक कि अपने हिन्दी भाषणों में गा-गाकर हिन्दी बोलने वाले प्रधानमंत्री विदेशी मंचों पर इसी अन्दाज़ में ग़लत अंग्रेज़ी बोलने का मोह नहीं छोड़ पाते। प्रधानमंत्री अमेरिकी संसद में पिलर को पीलर बोलते हैं, बौद्धिक मंच पर सक को शक कहते हैं और इन्वेस्टमैंट इन द गर्ल चाइल्ड को इनवेस्टिगेटिंग इन द गर्ल चाइल्ड बोलते नजऱ आते हैं। केन्द्रीय सरकारी भाषा में राष्ट्र का गौरव कही जाने वाली हिन्दी को लेकर किसी आम भारतीय की तरह हीनभावना से ग्रस्त प्रधानमंत्री भले सही हिन्दी न बोल पाते हों लेकिन टूटी-फूटी अंग्रेज़ी बोलने से बाज नहीं आते। देश के किसी गम्भीर समस्या से जूझने के दौरान मीडिया मेनेजमैंट में माहिर केन्द्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी लोगों का ध्यान बेतुके मसलों की ओर मोड़ देती है। अगली बार राफेल, हिंडनबर्ग, भ्रष्टाचार, किसान आन्दोलन, बेरोजग़ारी, महंगाई या कोई अन्य मसला खड़े होने पर भाजपा चाहे तो भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान इस्तेमाल नारों 'अंग्रेज़ो भारत छोड़ो' और 'क्विट इण्डिया मूवमैंट' के बीच नई बहस छेड़ सकती है। सरकार के मंत्री और भाजपा के कार्यकर्ता कह सकते हैं कि गांधी और नेहरू ने अंग्रेज़ों को भारत से भगाने वाला नारा अंग्रेज़ी में दिया था, जबकि वीर सावरकर द्वारा हिन्दी में दिए गए नारे के कारण ही देश की आज़ादी संभव हो पाई थी। अतः वीर सावरकर ही हिन्दी के वास्तविक प्रणेता हैं। भारत के कई काले अंग्रेज़ों की तरह गूगल ट्रांसलेट का भी हिन्दी से अंग्रेज़ी या अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद क़ाबिलेतारीफ है। हुआ यूं कि अपना शत-प्रतिशत काम अंग्रेज़ी में निपटाने वाले एक मंत्रालय में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित अन्तयाक्षरी प्रतियोगिता का एक पोस्ट सोशल मीडिया में डालने के बाद सम्बन्धित अधिकारी को ध्यान आया कि उसने पोस्ट को अंग्रेज़ी भाषा में डाला है।

देश दुनिया से

भू-संरक्षण कानून को प्रासंगिक बनाने का दबाव

हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर गैर-कृषकों द्वारा कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त पर रोक के लिये उत्तराखंड में कानून अवश्य बना था लेकिन ऐसा कानून बनाने वाली राज्य की पहली निर्वाचित तिवारी सरकार ने उस कानून में धारा दो जोड़ कर पहला छेद कर डाला था। सन् 2017 के बाद किए गए बार-बार के संशोधनों ने वास्तव में भूमि संरक्षण से जुड़े कानून की प्रासंगिकता को कमजोर कर दिया। नया भूमि प्रबंधन कानून बनाने के लिये गठित पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार की अध्यक्षता वाली समिति अपनी रिपोर्ट 5 सितम्बर, 2022 को सौंप चुकी थी, लेकिन उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अगले बजट सत्र में सशक्त भू-कानून लाने की घोषणा एक महत्वपूर्ण कदम है। हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड अकेला राज्य है, जहां कठोर कानून के अभाव में जमीनों की बेलगाम खरीद-फरोख्त जारी है। हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर गैर-कृषकों द्वारा कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त पर रोक के लिये उत्तराखंड में कानून अवश्य बना था लेकिन ऐसा कानून बनाने वाली राज्य की पहली निर्वाचित तिवारी सरकार ने उस कानून में धारा दो जोड़ कर पहला छेद कर डाला था। सन् 2017 के बाद किए गए बार-बार के संशोधनों ने वास्तव में भूमि संरक्षण से जुड़े कानून की प्रासंगिकता को कमजोर कर दिया। नया भूमि प्रबंधन कानून बनाने के लिये गठित पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार की अध्यक्षता वाली समिति अपनी रिपोर्ट 5 सितम्बर, 2022 को सौंप चुकी थी, लेकिन उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। यह धारणा इसलिये भी पुष्ट हुई कि नारायण दत्त तिवारी सरकार द्वारा काश्तकारों की जमीनें बचाने के लिये 1950 के अधिनियम में संशोधन कर जो कानून बनाया गया था उसमें भी भाजपा की ही त्रिवेन्द्र सिंह रावत सरकार ने 2018 में औद्योगीकरण के नाम पर उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) की धारा 154, 143 एवं 129 में संशोधन कर इस कानून को लगभग निष्प्रभावी ही बना दिया था। उसके बाद फिर उसी भू-कानून की धारा 143 की उपधारा 'क' और 'ख' को हटाने से तिवारी द्वारा बनाये गये भू-कानून का प्रभाव समाप्त हो गया था। इन धाराओं में प्रावधान था कि अगर उद्योग के लिये हासिल की गयी जमीन का 2 साल के अन्दर उसी प्रयोजन के लिये उपयोग नहीं किया गया तो कलक्टर धारा 167 के तहत उस जमीन को जब्त कर सरकार में निहित कर लेगा। अब मुख्यमंत्री धामी ने यह कह कर सशक्त भू-कानून की आशा फिर जगा दी कि उत्तराखंड (उत्तरप्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) में 2017 के बाद किये गये संशोधनों के लक्ष्य हासिल नहीं हुए हैं। उस समय राज्य में 125 लाख करोड़ के पूंजी निवेश के इच्छापत्रों पर हस्ताक्षर हुए थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया कि संशोधनों से भूमि कानून में दी गयी शिथिलता के बावजूद औद्योगिक निवेश का मकसद हल नहीं हुआ। दरअसल, इन्हीं संशोधनों के खिलाफ उत्तराखंड में जहां तहां लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सशक्त भू-कानून के लिये गठित सुभाष कुमार समिति की सिफारिशों की भी समीक्षा की जा रही है और सरकार अगले बजट सत्र में निश्चित रूप से एक सशक्त भू-कानून को पास करा देगी। समिति ने हिमाचल प्रदेश काश्तकारी एवं भूमि सुधार अधिनियम 1972 की धारा 118 से मिलती-जुलती 23 सिफारिशें कर रखी हैं। उत्तराखंड में औद्योगीकरण के नाम पर सन् 2018 से लेकर अब तक प्राइम लैंड लगभग बिक चुकी है। जमीनों की बेतहाशा खरीद-फरोख्त नगरीय क्षेत्रों और उनके आसपास ही हुई है। इसीलिये भूमि कानून में धारा-2 रखी गयी थी। उस धारा के अनुसार कृषि भूमि की खरीद पर अंकुश वाला प्रावधान नगर निकाय क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है। जबकि पहले अध्यादेश वर्ष 2003 संख्या 6 में समस्त उत्तरांचल पर यह बंदिश लागू करने का प्रावधान रखा गया था। इस धारा का लाभ भूमि सौदागरों को पहुंचाने के लिये सन् 2017 में ही प्रदेश के 13 में से 12 जिलों के 385 गांवों को 45 नगर निकायों में शामिल कर 50,104 हेक्टेयर जमीन को खरीद-फरोख्त की बंदिशों से मुक्त कर दिया गया था। उत्तराखंड अकेला हिमालयी राज्य है, जहां जमीनों का धंधा सर्वाधिक फल फूल रहा है। यहां की व्यावसायिक और आवासीय महत्व की सभी जमीनें भूमिखोरों के चंगुल में चली गयी हैं। यहां तक कि राजनीतिक लोग भी इस धंधे में प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से शामिल हैं। वास्तव में अगर सरकार एक सशक्त भूमि कानून बना रही है तो उसे देर से आया हुआ दुरुस्त फैसला माना जा सकता है, बशर्ते कि जनभावनाओं के अनुकूल और व्यावहारिक कानून बना दे। अगर सरकार उत्तराखंड में उपान्तरित और अनुकूलित जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम-1950 में 2017 के बाद के सभी संशोधन समाप्त कर देती है तो भी पूरा मकसद हल नहीं होता। इसके साथ ही सरकार को अधिनियम की धारा दो पर भी पुनर्विचार करना चाहिए। उत्तराखंड में बहुत तेजी से नगरीकरण हो रहा है और उसी तेजी से सरकारें नगर निकायों का विस्तार और उनकी संख्या बढ़ाती रही हैं। राज्य को उत्तर प्रदेश से विभिन्न भूमि संबंधी कानून विरासत में मिले हैं। इन सभी कानूनों को मिलाकर एक एकीकृत भूमि संहिता बनाई जा सकती है। सरकार का कार्य भूमि प्रबंधन के साथ-साथ भूमि सुधार भी है। इसके लिए भूस्वामित्व के रिकॉर्ड के साथ भूमि के प्रकार की इन्वेंटरी बनाना आवश्यक है। गांवों में जमीनों की अदला-बदली के कारण भूमि रिकॉर्ड अपडेट नहीं हैं। राजस्व अधिनियम 1901 के अध्याय 5 से 8 लोप हो जाने के कारण सरकार के पास जमीनों का बंदोबस्त करने का कोई कानूनी आधार नहीं है।

आप का नजरिया

अबकी बार बिजली महादेव

हमें कसोल मंजूर है, क्योंकि वहां की कमाई मशहूर है, लेकिन बिजली महादेव की ओर बढ़ता, रज्जु मार्ग मंजूर नहीं। हम देव संस्कृति की आड़ में सियासत को खेल सकते हैं, लेकिन चिट्टे की औकात में एक शब्द नहीं बोल सकते। जिस कुल्लू घाटी का मौसम बदल गया और जहां दरिया रास्ता भूल गया, वहां देवता को गुस्सा आता है। पहले आया, तो स्की विलेज जैसी परियोजना के तंबू उखड़ गए और अब इसी विरोध की शरण में पुनः देवता आगे किए जा रहे हैं। हैरानी यह कि सांसद कंगना रणौत ने रज्जु मार्ग रोकने के लिए अपना दायित्व जोड़ दिया है। यानी केंद्र जिस आधार पर हिमालयी राज्यों को रज्जु मार्गों की पर्वत माला बना कर देना चाहता है, वहां उसकी ही एक सांसद विरोध की विभूति लगाकर, सारी परियोजना को चौपट करने का प्रण ले रही है। काश ऐसी भस्म रेत माफिया, भू माफिया, ड्रग एवं नशा माफिया तथा पानी की तरह बहती शराब पर भी गिर जाती, लेकिन मुद्दे वहीं सुर्ख होते हैं, जिनकी आबरू में चंद स्वार्थ सफर करते हैं। बेशक हर धार्मिक स्थल की अपनी पवित्रता-अपने नियम हैं, लेकिन व्यापार तो अब हर जगह होने लगा। देव संस्कृति के नाम पर अगर अभिशप्त होते किस्सों पर गौर फरमाएं, तो कहीं इस आचरण की शुद्धि में धार्मिक व सामाजिक वकालत चाहिए। है बहुत कुछ इस निजाम में निरंकुश, हमने तो सिर्फ चंद अल्फाज कहे। जरूरी नहीं धार्मिक प्रतिष्ठा के नाम पर एकाधिकार पैदा किया जाए। आखिर रज्जु मार्ग का विरोधी पक्ष क्यों स्की विलेज रोकने वालों का ही टोला बनता नजर आ रहा है, लेकिन कब कुल्लू घाटी की भौतिकवाद के खिलाफ ऐसा ही प्रयास हुआ। तीन दशक पूर्व की कुल्लू घाटी ऐसे भी बदली कि पुलिस की तफ्तीश बढ़ गई। कुल्लू घाटी के मंदिर दूर हो गए, लेकिन पर्यटन की मंजिल आगे बढ़ गई। नहीं उग रहे पेड़ और अचानक कट गए देवदार, लेकिन हिमाचल में सबसे बड़ी होड़ में पर्यटन उद्योग ने घाटियों की जगह होटलों का साम्राज्य बना दिया। कितना बौना है आज का परिदृश्य जहां जाम तो टकरा सकते हैं, लेकिन रज्जु मार्ग जैसी परियोजना को उसका अंजाम बताया जा रहा है। सवाल परंपराओं और मर्यादा का होता, तो हर बाढ़ और प्राकृतिक त्रासदी के बाद घाटी के मजमून बदल जाते। वैज्ञानिक तौर पर भी कुल्लू जैसी भौगोलिक परिस्थितियों में पहाड़ को काटती सडक़ों के बजाय रज्जु मार्गों का अभिप्राय बढ़ाया जाना चाहिए। वैज्ञानिक सोच पर अगर यूं ही परंपराओं के हवाले से विरोध खड़े होते रहे, तो हमारी नस्लों की चुनौतियां दफन हो जाएंगी। विरोध के पर्यावरणीय या सांस्कृतिक तर्क जरूर संबोधित होने चाहिएं, लेकिन विकास के दरवाजे बंद करके, भविष्य को रौंदा नहीं जा सकता। बेशक कंगना अब विरोध का वजन ढो रही हैं, लेकिन उन्हें अपनी विधा में विरोध क्यों पसंद नहीं। उन्हें किसानों का विरोध खेत पर ईमानदार नहीं लगता, लेकिन रज्जु मार्ग से आती क्रांति पर त्वरित मतभेद दिखाई देता है। हो सकता है रज्जु मार्ग का विरोध कंगना की बदौलत, इस परियोजना की इतिश्री कर दे, लेकिन अवसर खोने के बदले जो मिलेगा, उसे भी बता दिया जाए।

अक्टूबर के पहले दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अक्टूबर के पहले दिन ही मंगलवार को घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट नजर आ रही है। इसके कारण सोना 150 से 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये से लेकर 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये से लेकर 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोहिंग्या युवतियों को...

पति राज कुंद्रा की प्रोडक्शन कंपनी से सम्बद्ध है। 22 वर्षीय रिया को बांग्लादेश से अवैध घुसपैठिए के रूप में दिखाया गया, लेकिन असल में वह और उसके परिवार के सदस्य म्यांमार के रोहिंग्या समुदाय से हैं। बोन्या शेख के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 465, 468, 479, 34 और 14ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। मुंबई स्थित पोर्नोग्राफी के काले धंधे से उसके कनेक्शन को लेकर जांच जारी है। रिया अपने माता-पिता, भाई और बहनों के साथ भारत में रहती है। उनकी मां रूबी शेख ने भारत में रहने के लिए अमरावती निवासी अरविंद बर्डे से विवाह कर लिया।

रूबी शेख ने बाद में पश्चिम बंगाल की निवासी होने का दावा किया और अपना नाम बदलकर अंजलि रख लिया और अवैध रूप से भारत में रह रही है। रिया शेख राज कुंद्रा की प्रोडक्शन कंपनी से जुड़ी हुई है। वह कई फिल्मों में भी नज़र आ चुकी है और उसने गेहाना वशिष्ठ के साथ एक प्रोजेक्ट भी किया है। अरविंद बर्डे न केवल रिया बर्डे और उसके परिवार के सदस्यों के लिए जाली दस्तावेज़ तैयार करने में शामिल है, बल्कि उसने भारतीय पासपोर्ट और अन्य ज़रूरी दस्तावेज़ों को मैनेज करने के लिए दस्तावेजों पर खुद को पिता के तौर पर भी दर्ज किया है। इससे पहले मुंबई पुलिस ने अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के तहत वेश्यावृत्ति के एक मामले में रिया को गिरफ्तार किया था। इस केस की अगुवाई कर रहे इंस्पेक्टर ने खुलासा किया कि वह एक बांग्लादेशी नागरिक है जो अपनी दो बहनों और भाई के साथ अवैध रूप से भारत में रह रही है। उसकी मां ने एक भारतीय से शादी की और नकली जन्म प्रमाण पत्र और अन्य धोखाधड़ी वाले दस्तावेजों का उपयोग करके भारतीय पासपोर्ट प्राप्त किया। रिपब्लिक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रिया के माता-पिता फिलहाल कतर में हैं और पुलिस अब बहन रितु उर्फ मोनी शेख और उसके भाई रवींद्र उर्फ रियाज़ शेख की तलाश कर रही है।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, रिया बर्डे की पहचान की जांच एक साल पहले शुरू हुई थी, जिसमें खुलासा हुआ था कि उसके जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र और पासपोर्ट में जन्म के तीन अलग-अलग स्थान दर्ज हैं, पश्चिम बंगाल का उत्तर 24 परगना, हुगली और महाराष्ट्र के अमरावती जिले का अचलपुर। पुलिस ने बताया कि रिया बर्डे एक एडल्ट (अश्लील) फिल्म अभिनेत्री है, जिसने राज कुंद्रा प्रोडक्शंस द्वारा दिए गए प्रोजेक्ट्स में काम किया था। उसने कई फिल्मों में कलाकार गेहाना वशिष्ठ के साथ भी काम किया। वह आमरस (2023) नामक फिल्म में अपने काम के लिए प्रसिद्ध है। पुलिस का कहना है कि रिया के माता-पिता फिलहाल कतर में रह रहे हैं।पुलिस को जांच में पता चला कि रिया अपनी बहन रितु बर्डे के साथ अक्सर कतर जाती थी और कतर के अमीरों और विदेशी नागरिकों को खुश करती थी। कतर में उसकी मां अंजलि एक निजी वेश्यालय और सेक्स रैकेट चलाती है। अंजलि म्यांमार स्थित ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट से भी संबंध रखती रही है। यह भी पता चला है कि शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा कतर और दुबई में अमीर अरब और पाकिस्तानी ग्राहकों को रिया बर्डे, उसकी बहन और अन्य कॉल गर्ल की सप्लाई कर रहे थे। रिया बर्डे की गिरफ्तारी के मामले पर टिप्पणी करते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय की वकील अमिता सचदेवा ने कहा, मैं बांग्लादेशी पोर्न स्टार रिया बर्डे की खबर देखकर स्तब्ध हूं, जिसे फर्जी दस्तावेजों पर महाराष्ट्र में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस खबर से भारत सरकार को अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं के मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। यह एक गंभीर मामला है जिसमें सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है।अवैध घुसपैठिये द्वारा भारतीय पासपोर्ट प्राप्त करने का मामला हमारे आव्रजन और नागरिकता प्रणालियों की अखंडता के बारे में गंभीर चिंता पैदा करता है। यह उन कमजोरियों को उजागर करता है जिसका फायदा कानूनी चैनलों को दरकिनार करने की कोशिश करने वाले व्यक्तियों द्वारा उठाया जा रहा है। यह स्थिति न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि रोहिंग्याओं की मौजूदगी के कारण होने वाले जोखिम का भी संकेत देती है। रोहिंग्या को अक्सर हमारे देश की शांति और स्थिरता के लिए खतरा माना जाता है। हमने रोहिंग्याओं के राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कई उदाहरण सुने हैं। इस तरह की घटनाएं आव्रजन और सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार सरकारी संस्थानों में जनता का भरोसे कम करती हैं। नागरिक पासपोर्ट जारी करने और नागरिकता सत्यापन के लिए कठोर मानकों की अपेक्षा करते हैं; जब इनसे समझौता किया जाता है, तो यह संदेह और भय को बढ़ाता है। यह स्थिति नागरिकता से संबंधित मौजूदा नीतियों और प्रथाओं की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करती है। भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

कांग्रेस की ...

पीएम मोदी ने कहा, हरियाणा में तो चुनाव अभियान चल रहा है, लेकिन आज जम्मू-कश्मीर में अंतिम चरण का मतदान हो रहा है। वहां बहुत भारी संख्या में लोग लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा ले रहे हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के सभी मतदाताओं से कहूंगा कि वे अपना वोट जरूर डालें। पीएम मोदी ने कहा, उत्साह और उमंग से भरा हुआ ये दृश्य, चुनाव के नतीजों का एहसास दिला रहा है। आपके आशीर्वाद के लिए, आपके सहयोग के लिए हम आपके बहुत-बहुत आभारी हैं। हरियाणा का तो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि केंद्र में जिसकी सरकार रहती है, हरियाणा में भी उसी की सरकार बनती है। आपने दिल्ली (केंद्र) में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई, अब यहां हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा सरकार बनाना आप लोगों ने तय कर लिया है।

सीमा पर...

सैन्य कमांडरों पर निर्भर करता है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, हम किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं।थलसेना अध्यक्ष चाणक्य रक्षा संवाद पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध का जल्द से जल्द समाधान तलाशने के उद्देश्य से जुलाई और अगस्त में दो चरणों में कूटनीतिक वार्ता की थी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, कूटनीतिक वार्ता से सकारात्मक संकेत मिल रहा है लेकिन हमें यह समझने की आवश्यकता है कि कूटनीतिक वार्ता विकल्प और संभावनाएं देती हैं। लेकिन जब जमीनी स्तर पर लागू करने की बात आती है तो इसका निर्णय लेना दोनों पक्षों के सैन्य कमांडरों पर निर्भर करता है। स्थिति स्थिर है लेकिन यह सामान्य नहीं है और संवेदनशील है। अगर ऐसा है तो हम क्या चाहते हैं? हम चाहते हैं कि अप्रैल 2020 से पहले वाली स्थिति बहाल हो। थलसेना अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि जब तक पूर्व की स्थिति बहाल नहीं होती है, हालात संवेदनशील बने रहेंगे।

जनरल द्विवेदी ने कहा, दोनों सेनाओं के बीच सैन्य गतिरोध मई 2020 की शुरुआत में शुरू हुआ। दोनों पक्षों ने गतिरोध वाले बिन्दुओं से कई सैनिकों को हटाया है लेकिन इसके बावजूद अभी तक सीमा विवाद का पूर्ण समाधान नहीं निकला है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, जब तक स्थिति बहाल नहीं होती है, हालात संवेदनशील रहेंगे और हम किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस पूरे परिदृश्य में विश्वास को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। जहां तक चीन का संबंध है तो वह काफी समय से हमारे मन में कौतूहल पैदा कर रहा है। मैं कह रहा हूं कि चीन के साथ आपको प्रतिस्पर्धा करनी होगी, आपको सहयोग करना होगा, आपको एक साथ रहना होगा, आपको मुकाबला करना होगा।

युद्ध के लिए ...

इसका मतलब है कि वे इसके लिए काफी पहले से तैयारी में थे। युद्ध उस तरह से शुरू नहीं होता जिस तरह से आप लड़ना शुरू करते हैं। यह उसी दिन शुरू होता है जिस दिन आप योजना बनाना शुरू करते हैं। यही सबसे महत्वपूर्ण है। हमारे पक्ष में आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट और बाधाएं ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में हमें बहुत सावधान रहना होगा। हमें विभिन्न स्तरों पर निरीक्षण करना होगा, चाहे वह तकनीकी स्तर पर हो या मैनुअल स्तर पर हो, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे मामले में ऐसी चीजें दोबारा न हों।

प्रशांत किशोर ...

पूरे बिहार में पीले रंग में रंगी जन सुराज की गाड़ी घूमकर माहौल बना रही है तो राजधानी पटना में इसे मेगा इवेंट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। पटना के गांधी मैदान में जगह नहीं मिली तो वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में पीके की पार्टी का पहला कार्यक्रम हो रहा है। यह पटना एयरपोर्ट के बगल में है और यहां आम आबादी अमूमन कम जाती है। इसे देखते हुए लोगों को उस तरफ मोड़ने के लिए कई तरह की तकनीक तैयार रखी गई है। पीके की पार्टी गठन के इस कार्यक्रम में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी सहित 10 देशों से मेहमानों को बुलाया गया है। वह यहां बिहार और बिहारी की ताकत देखेंगे।

प्रशांत किशोर ने गांधी जयंती पर अपनी पार्टी के गठन की घोषणा की, तभी से बिहार की राजनीति के दिग्गजों ने उन्हें कमतर बताना तेज कर दिया। अब प्रचार हो रहा है कि वह अपनी पत्नी को पार्टी का अध्यक्ष बनाने जा रहे हैं। यह हल्ला इसलिए है, क्योंकि खुद पीके अध्यक्ष नहीं बनने की बात कह रहे हैं। परिवारवाद के आरोप से बचने के लिए पीके अपनी पत्नी को शायद ही यह जिम्मेदारी दें। ऐसे में अध्यक्ष कौन बनेगा, इसपर गहन मंथन जन सुराज के मौजूदा सक्रिय टीम में भी हो रहा है। यह घोषणा भी कल खुद पीके ही करेंगे।पीके ने जन सुरक्षा स्थापना अधिवेशन के जरिए राजनीतिक दलों को भी इवेंट मैनेजमेंट की सीख दी है। बुधवार को कार्यक्रम के बाद इसकी सफलता पर बहस होगी, लेकिन फिलहाल तैयारी देखने लायक है। बाकायदा सभी जिलों से आ रही गाड़ियों को रूट मैप दिया गया है। ऐसा रूट मैप जो उनके जिले से पटना पहुंचने और पार्किंग स्थल होकर सभा स्थल पहुंचने तक की जानकारी दे रहा है। भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर, बांका, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा और मुंगेर की गाड़ियों को चितकोहरा साईं मंदिर मैदान में रुकने का निर्देश दिया गया है। यहीं इन गाड़ियों में आए लोगों के खान-पान की भी व्यवस्था रखी गई है। गया, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद की गाड़ियां अनीसाबाद के राम लिखन सिंह यादव कॉलेज में ठहराई जाएंगी, जबकि इनमें आए लोगों को खाने के लिए साईं मंदिर मैदान में जाना होगा। नवादा, नालंदा, बेगुसराय, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया की गाड़ियां गर्दनीबाग स्थित पटना हाई स्कूल में ठहराई जाएंगी और इनमें आए लोगों के खान-पान की व्यवस्था भी यहीं होगी। इन सभी जगहों से लोग पैदल सभा स्थल तक जाएंगे और रास्ते में मार्ग-प्रदर्शक भी होंगे।वैशाली, सारण, सीवान, गोपालगंज, पश्चिम-पूर्वी चंपारण की गाड़ियां जेपी सेतु से आएंगी और उससे उतरते ही तीन फूड स्टॉल पर इनके खाने-पीने की व्यवस्था रहेगी। भोजन के बाद बसें मरीन ड्राइव होकर अटल पथ आएंगी और आर. ब्लॉक गोलंबर पर ठहर जाएंगी। यहां से लोग पैदल वेटनरी कॉलेज जाएंगे। अक्षम लोगों के लिए गाड़ी की व्यवस्था भी रखी गई है। समस्तीपुर, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर और शिवहर से आने वाली बसें गांधी सेतु से आकर भी अटल पथ पर जाएंगी और उसी तरह भोजन कराने के बाद आर. ब्लॉक तक पहुंचाकर लौट जाएंगी।

वायुसेना को ...

जिसके बाद आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देते हुए रक्षा मंत्रालय ने सुखोई विमानों के लिए 240 एएल-31एफपी एयरो इंजन का कॉन्ट्रैक्ट 9 सितंबर 2024 को एचएएल को सौंपा था, जिसके तहत ये इंजन आठ साल में डिलीवर किए जाने हैं। हर साल 30 इंजन डिलीवर किए जाएंगे। सुखोई के इन इंजनों को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के सुखोई इंजन डिवीजन, कोरापुट में बनाया जा रहा है। सुखोई के एएल-31एफपी एयरो इंजनों को पूरी तरह से यहीं तैयार किया जा रहा है। इन इंजनों में 54 फीसदी से अधिक स्वदेश में ही बने कंपोनेंट्स लगाए गए हैं, और धीरे-धीरे इन्हें बढ़ा कर 63 फीसदी किया जाएगा।

भारतीय वायुसेना में इस समय फाइटर जेट्स के स्क्वाड्रन की कमी है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 31 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, और अगले डेढ़ दशक में इसके अधिकांश स्क्वाड्रन फेज-आउट हो जाएंगे। जबकि भारत को 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। मिग-21 बाइसन और मिग-29 के स्क्वाड्रन क्रमशः 2025 और 2035 तक चरणबद्ध तरीके से रिटायर हो जाएंगे। 2019 में पाकिस्तान के खिलाफ बालाकोट स्ट्राइक करने वाले फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों मिराज-2000 भी 2035 तक रिटायर कर दिए जाएंगे।

वायुसेना पहले ही तेजस एमके-1ए की डिलीवरी में हो रही देरी की समस्या से भी जूझ रही है। ट्विन इंजन वाले 260 सुखोई भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ हैं। इनमें से ज्यादातर का निर्माण एचएएल ने रूस से लाइसेंस के तहत 12 अरब डॉलर से अधिक में किया है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना एचएएल से 1.3 बिलियन डॉलर में 12 नए सुखोई-30 भी खरीद रही है, जिसके समझौते पर दस्तखत पिछले साल सितंबर 2023 में किए गए थे। ये 12 नए सुखोई जल्द ही दुर्घटनाग्रस्त हुए विमानों की जगह लेंगे।

इस साल फरवरी में ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों (सीसीएस) ने भारतीय वायुसेना के बेड़े में मौजूद लगभग 60 मिग-29 लड़ाकू विमानों के लिए 5,300 करोड़ रुपए की लागत से नए इंजनों को भी मंजूरी दी थी, जिनका निर्माण भी एचएएल रूस के सहयोग से करेगा। बता दें कि भारत सालों से जरूरी थ्रस्ट-टू-वेट रेशियो के साथ फाइटर जेट्स के लिए स्वदेशी एयरो-इंजन का प्रोडक्शन करने में फेल रहा है। वहीं भारतीय वायुसेना अब लागत कम करने और स्वदेशी कंपोनेंट्स को बढ़ाने के लिए छोटी-छोटी संख्या की बजाय बड़ी मात्रा में एयरो-इंजन का ऑर्डर दे रही है। किसी भी फाइटर जेट के जीवनकाल में कम से कम दो से तीन बार इंजन बदलने की जरूरत होती है।

खास बात यह है कि भारत जहां सुखोई-30 के लिए अभी भी एएल-31एफपी इंजन पर ही भरोसा कर रहा है, तो वहीं रूस अपने एसयू-30एसएम फाइटर जेट्स के लिए नए और अधिक शक्तिशाली एएल-41एफएस इंजन के साथ अपग्रेड कर रहा है। हालांकि भारत भी भारत भी अपने सुखोई को अपग्रेड करने की योजना पर काम कर रहा है, लेकिन इसमें सुखोई एवियोनिक्स, रडार और मिशन कंप्यूटर को अपग्रेड किया जाएगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 84 सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की पहली खेप को अपग्रेड करने की मंजूरी मिल चुकी है। सुखोई के अपग्रेड की लागत प्रति जहाज लगभग 130-140 करोड़ रुपए के आसपास होगी।एचएएल अपनी नासिक फैसिलिटी में इन लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करेगा। एचएएल का नासिक डिवीजन पहले ही सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमानों की ओवरहालिंग कर चुका है। इस अपग्रेडेशन प्रोसेस से सुखोई-30एमकेआई फाइटर जेट्स की लाइफ बढ़ जाएगी, और ये 2055 तक काम करते रहेंगे। वहीं, सभी 84 जेटों के अपग्रेड्स के पूरा होने में आठ साल का लंबा वक्त लग सकता है। इन अपग्रेडेशन के बाद सुखोई-30 रूसी जेट नहीं रह जाएगा, बल्कि 78 फीसदी स्वदेशी सामग्री वाला भारतीय फाइटर जेट बन जाएगा।

इन अपग्रेड्स से पूरी दुनिया में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का रुतबा भी बढ़ेगा। इससे एचएएल के लिए नया बाजार भी बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के बाद सुखोई जेट के अपग्रेडेशन, साथ मिल कर बनाने और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए रूस ने सहमति दे दी है। दुनिया भर में 600 से ज़्यादा सुखोई 27/30 फाइटर जेट बनाए जा चुके हैं। वियतनाम, मलेशिया, आर्मेनिया, इंडोनेशिया और अल्जीरिया जैसे देशों के पास सुखोई फाइटर जेट्स हैं। सुखोई में इन अपग्रेडेशन से ये देश भी भारत का रुख करेंगे। आर्मेनिया भी अपने सुखोई-30 को एवियोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरण और हथियारों से अपग्रेड करना चाहता है। वह भारत से बियोंड द विजुअल रेंज एस्ट्रा एमके-1 एयर-टू-एयर मिसाइलें खरीद कर सुखोई-30 में लगाना चाहता है।

भारत में ...

उसी समय पुलिस की एक टीम आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची। पूछताछ करने के बाद सिद्दीकी ने अपनी शर्मा नाम की पहचान बताई और बताया कि वह साल 2018 से बेंगलुरु में रह रहा है। इतना ही नहीं उसने परिवार के भारतीय पासपोर्ट और आधार कार्ड भी दिखाए। इसमें सभी के नाम हिंदू थे। पुलिस उस समय दंग रह गई जब वे घर में घुसी तो दीवार पर मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल जशन-ए-यूनुस लिखा हुआ था। पुलिस टीम को इस्लामिक मौलवियों की तस्वीरें भी मिलीं।पुलिस ने जब आरोपी से पूछताछ की तो सिद्दीकी उर्फ शंकर शर्मा ने बताया कि वे पाकिस्तान के कराची के लियाकताबाद से है। उसकी पत्नी और उनका परिवार लाहौर से था। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2011 में एक ऑनलाइन समारोह में आयशा से शादी की थी। वह अपने माता-पिता के साथ बांग्लादेश में थी। हालांकि, अपने देश में धार्मिक नेताओं को सताए जाने के बाद उन्हें पाकिस्तान से बांग्लादेश जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।एफआईआर के मुताबिक, वह बांग्लादेश चले गए और यहां पर एक उपदेशक के तौर पर काम किया और मेहदी फाउंडेशन ने उनके खर्चों को उठाया। लेकिन 2014 में सिद्दीकी पर बांग्लादेश में फिर हमला हुआ और उसने भारत में मेहदी फाउंडेशन के परवेज नाम के शख्स से कॉन्टेक्ट किया। सिद्दीकी अपनी पत्नी, सास-ससुर और रिश्तेदारों जैनबी नूर और मोहम्मद यासीन के साथ एजेंटों के जरिए मालदा के रास्ते बांग्लादेश से भारत आए। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, वह शुरुआत में दिल्ली में रहते थे और शर्मा नाम से फर्जी आधार कार्ड, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस हासिल किया सिद्दीकी दिल्ली में मेहदी फाउंडेशन की तरफ से प्रचार करता था।

2018 में सिद्दीकी ने नेपाल की यात्रा की थी। उसने बेंगलुरु के रहने वाले वसीम और अल्ताफ से मिलने के बाद बेंगलुरु शिफ्ट होने का फैसला किया। उन्होंने उसे उस शहर में प्रचार करने के लिए कहा। अल्ताफ ने किराए का खर्च उठाया और मेहदी फाउंडेशन ने उसे अलरा टीवी पर अपने शो के लिए भुगतान किया। यहां पर उसने इस्लाम का प्रचार किया। सिद्दीकी के ससुराल वालों ने बेंगलुरु में बैंक अकाउंट भी खोले थे। पुलिस ने आईपीसी की धारा 420, 468 और 471 के तहत केस दर्ज किया है।मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल यूनुस अलगोहर के विचारों को बढ़ावा देता है। उन्हें आध्यात्मिक गुरु और सूफीवाद का कट्टर प्रचारक माना जाता है। यह संगठन सूफीवाद को बढ़ावा देकर मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में भी लगा हुआ है। हालांकि, पाकिस्तान समेत कई सारे मुस्लिम देशों में मेहदी फाउंडेशन के सदस्यों को धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है।

अलरा टीवी एक यूट्यूब चैनल सूफीवाद की वकालत करता है।इस कथित शर्मा परिवार को लेकर कई सवाल लोगों के मन में है। कथित शर्मा परिवार के चार लोगों में राशिद अली सिद्दीकी (48), उसकी पत्नी आयशा (38), पिता हनीफ मोहम्मद (73) और मां रुबीना (61) शामिल हैं। ये सभी लोग 2014 से अवैध रूप से राजपुरा गांव में रह रहे थे। ये लोग शंकर शर्मा, आशा रानी, राम बाबू शर्मा और रानी शर्मा के नाम से रह रहे थे और इन्होंने नकली पासपोर्ट और आधार कार्ड बनवा रखे थे। राशिद अली सिद्दीकी एक ऑनलाइन फूड आउटलेट चला रहा था और गैरेज को इंजन ऑयल भी सप्लाई करता था।

इन चारों ने बेंगलुरु पुलिस को बताया है कि वे सभी लोग मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल (एमएफआई) से जुड़े हैं और इस वजह से उन्हें पड़ोसी मुल्क में उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। इसलिए इस बारे में बात करना और समझना जरूरी होगा कि एमफआई क्या है। यह निश्चित रूप से हैरान करने वाली बात है कि इस्लामिक मुल्क पाकिस्तान में एक मुस्लिम परिवार को धार्मिक उत्पीड़न का सामना क्यों करना पड़ा?

मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल को मसीहा फाउंडेशन के नाम से भी जाना जाता है। 1970 में यह फाउंडेशन पाकिस्तान में शुरू हुई थी और शुरुआत में इसका नाम रियाज गौहर शाही इंटरनेशनल था। इसके संस्थापक रियाज अहमद गौहर शाही थे और उनकी पाकिस्तान में एक आध्यात्मिक नेता के रूप में पहचान थी। 2002 में रियाज गौहर शाही इंटरनेशनल को मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल का नाम दे दिया गया। एमएफआई कहता है कि वह शांति, सद्भाव और मानवता की बात करता है। एमएफआई इस बात का दावा करता है कि उसके समर्थक कई एशियाई देशों के साथ ही यूरोप और अमेरिका में भी हैं।

पाकिस्तानी नागरिक और एमएफआई के अध्यक्ष अमजद गौहर ने बताया कि जब परवेज मुशर्रफ पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने तो उनके संगठन के सदस्यों पर सैकड़ों मुकदमे दर्ज करा दिए गए और कई लोगों की हत्या भी कर दी गई। अमजद का कहना है कि पाकिस्तान के इस्लामी मौलवियों को गौहर शाही के विचारों से परेशानी थी। एमएफआई का मानना है कि ईश्वर की नजर में सभी लोग बराबर हैं लेकिन मौलवी इसके खिलाफ हैं। अमजद कहते हैं कि जब भी उन्होंने इस्लाम के बारे में सवाल उठाने की कोशिश की तो पाकिस्तान में इसे अपराध माना गया। अमजद के खिलाफ ही पाकिस्तान में एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज कर दिए गए। एमएफआई से जुड़े कई लोगों को ईशनिंदा के मामलों में दोषी करार दिया गया है, जहां उन्हें 99 साल की जेल और मौत की सजा भी मिली है।एमएफआई के सदस्यों पर ईशनिंदा के मुकदमे भी दर्ज हुए। पाकिस्तान की सरकार ने गौहर शाही के द्वारा लिखी गई किताबों पर बैन लगा दिया और एमएफआई को आतंकवाद निरोधी कानून के तहत अवैध संगठन घोषित कर दिया। अमजद ने बताया कि उनके खिलाफ पाकिस्तान में एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं और अब वह कभी उस देश में नहीं लौटेंगे। गौहर शाही और मेहदी फाउंडेशन पर आरोप है कि वे लोग ऐसी शिक्षाएं दे रहे हैं जो इस्लाम के खिलाफ हैं। उन पर यह भी आरोप है कि वे मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं और इस्लामिक सिद्धांतों का अपमान कर रहे हैं।

हालात यहां तक खराब हैं कि गौहर शाही के खिलाफ उन्हें काफिर बताने वाले फतवे तक जारी कर दिए गए। 2000 के मध्य में एमएफआई के पांच सदस्यों को पाकिस्तान में नग्न अवस्था में परेड करके घुमाया गया और कई लोगों की हत्याएं हुई। मौजूदा वक्त में एमएफआई पाकिस्तान में सक्रिय नहीं है। वहां की सरकार ने इसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी बैन लगा दिया है। पाकिस्तान में हो रहे धार्मिक उत्पीड़न और जुल्म के बाद इस संगठन के कई सदस्य बांग्लादेश और भारत जाने को मजबूर हो गए। साल 2007 में एमएफआई से जुड़े 63 पाकिस्तानियों को भारत ने टूरिस्ट वीजा दिया और जब वे इसके जरिए दिल्ली पहुंचे तो उन्होंने पाकिस्तानी दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन किया और अपने पाकिस्तानी पासपोर्ट और वीजा को जला दिया। क्योंकि वे भारत में अवैध रूप से रह रहे थे इसलिए उन्हें गिरफ्तार भी किया गया लेकिन 2011 में सरकार ने उन्हें शरणार्थी का दर्जा दिया और कनाडा, अमेरिका और यूरोप भेज दिया।

100 एकड़ जंगल...

सरकार के 9 लाख से अधिक रुपए की राशि खर्च की गई है। 25 अप्रैल 2022 को इस सड़क का निर्माण का कार्य शुरू किया गया था।जंगल की जमीन हड़प कर भवन निर्माण व सड़क के साथ-साथ यहां राज्य सरकार के मत्स्य व कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से व सरकारी राशि के सहायता से वहां बड़े तालाबों का भी खनन किया गया है। इस्लाम नगर के नाम दिये गये इस इलाकों में बड़े भवनों के साथ साथ गोदाम घर भी बनाया गया है। बिजली विभाग द्वारा इस इलाके में बड़े-बड़े ट्रांसफार्मर भी लगाए गए हैं। इलाके में जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर भी खड़े नजर आ रहे हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं से पैसे लेकर यहां निर्माण कार्य किया गया है। इस कारण प्रशासन के मिलीभगत से ही यह पूरा षड़यंत्र रचे जाने की बात सामने आ रही है ।

आरोप है कि बीजू जनता दल के शासन के दौरान यह कार्य हुआ। सरकार और प्रशासन की जानकारी और उनकी मिलीभगत से गैर कानूनी तरीके से जंगल जमीन को हड़प कर इस्लाम नगर बसाया गया। इस भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर सरकारी अधिकारियों की बातों में किसी प्रकार की समानता नहीं है। स्थानीय तहसीलदार इसे संरक्षित जंगल बता रहे हैं, जबकि स्थानीय वन विभाग के रेंजर इसे राजस्व जंगल बता रहे हैं। गैर कानूनी कब्जे को हटाने की जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। राज्य सरकार ने मामले की जांच का आदेश दे दिया है।

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 02 अक्टूबर, 2024

राजभाषा के विकास में सांस्कृतिक गतिविधियां आवश्यक हैं : अनुराग कुमार

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम, हैदराबाद में अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 168वीं बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। कॉरपोरेशन के प्रबंधक (राजभाषा) तथा प्रभारी, राजभाषा अनुभाग डॉ. राजन-ारायण अवस्थी ने राजभाषा कार्यान्वयन के प्रमुख बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण दिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन एक राष्ट्रीय दायित्व का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इसके संवैधानिक प्रावधानों एवं राजभाषा नीति संबंधी विभिन्न दिशा-निर्देशों का अनुपालन करना अनिवार्य है। इसके लिए राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। राजभाषा के विकास में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। भाषा एवं संस्कृति एक दूसरे के संपूरक हैं। इसके लिए ईसीआईएल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राजभाषा के विकास में प्रादेशिक भाषाओं का भी अध्ययन करना चाहिए। इसके लिए स्थानीय स्तर पर हिन्दी एवं प्रादेशिक भाषा के संप्रेषण कौशल को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए। राष्ट्र की सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए भारत के संविधान में विनिर्दिष्ट समस्त भाषाओं के प्रमुख शब्दों का समावेश करना आवश्यक है। कॉरपोरेशन के सभी आंचलिक कार्यालयों का निरीक्षण एवं उसकी समीक्षा अत्यंत आवश्यक है। आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा नीति एवं विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के सदस्यों को कॉरपोरेशन के आंचलिक कार्यालयों का नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में समीक्षा के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल के मुख्यालय तथा आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन के प्रगामी प्रयोग की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि ईसीआईएल के राजभाषा कार्यान्वयन को अखिल भारतीय स्तर पर एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाए। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि आगामी तीन वर्षों के लिए कॉरपोरेशन में राजभाषा कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाए। समीक्षा के अनुसरण में प्रबंधक (राजभाषा) ने भी सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपना अधिक से अधिक सरकारी काम हिन्दी में करें। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सभी सदस्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्यों ने राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए अपने-अपने विचार रखे। बैठक की समापन टिप्पणी में अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी संकल्प में समय प्रबंधन, योजना तथा निरंतर समीक्षा का समन्वय होगा तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी। इस कार्यक्रम में डॉ. सीएच. अंबेडकर, वी.कनका महालक्ष्मी, कनिष्ठा हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक द्वारा ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को 52वें रामायण मेले का दिया निमंत्रण

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामायण मेला 2024 के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी ने 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक को होने वाले रामायण मेले में दशहरे के अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने तथा श्रीराम जी के राज्याभिषेक में सम्मिलित होने के लिए निवेदन किया।

इस अवसर पर गिरधारी लाल डागा मनोज जायसवाल उपस्थित रहे। बंडारू दत्तात्रेय ने दशहरे के दिन आने तथा श्री राम जी के राज्याभिषेक के उपस्थित होने की स्वीकृति दी।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोलकाता के धन धन्य ऑडिटोरियम में पिछले दिनों हैदराबाद निवासी समाजसेवी डॉ. अजय कुमार अग्रवाल को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। जनसंपर्क और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। कई अन्य हस्तियों को भी इस मौके पर पुरस्कृत और सम्मानित किया गया।समारोह में मुख्य अतिथि आचार्य पूज्य मुनि जिनेश कुमार, अमित वर्मा, आईपीएस, डॉ. धनवंतरी तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आईएमए और कई अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे। इस अवसर पर भारत को विश्व गुरु बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

हेडा स्कूल में स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउडेशन द्वारा मंगलवार को चादरघाट स्थित हेडा स्कूल में स्टेशनरी किट का वितरण किया गया।

इस बाबत जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में फाउण्डेशन के कोषाध्यक्ष तोरल जागीरदार ने बताया कि चादरघाट स्थित ज्ञानकुमारी हेडा मोडल हाईस्कूल में 240 छात्राओ को स्टेशनरी किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप में प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउण्डेशन की संस्थापक अध्यक्षा जया जागीरदार, उपाध्यक्ष पारस जागीरदार, मंत्री रिद्धीश जागीरदार, कार्यकारीणी सदस्या धारीणी जागीरदार, लक्ष जागीरदार आदि ने भाग लिया। अवसर पर स्कुल की अध्यापिका एम. विजयलक्ष्मी, ए. अन्नपूर्णा, रश्मी देशपांडे, स्कूल की छात्राएं उपस्थित रहीं। स्टेशनरी किट में कम्पास बॉक्स, पेंसिल, रबर, शार्पनर, करचीफ, पाउच आदि का वितरण किया गया।

जया जागीरदार ने इस अवसर पर बताया कि संस्था द्वारा विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमो का आयोजन करती है। जिसमें जरूरतमंदो की सहायता करना मुख्य है। संस्था विगत कई वर्षों से दशहरा, दीपावली क्रीसमल एवं रमजान ही नहीं बल्की भारत मे मनाये जाने वाले सभी त्योहार व पर्व के अवसर पर भी विभिन्न क्षेत्रों में नि:शुल्क पोशाक, कम्बल, भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है।

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि संस्था का यही उद्देश्य है कि जब हम त्यौहार के मौको पर नये कपडे खरीदते है तो हमे उन नि:सहाय एवं जरूरतमंदो लोगों का भी खयाल रखना चाहिये, जो ऐसा नहीं कर सकते है। उन्होने आगे कहा कि पिछले करीब 16 वर्षों से विभिन्न अवसर पर शहर के स्कुलो मे स्टेशनरी कीट, किताबो आदि का वितरण किया जाता है। स्कुल की अध्यापिका रश्मी देशपांडे ने इस अवसर पर कहा कि जागीरदार फाउण्डेशन द्वारा किये जा रहे कार्य नि:संदेह प्रशंसनीय है। अन्य संस्थाओं को भी आगे आकर इस प्रकार के कार्यो को बडे पैमाने पर आयोजित करना चाहिये। संस्था विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यक्रमो को बढावा दे रही है जो की नि:संदेह एक हर्ष का विषय है।

श्री अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा कल

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5148वी जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा तथा क्वालिटी लाइफ़स्टाइल अपार्टमेंट सैदाबाद के तत्वावधान से अग्रसेन महाराज शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह शोभायात्रा 3 अक्टूबर को प्रातः 8.01 बजे क्वालिटी लाइफ़ स्टाइल अपार्टमेंट्स, सैदाबाद से प्रारंभ होकर मलकपेट के विभिन्न मार्गों से गुज़रते हुए 10:30 बजे पुनः क्वालिटी लाइफ़ स्टाइल अपार्टमेंट, सैदाबाद पहुँचेगी।

सभा में सभी अग्र बंधुओं से नम्र निवेदन किया है कि इस अवसर पर उपस्थित होकर श्री अग्रसेनजी महाराज का आशीर्वाद तथा प्रसाद का लाभ लें। अवसर पर अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, मंत्री प्रदीप बंसल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, सुरेश पटवारी, हरिश्चंद्र बजाज,क्वालिटी लाइफ़ स्टाइल अपार्टमेंट से सुनील, नवीन अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुरेश गोयल हरीश संघी आदि उपस्थित थे।

सिडबी ने मनाया स्वच्छता पखवाड़ा

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर स्वच्छता ही सेवा के नारे और स्वभाव स्वच्छता -संस्कार स्वच्छता के ध्येय के साथ 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सिडबी हैदराबाद कार्यालय द्वारा भी स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। हैदराबाद कार्यालय में कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय महाप्रबंधक वी. चंद्रमौली ने किया और सभी अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों को स्वच्छता शपथ दिलाई। बैंक के कार्यालय तथा अधिकारी निवास और उनके आसपास सफाई की गई तथा पौधरोपण किया गया। इन गतिविधियों में अधिकारियों के परिवारों ने भी हिस्सा लिया। साथ ही स्वच्छता पखवाड़े के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित भी किया गया। महाप्रबंधक सहित सिडबी के अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों ने जिला परिषद हाई स्कूल, चिन्नामंगलारम गांव, मोइनाबाद और एसओएस चिल्ड्रन विलेज के विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों और आसपास के ग्रामीणों को स्वच्छता शपथ दिलाई और पौधरोपण किया। साथ ही, विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों और ग्रामीणों को रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल का महत्व बताया। स्कूलों और गांव के लोगों को सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने के लिए अलग-अलग रंग के कचरे के डिब्बों का वितरण किया गया। गांव में घर-घर जाकर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही,एसओएस चिल्ड्रन विलेज के बच्चों के लिए स्वच्छता जागरूकता पेंटिंग और प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

नरसिंगदास गोयल की स्मृति में किया अन्नदान

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप भाग्यनगर के सौजन्य से जारी नित्य अन्नदान कार्यक्रम में मंगलवार को पब्लिक गार्डन, गेट नंबर-1, पर जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार करवाया गया। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पितृ पक्ष की चतुर्दशी के अवसर पर स्वर्गीय नरसिंग दास गोयल (फर्म: श्री प्रभातीलालजी नरसिंगदासजी गोयल, मैसर्स भवानी फार्मा, इंदरबाग, भाग्यनगर (हैदराबाद) द्वारा किया गया। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल ,सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुशील गुप्ता, संजय अग्रवाल, डॉ चंद्रकला, दीपा,रोहित अग्रवाल, अभिमन्यु अग्रवाल, ललिता गोयल, कृष्णा गोयल, शिल्पा गोयल एवं प्रथम गोयल उपस्थित थे।

राज्यपाल जिष्णु देव ने बतुकम्मा उत्सव के अवसर पर तेलंगाना के लोगों को दी शुभकामनाएं

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 2 अक्टूबर से शुरू होने वाले बतुकम्मा उत्सव के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा, बतुकम्मा के शुभ अवसर पर मैं तेलंगाना की सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। बतुकम्मा, प्रकृति से गहराई से जुड़ा हुआ त्योहार, जीवन और स्त्री ऊर्जा का एक पवित्र उत्सव है। यह तेलंगाना की महिलाओं की भक्ति की एक जीवंत अभिव्यक्ति है, जो अपनी रचनात्मकता और प्रार्थनाओं के माध्यम से देवी गौरी

के दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करती हैं। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि सुंदर बतुकम्मा व्यवस्था को तैयार करने के लिए उपयोग किए जाने वाले रंगीन जंगली फूल प्रकृति का उपहार हैं, जो औषधीय गुणों से संपन्न हैं जो मानसून की बारिश से भरे जल निकायों को शुद्ध करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि ये पुष्प रचनाएँ प्रकृति और जीवन के बीच सामंजस्य का प्रतीक हैं। बतुकम्मा परिवारों के लिए एक साथ आने का समय है क्योंकि बेटियां नौ दिवसीय उत्सव में भाग लेने के लिए अपने पैतृक घरों में लौटती हैं, प्रार्थना करती हैं और देवी गौरी के सम्मान में गीत गाती हैं। यह त्यौहार तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के लिए एक गौरवपूर्ण श्रद्धांजलि है, जो भक्ति, एकता और नारीत्व की पोषण भावना का प्रतीक है।

एक संस्कृत श्लोक का हवाला देते हुए, राज्यपाल ने देवी के आशीर्वाद का आह्वान किया: ॐ सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते।। (देवी नारायणी को नमस्कार, जो शुभ है, सभी शुभताओं का स्रोत है, जो समृद्धि प्रदान करती है, सभी इच्छाओं को पूरा करती है और अपनी शरण में आने वालों की रक्षा करती है।)

उन्होंने सभी को हर्षोल्लासपूर्ण और जीवंत बतुकम्मा की शुभकामनाएं देते हुए अपना संदेश समाप्त किया। राज्यपाल ने कहा, मां गौरी का दिव्य आशीर्वाद हमारे जीवन को स्वास्थ्य, खुशी और समृद्धि से भर दे। मैं आप सभी को बथुकम्मा उत्सव की शुभकामनाएं देता हूं।

सिकंदराबाद तेरापंथ भवन ने प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष का शुभारंभ

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रेक्षावाहिनी सिकंदराबाद एवं प्रेक्षावाहिनी हिमायतनगर के अंर्तगत डी.वी.कॉलोनी तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में शासन श्री साध्वी श्री शिवमालाजी आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष का शुभारंभ हुआ।

प्रेक्षाध्यान गीत का संगान प्रेक्षा प्रशिक्षिकाओं, संवाहकों, सह संवाहक एवं प्रेक्षा साधकों द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। प्रेक्षाध्यान शिविर ऑनलाइन कार्यशाला की जानकारी और प्रेक्षा मेडिटेशन एप के बारे में साउथ जोन की ऑफलाइन कोर्डिनेटर प्रेक्षा प्रशिक्षिका डिंपल बैद ने दी। प्रेक्षाध्यान पर शासन श्री साध्वी श्री शिवमालाजी का प्रभावी प्रवचन हुआ। साध्वी अमितरेखा जी ने प्रेक्षा ध्यान व ध्यान की महत्ता पर अपने विचार प्रकट किए। साध्वी अर्हमप्रभा जी ने ध्यान कैसे करें व ध्यान में आलंबन किसका लेना चाहिए इस विषय पर बताया। महासभा प्रभारी लक्ष्मीपतजी बैद ने प्रेक्षाध्यान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन प्रेक्षावाहिनी हिमायतनगर की संवाहक प्रेम संचेती ने किया। आभार ज्ञापन प्रेक्षा प्रशिक्षिका पूजा पटावरी ने किया।

दमरे ने शुरू किया स्वच्छता पखवाड़ा अभियान

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मंगलवार 01 अक्टूबर को स्वच्छता शपथ लेकर स्वच्छता पखवाड़ा अभियान शुरू किया। इस वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़ा क्रमिक रूप से स्वच्छता ही सेवा अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 15 से 30 सितंबर स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम के साथ आयोजित किया गया है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस मनाया जाएगा।.

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान, भारतीय रेलवे की एक प्रमुख पहल है, जो अपने नेटवर्क में ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों और उत्पादन इकाइयों को शामिल करने के लिए रेलवे स्टेशनों से परे अपनी पहुंच बढ़ाती है। 2014 से यह पाक्षिक अभियान स्वच्छ भारत मिशन का एक प्रमुख घटक रहा है। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान, दक्षिण मध्य रेलवे स्वच्छ स्टेशनों, ट्रेनों, पटरियों, कॉलोनियों, कार्यालय परिसरों, जन जागरूकता कार्यक्रमों आदि को सुनिश्चित करने के निर्देशों के अनुसार विशेष अभियान और स्वच्छता अभियान पहल आयोजित करेगा। गतिविधियों को सच्ची भावना के साथ शुरू किया जाएगा। सभी हितधारकों को विभिन्न रेलवे प्रतिष्ठानों जैसे स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं, रखरखाव डिपो, अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों, कॉलोनियों और ट्रेनों में स्वच्छता पर एक स्पष्ट प्रभाव डालने की दिशा में काम करना चाहिए।स्वच्छता ही सेवा अभियान का उद्देश्य जनता, रेल उपयोगकर्ताओं और रेलवे बिरादरी के बीच स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत मिशन के महत्व पर जागरूकता लाना है। लोगों को साफ-सफाई की अच्छी आदतों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ लेने और स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह दी। उन्होंने कर्मचारियों को परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों को स्वच्छ भारत मिशन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की भी सलाह दी। महाप्रबंधक ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक दिन की गतिविधि नहीं है, बल्कि इसे हर दिन अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने का प्रयास करना चाहिए, चाहे वह घर पर हो या कार्यस्थल पर।

अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोगों की मौत, तीन घायल

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में सोमवार देर रात दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पहली घटना आदिलाबाद जिले के गुडीहाथनूर मंडल के मेकलागंडी में हुई, जहां राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई, जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए आदिलाबाद के रिम्स अस्पताल ले जाया गया। मृतकों की पहचान आदिलाबाद के निवासी मोइज़ (60), खाज़ा मोहिद्दीन (40), उस्मानुद्दीन (10) और अली (08) के रूप में हुई है। एक अन्य दुर्घटना सूर्यापेट जिले के चिलुकुरु मंडल के एमआईटीएस कॉलेज के पास हुई, जहां एक ट्रक से दोपहिया वाहन की टक्कर होने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय पीड़ित सूर्यापेट जिले के कोडाद से नलगोंडा जिले के त्रिबुराम मंडल के गुंटिपल्ली अन्नाराम जा रहे थे। मृतकों की पहचान एम दिनेश (22), वी वामशी (22) और अभिरल्ला श्रीकांत (21) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि संबंधित पुलिस थानों में दोनों मामले दर्ज कर लिए गए हैं और जांच जारी है।

सोमान्श शर्मा (सुपुत्र : आशीष-कोमल शर्मा) को सिंगापूर और मलेशिया के लिए पहली शैक्षिक यात्रा करने के लिए बधाई देते हुए परिवारगण।

शमशीरगंज स्थित श्री आदिनाथ विट्ठल मंदिर में विजय ग्रंथ समाप्ती समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि संगीता जी, शंकरनायक, डी. शंकर। साथ में हैं मंदिर समिति के सदस्य सचिन, प्रशांत बिरादर, अजय, अरुण दिलिप, मनोहर, दिलिप मुलगे, उमेश पाटिल, रघुनाथ शिवाजी, पंडीनाथ, सागर संगमेश।

दमरे महाप्रबंधक अरुण जैन ने रेल परिचालन पर की सुरक्षा की समीक्षा

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, दमरे और प्रमुख प्रमुखों के साथ पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक समीक्षा बैठक की। विभागों के सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

महाप्रबंधक ने सितंबर, 2024 महीने के दौरान अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा किए गए लगभग 1200 सुरक्षा निरीक्षणों के सारांश की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई किसी भी कमी और परिसंपत्ति विफलताओं की घटनाओं को जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को अधिकारी एवं पर्यवेक्षक स्तर पर प्रतिमाह निरीक्षणों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने प्रक्रियाओं के अनुसार फील्ड स्तर के कर्मचारियों द्वारा सभी सुरक्षा संबंधी रजिस्टरों और रिकॉर्डों के रखरखाव को सुनिश्चित करने और ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित कार्यप्रथाओं का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता को दोहराया।अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी वस्तुओं जैसे सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग वस्तुओं और सुरक्षा से संबंधित स्टेशन संपत्तियों आदि की उपलब्धता और कामकाज पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने चालक दल के काम के घंटों में सुधार की सराहना की और अधिकारियों को चालक दल के सदस्यों को उचित आराम सुनिश्चित करने के लिए इसे बनाए रखने की सलाह दी।

सॉलफुल थ्रेड्स द्वारा आयोजित पोचमपल्ली इक्कत प्रदर्शनी का उद्घान करती हुई प्रमुख समाजसेविका जया रमेश जागीरदार। साथ में जयंती कनन, गीता शाह, मीरा सुरेश, हंसकुमार शाह, रिद्धीश जागीरदार, संयोजिका दीप्ति शाह एवं अन्य।

बच्चों के चेहरे पर खुशी सुकून देती है : किशन अग्रवाल

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी स्कूल के बच्चों को अपने खर्चे से कई वर्षों से पिकनिक पर ले जाने वाले नगरद्वय के प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी किशन अग्रवाल का कहना है कि बच्चों के चेहरे पर खुशी देखकर मन को बड़ा सुकून मिलता है। सोमवार को गर्वमेंट हाई स्कूल, अड्डागुट्टा के विद्यार्थियों को मेडचल स्थित ढोला-री-ढाणी की सैर करवाई गई। कार्यक्रम के आयोजक किशन अग्रवाल ने उत्काशय की जानकारी देते हुए कहा कि सरकारी स्कूल के बच्चों का मन भी अन्य स्कूल में पढने वालों के जैसा ही होता है। वो भी घूमना फिरना, खेलकूद एवं मनोरंजन करना चाहते है परंतु परिवार की आर्थिक स्थित के कारण वो ऐसा नहीं कर पाते इसलिए हमने सरकारी स्कूल में पढने वाले बच्चों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए हर माह एक सरकारी विद्यालय के बच्चों को पिकनिक करवा रहे हैं। ताकि वो हीन भावना से ग्रसित न हो। कार्यक्रम में बच्चो के लिए कई प्रकार की खेल प्रतियोगिता करवाई गई।

लोढा सनतनगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विजेताओं को पौधे देकर पुरस्कृत किया गया। अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता, नीति, अंजू, रामदेव व अन्य।

शुभ लाभ -Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, PUNJARA RAMILABEN spouse of Service No.15231054Y Nk KHANT JAYANTIBHAI CHIMANBHAI, R/o.Vill:Koyaliya, Post:Satarda, Dist:Arvalli, Gujarat-383345 have changed my name from **PUNJARA RAMILABEN** to **KHANT RAMILABEN JAYANTIBHAI** vide affidavit dt:1-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, A VANITHA Spouse of Service No. 14648615W Hav ANGA RAMA RAO R/o. Qtr No.2858/E, Chandimandir Cantt, Panchkula Dist, Haryana-134107 have changed my name from **A VANITHA** to **ANGA VANITHA** vide Affidavit dt:1-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, A KARUPAYEE Mother of Service No. 2616032W Sep RAJESH A, R/o.1/4, East Street, MuthunagayapuranVill, PeraiyurTaluk, Periyapoolampatti Post, Madurai Dist, Tamilnadu-625703 have changed my name & DOB from **A KARUPAYEE**, DOB:**09-11-1968** to **KARUPAYEE**, DOB:**10-5-1968** vide affidavit dt:1-10-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, A AYYANAN father of Service No. 2616032W Sep RAJESH A, R/o.1/4, East Street, MuthunagayapuramVill, PeraiyurTaluk, Periyapoolampatti Post, Madurai Dist, Tamilnadu-625703 have changed my name and DOB from **A AYYANAN**, DOB:**06-06-1963** to **AYYANAN K**, DOB:**01-07-1962** vide affidavit dt:1-10-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, RUPALI DASHARATH, Legally Wedded Spouse of JC 774646M, Sub Phadatare Santosh Gulabrao, of Unit/Regt: MCEME, Secunderabad, R/o. Village: Sawantwadi, Post: Upalave, Tehsil: Phaltan, District: Satara, Maharashtra-415523, have changed my name from RUPALI DASHARATH to PHADATARE RUPALI SANTOSH, DOB is 10-05-1989, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL., on 1-10-2024.

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकौड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए तेलंगाना सरकार प्रतिबद्ध : सीताक्का

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की पंचायत राज और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दंसारी अनसूया सीताक्का ने मंगलवार को लोगों से वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान देने की अपील की।अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज रवींद्र भारती में वृद्ध, विकलांग और ट्रांसजेंडर सशक्तीकरण विभाग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में सुश्री सीताक्का ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, सभी को वरिष्ठ नागरिक दिवस की शुभकामनाएं। इस मौके पर वह मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने बुजुर्गों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला और कहा कि धन से संबंधित मुद्दों के कारण कई लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है या उनकी उपेक्षा की जाती है। सुश्री सीताक्का ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग अपने माता-पिता को स्वीकार करने में शर्म महसूस करते हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को आश्वस्त किया कि तेलंगाना सरकार उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए कदम उठा रही है।

भगवान श्री अग्रसेनजी महाराज की 5148वीं जयंती महोत्सव के अवसर पर अग्र अखण्ड ज्योत रथ यात्रा का स्वागत अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष बदरी प्रसाद सरायवाला, मंत्री अशोक जालान, सह मंत्री अंकुर बंसल, कोषाध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता मनीष अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, मनोज गोयल, योगेश जैन,केंद्रीय समिती सदस्य श्याम अग्रवाल, पवन नालपुरिया,गोविंदराज, नरेश अग्रवाल, एवम शाखा महिला आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा, हैदराबाद

हिंदू धर्म में सर्व पितृ अमावस्या की तिथि का अत्यधिक महत्व है, क्योंकि इस दिन पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है. हिंदू पंचांग के अनुसार, यह तिथि हर वर्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाई जाती है. इस दिन उन सभी पितरों के लिए पिंडदान या तर्पण किया जाता है, यह पितृ पक्ष का अंतिम दिन होता है. आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या का विशेष महत्व है.
सर्व पितृ अमावस्या के अवसर पर आप अपने पितरों के लिए श्राद्ध, पिंडदान, गौ दान, गौ सेवा आदि का कार्य सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 3:30 बजे तक किसी भी समय कर सकते हैं.
गाय को रोटी की सेवा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

प्रतिदिन ताजी रोटी की सेवा कि जाती है।
आप सेवा में आगये बहुत बढ़िया ना आपाये तो हम आपके नाम पर ख़ुद खिला देयेंगे।
निम्न कोई भी स्कीम में अपना नाम लिखा सकते है।
1 साल की रोटी सेवा ₹ 46021/- * 6 महीने की रोटी सेवा ₹ 23021/-
3 महीने की रोटी सेवा ₹ 12021 * 1 महीने की रोटी सेवा ₹ 4121/-
1 सप्ताह रोटी सेवा ₹ 921/-
1 दिन की गौ सेवा (41 पैकेट) ₹ 5121/- (दो दिन पहले ऑर्डर करें)
आज ही अवश्य जुडे एवं गौ सेवा का लाभ प्राप्त करे।
SCAN & PAY
7842223545
UPI : 7842223545@centralbank
पेमेंट करने के बाद स्क्रीन शॉट 7842223545 जरूर शेर करे।
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करे : टिम अशोक रामपुरिया 9395508877
लोवर टैंक बण्ड गौशाला में सेवा : प्रति दिन सुबह 8.00 से 8.30 बजे तक

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का सुखद समापन

अंतिम चरण में 65 प्रतिशत पार कर गया मतदान

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव का तीसरा चरण मंगलवार को सम्पन्न हो गया, चुनाव आयोग ने शाम 5 बजे तक 65.48 प्रतिशत मतदान की सूचना दी। जम्मू कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि सात जिलों के 40 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान करने वाले लोगों का उत्साह सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में देखा गया। 39.18 लाख से अधिक पात्र मतदाता 415 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया, जिनमें दो पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद और मुजफ्फर बेग और कई पूर्व मंत्री और विधायक शामिल हैं।

शाम पांच बजे तक 65.48 फीसदी मतदान हुआ। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया। उधमपुर जिले में सबसे अधिक 72.91 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद सांबा (72.41 प्रतिशत), कठुआ (70.53 प्रतिशत), जम्मू (66.79 प्रतिशत), बांडीपोरा (63.33 प्रतिशत), कुपवाड़ा (62.76 प्रतिशत) और बारामुल्ला (55.73 प्रतिशत) का स्थान रहा। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में, जम्मू जिले का छंब पहले 10 घंटों में 77.35 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे आगे रहा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कभी आतंकवादियों और अल-गाववादियों का गढ़ रहे सोपोर निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम 41.44 प्रशित मतदान हुआ।

जम्मू जिले के 11 निर्वाचन क्षेत्रों में बिश्नाह (एससी) में 72.75 प्रतिशत, सुचेतगढ़ (एससी) में 68.02 प्रतिशत,

आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण में 61.65 प्रतिशत, बाहु में 57.07 प्रतिशत, जम्मू पूर्व में 60.21 प्रतिशत, नगरोटा में 72.94 प्रतिशत, जम्मू पश्चिम में 56.31 प्रतिशत और जम्मू उत्तर में 60.79 प्रतिशत, अखनूर (एससी) में 76.28 प्रतिशत, मढ़ (एससी) में 76.10 प्रतिशत और छंब में 77.35 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

कठुआ जिले की छह सीटों पर बनी में 71.24 प्रतिशत, बिलावर में 69.64 प्रतिशत, बसोहली में 67.24 प्रतिशत, जसरोटा में 71.79 प्रतिशत, कठुआ (एससी) में 71.49 प्रतिशत और हीरानगर में 71.18 प्रतिशत मतदान हुआ। उधमपुर जिले की चार सीटों पर उधमपुर पश्चिम में 73.20 प्रतिशत, उधमपुर पूर्व में 74.07 प्रतिशत, चिनैनी में 73.79 प्रतिशत और रामनगर (एससी) में 70.38 प्रतिशत मतदान हुआ। सांबा जिले की तीन सीटों पर रामगढ़ (एससी) में 73.10 प्रतिशत, सांबा में 71.16 प्रतिशत और विजयपुर में 73.05 प्रतिशत मतदान हुआ। बारामुल्ला जिले की सात सीटों में सोपोर में 41.44 प्रतिशत, रफियाबाद में 58.39 प्रतिशत, उरी में 64.81 प्रतिशत, बारामुल्ला में 47.95 प्रतिशत, गुलमर्ग में 64.19 प्रतिशत, वागूरा-क्रीरी में 56.43 प्रतिशत और पट्टन में 60.87 प्रतिशत मतदान हुआ।

कुपवाड़ा जिले की छह सीटों में करनाह में 66.30 प्रतिशत, त्रेघम में 62.27 प्रतिशत, कुपवाड़ा में 59.68 प्रतिशत, लोलाब में 61.22 प्रतिशत, हंदवाड़ा में 69.06 प्रतिशत और लंगेट में 59.81 प्रतिशत मतदान हुआ। बांडीपोरा जिले की तीन सीटों में सोनावारी में 65.56 प्रतिशत, बांदीपोरा में 58.60 प्रतिशत और गुरेज (एसटी) में 75.89 प्रतिशत मतदान हुआ।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार मतदान का अधिकार पाने वाले पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थी, वाल्मीकि समाज और गोरखा समुदाय के लोग सुबह-सुबह ही मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उमड़ पड़े।

इससे पहले उन्होंने 2019 और 2020 में क्रमश: ब्लॉक विकास परिषद और जिला विकास परिषद के चुनावों में हिस्सा लिया था। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक और सशस्त्र पुलिस कर्मियों सहित सुरक्षा बलों की 400 से अधिक कंपनियों को तैनात किया गया है। 18 सितंबर को हुए पहले चरण के चुनाव में 61.38 प्रतिशत और 25 सितंबर को हुए दूसरे चरण में 57.31 प्रतिशत मतदान हुआ था। नतीजे 8 अक्तूबर को घोषित किए जाएंगे।

बांडीपोरा जिले में सोनावारी निर्वाचन क्षेत्र के कन्यारी गांव के 516 से अधिक मतदाताओं ने मंगलवार को सरकार द्वारा घर बनाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराने के विरोध में चुनाव का बहिष्कार किया। जिन ग्रामीणों ने सरकारी जमीन पर अपने घर बनाए थे, उन्होंने बताया कि 2014 में आई बाढ़ ने उनके घरों को नष्ट कर दिया था और उन्होंने सरकार से घरों के निर्माण के लिए वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराने के लिए संपर्क किया था, जो अभी तक नहीं हुआ है। 100 वर्षीय माला बेगम ने बांडीपोरा के चट्टीबांडी में पिंक पोलिंग स्टेशन पर अपना वोट डाला और खतीजा नामक एक अन्य बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे द्वारा कंधे पर उठाकर उड़ी विधानसभा क्षेत्र में अपना वोट डाला।

इस चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में रमन भल्ला (आरएस पुरा), उस्मान मजीद (बांडीपोरा), नजीर अहमद खान (गुरेज), ताज मोहिउद्दीन (उड़ी), बशारत बुखारी (वागूरा-क्रीरी), इमरान अंसारी (पट्टन), गुलाम हसन मीर (गुलमर्ग), चौधरी लाल सिंह (बसोहली), राजीव जसरोटिया (जसरोटा), मनोहर लाल शर्मा (बिलावर), शाम लाल शर्मा और अजय कुमार सडोत्रा (जम्मू उत्तर) शामिल हैं। मतदाताओं की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए, चुनाव आयोग ने 5,060 मतदान केंद्र स्थापित किए थे और सभी निर्वाचन क्षेत्रों में 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग सुनिश्चित की थी। कुल में से 974 शहरी मतदान केंद्र हैं और 4,086 ग्रामीण हैं। भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहलों में 240 विशेष मतदान केंद्र, महिलाओं द्वारा प्रबंधित 50 गुलाबी मतदान केंद्र और विकलांग व्यक्तियों द्वारा संचालित 43 मतदान केंद्र शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने वाले 45 हरित मतदान केंद्र, सीमावर्ती निवासियों के लिए नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास स्थित 29 मतदान केंद्र और 33 अनूठे मतदान केंद्र हैं। कश्मीर संभाग के प्रवासी मतदाताओं के लिए, 24 विशेष मतदान केंद्र जम्मू में 19, दिल्ली में चार और उधमपुर जिले में एक - स्थापित किए गए हैं। मतदान के अंतिम चरण में 40 विधानसभा क्षेत्रों में कश्मीर घाटी के तीन जिलों (कुपवाड़ा, बारामुल्ला और बांडीपोरा) में 16 और जम्मू संभाग के चार जिलों (जम्मू, उधमपुर, कठुआ और सांबा) में 24 शामिल हैं।

उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 25 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि जम्मू जिले के अखनूर विधानसभा क्षेत्र में इस चरण के दौरान त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला।

कश्मीर की 16 सीटों में करनाह, त्रेहगाम, कुपवाड़ा, लोलाब, हंदवाड़ा, लंगेट, सोप-ोर, रफियाबाद, उरी, बारामूला, गुलमर्ग, वागूरा-क्रीरी, पट्टन, सोनावारी, बांदीपोरा और गुरेज (एसटी) शामिल हैं। जम्मू संभाग की जिन 24 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें उधमपुर पश्चिम, उधमपुर पूर्व, चेनानी, रामनगर (एससी), बनी, बिलावर, बसो-हली, जसरोटा, कठुआ, हीरानगर, रामगढ़ (एससी), सांबा, विजयपुर, बिश्नाह (एससी), सुचेतगढ़ (एससी), आरएसपुरा-जम्मू दक्षिण, बाहु, जम्मू पूर्व, नगरोटा, जम्मू पश्चिम, जम्मू उत्तर, मढ़ (एससी), अखनूर (एससी) और छंब शामिल हैं।

सोपोर में मतदान के दौरान उत्सव का माहौल

आतंकी बेटों से वापस लौटने की अपील

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)।

कश्मीर के सेबों के शहर सोपोर में आज उत्सव का माहौल था, क्योंकि एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए मतदान हो रहा था। ब्राथ कलां इलाके में मतदान केंद्र के परिसर में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला। वोट डालने के बाद दो हताश लोगों को आंसू बहाते देखा जा सकता था, क्योंकि वे अपने आतंकवादी बेटों से वापस लौटने और अपने परिवारों के साथ खुशहाल जीवन जीने की अपील कर रहे थे।

गुलाम हसन मीर, जिनके बेटे उमर कुछ साल पहले आतंकवाद में शामिल हो गए थे और फरार हैं, के लिए मतदान एक ऐसा अवसर है, जो लोग बंदूक और हथगोले के जरिए हासिल नहीं कर सकते। मीर ने आंसू बहाते हुए कहा कि मैं अपने बेटे उमर से घर लौटने और हमारे साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का आग्रह करता हूं। बंदूक के लिए वोट हमारे लिए कुछ भी हासिल कर सकता है। पिछले 35 सालों से बंदूकों ने कई लोगों की जान ली है और कई पिताओं और माताओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। वे कहते हैं कि उनके बेटे को आज अपने पिता के संदेश के बारे में पता चलेगा।

भावुक मीर कहते हैं, मुझे पता है कि वह अखबारों में मेरे शब्दों को पढ़ेगा या सोशल मीडिया पर सुनेगा। मुझे पता है कि उसका दिल पिघल जाएगा। मैं जानता हूं कि वह रोएगा भी। लेकिन मुझे नहीं पता कि इससे वह फिर से अपने माता-पिता के पास लौट पाएगा या नहीं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने सोपोर की शांति और विकास के लिए अपना वोट दिया है। मीर ने कहा कि अगर यहां शांति स्थायी हो जाती है, तो किसी का बेटा हथियार नहीं उठाएगा। वे कहते थे कि उनके बेटे के आतंकवाद में शामिल होने का एक कारण हो सकता है, लेकिन अब चीजें सामान्य हो रही हैं। मीर कहते हैं कि मैं अपने बेटे से अनुरोध करता हूं कि वह सेब का पारिवारिक व्यवसाय संभाले और शांतिपूर्ण जीवन जिए।

मीर को उसका साथी मुहम्मद हमजा भी मिला, जिसका बेटा बिलाल उमर की तरह वांछित आतंकवादी है। हमजा के शब्दों में, अगर मेरा वोट मेरे बेटे को वापस लाता है, तो मैं इस अवसर को कभी नहीं छोड़ूंगा। मैं बार-बार वोट दूंगा। मैं अपने बेटे बिलाल से अपने घर लौटने का आग्रह करता हूं। उसके माता-पिता उसकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हम उसके ताबूत को कंधा नहीं देना चाहते। हम उसे शादी करते हुए देखना चाहते हैं।

हमजा का कहना था कि कोई भी पिता अपने जवान बेटे के ताबूत को कंधा देने के बाद शांति से नहीं मर सकता। इसलिए मैं अपने बेटे बिलाल से हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि कृपया मेरी बात सुनें और जिसे हमसे छीना गया है उसे वापस लौटा दें। आइए वोट के ज़रिए जो हमसे छीना गया है उसे वापस पाने की कोशिश करें। बंदूक कोई समाधान नहीं है।

बांडीपोरा के सोनावरी में मतदान का बहिष्कार

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)।

बांडीपोरा जिले के सोनावारी विधानसभा क्षेत्र में स्थित कन्यारी घाट के मतदान केंद्र 142 पर समाचार भिजवाए जाने तक कोई वोट नहीं डाला गया था। कुल 516 पंजीकृत मतदाताओं के बावजूद मतदान केंद्र खाली पड़ा था।

स्थानीय निवासियों ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें उचित सड़कें, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त आवास और भूमि स्वामित्व जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। उनके अनुसार, सरकार से बार-बार की गई अपीलों पर कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके कारण उन्होंने मतदान से दूर रहने का फैसला किया है।

स्थिति का आकलन करने के प्रयास में, अतिरिक्त उपायुक्त बांडीपोरा मोहम्मद अशरफ भट और तह-सीलदार हाजिन ने मतदान केंद्र का दौरा किया। हालांकि, उनकी उपस्थिति ने अभी तक स्थानीय लोगों को प्रभावित नहीं किया है, वे अपने रुख पर अड़े हुए हैं। निवासियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जब तक बांडीपोरा के उपायुक्त उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या को हल करने की प्रतिबद्धता सुनिश्चित नहीं करते हैं, तब तक मतदान नहीं होगा।

वाल्मीकि और गोरखा समुदाय के साथ ही शरणार्थियों ने भी डाला वोट

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहली बार वोट डालने के बाद वाल्मीकि और गोरखा समुदाय के अतिरिक्त वेस्ट पाकिस्तान से आए शरणार्थियों ने बेहद खुशी जाहिर की है। अनुच्छेद 370 और 35-ए के निरस्त होने के बाद, ये समुदाय, पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों (डब्ल्यूपीआर) के साथ चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र हो गए। आज गांधी नगर में वाल्मीकि कालोनी और बहू फोर्ट में गोरखा बस्ती में माहौल उत्साहपूर्ण रहा, जहां बड़ी संख्या में पहली बार मतदान करने वाले लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्सुकता से कतार में खड़े थे।

67 वर्षों में पहली बार वाल्मीकि और गोरखा समुदायों को वोट देने और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक पहुंच का अधिकार मिला। वाल्मीकि परिवारों के लगभग 6,500 सदस्य और लगभग 900 गोरखा परिवार अब जम्मू में मतदान करने के पात्र हैं।

जबकि वेस्ट पाकिस्तान के शरणार्थियों को लोकसभा चुनावों में मतदान का अधिकार तो था लेकिन अब वे विधानसभा के चुनावों में भी मतदान करने के अधिकारी बन गए हैं। पहले, इन समुदायों के पास अधिवास अधिकार नहीं थे और उन्हें विधानसभा चुनावों में मतदान सहित विभिन्न अवसरों से वंचित रखा जाता था। वाल्मीकि समुदाय के अध्यक्ष गारू भाटी ने मतदान की भावना को शब्दों में बयां नहीं किया।

एलओसी से सटे गांवों में गोलियां नहीं, ईवीएम की बीप गूंजी

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)।

कश्मीर बार्डर पर एलओसी से सटे दो गांवों करनाह और करनाह में पिछले एक दशक में पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जो बंदूकों और गोलियों की आवाजों से दूर हैं। आज सुबह 7 बजे से ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आवाजें सुनाई देने लगी थीं।

इस खूबसूरत गांव में सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं। करनाह निवासी जिब्रान खटाना का कहना था कि हम हमेशा से मतदान करते आए हैं, लेकिन इस बार मतदान इस डर के बिना हो रहा है कि कहीं हमारे घरों, मकानों और खेतों पर गोले और गोलियां न गिर जाएं। लेकिन आज हम बिना किसी डर के मतदान कर रहे हैं। हमने इस बार बदलाव के लिए मतदान किया है, क्योंकि हमारे क्षेत्र को खोखले वादों से परे गुणवत्तापूर्ण विकास की जरूरत है। 70 वर्षीय शमीमा बेगम ने पत्रकारों के साथ बात करते हुए कहा, इस बार चुनाव उनके लिए बहुत मायने रखते हैं। वे बकहती थीं कि पहले लोग मतदान से डरते थे क्योंकि उन्हें डर था कि मतदान केंद्रों पर गोले गिर सकते हैं। मैंने 2012 में एलओसी पर गोलीबारी में अपना पैर खो दिया था। वे कहती हैं कि आज का वोट विकास सुनिश्चित करने और अपने घर के पुनर्निर्माण के लिए है। मैंने अपने घर की मरम्मत खुद करने की कोशिश की, लेकिन नहीं कर पाई। मेरे पति की 2010 में ही मृत्यु हो गई और मैं चार बच्चों का पेट पाल रही हूं। करनाह के 90 वर्षीय मतदाता अब्दुर रहमान खटाना कहते थे कि वे करनाह में विकास देखने के लिए मतदान कर रहे हैं। वे कहते थे कि मैं परिवहन सेवा, बेहतर सड़कें और नल का पानी देखना चाहता हूं। मैं यह भी देखना चाहता हूं कि युद्ध विराम बरकरार रहे, अन्यथा हमारा जीवन फिर से नरक बन जाएगा।

उड़ी में मतदान केंद्रों के बाहर भी उत्सव का माहौल था। नंबला गांव के निवासी अबुर रजाक पठान ने कहा कि उड़ी को पिछली सभी सरकारों ने हमेशा उपेक्षित किया है। पठान ने कहा कि हम बदलाव चाहते हैं, असली बदलाव। हम यहां नौकरी नहीं बल्कि बेहतर सड़कें, गुणवत्तापूर्ण बिजली और अपने बच्चों के लिए शिक्षा चाहते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम बना रहे। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देशों द्वारा युद्ध विराम का उल्लंघन किया जाता है, तो उड़ी फिर से नरक बन जाएगा। प्रासंगिक रूप से, दोनों देश युद्ध विराम की पवित्रता को भावना में बनाए रख रहे हैं, जिसका लाभ कश्मीर और जम्मू क्षेत्रों में सीमा के करीब रहने वाले लोगों को मिला है। जबला गांव के स्थानीय सरपंच लतीफ अहमद खटाना ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उड़ी के लोगों के लिए शिक्षा पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे उम्मीदवार को वोट दे रहे हैं जो सुनिश्चित करेगा कि स्कूलों को अपग्रेड किया जाए और सभी शैक्षणिक स्कूलों के लिए शिक्षकों को लाया जाए। इसके अलावा, हमें परिवहन सेवा में सुधार और हमारे घरों में नल के पानी की जरूरत है।

पलहलान में मतदान के लिए लगी थी लंबी कतारें

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)।

ऐतिहासिक चुनाव बहिष्कार के लिए मशहूर पलहलान के लोग आज एक महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकले, जो अतीत से अलग था। मतदाता सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े देखे गए, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने और बदलाव लाने के उनके दृढ़ संकल्प का संकेत था। स्थानीय निवासी मंजूर अहमद के बकौल, हम लगातार बहिष्कार करते रहे हैं, लेकिन इससे हमारी परेशानियां और बढ़ गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बहिष्कार के बजाय मतदान का विकल्प चुनकर पलहलान के लोग आखिरकार उन मुद्दों का समाधान कर सकते हैं, जो सालों से इस क्षेत्र को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उन परिस्थितियों को खत्म करने के लिए मतदान कर रहे हैं, जिनके कारण हमारी स्थिति दयनीय बनी हुई है। हमें बेहतर भविष्य की उम्मीद है।

इसी तरह, कई मतदाताओं ने भी इसी तरह की भावनाओं को दो-हराया और मतदान केंद्रों पर आने का मुख्य कारण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी बताया। कतार में खड़े एक अन्य निवासी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि मतदान करके हम विकास ला सकते हैं और बुनियादी सुविधाओं में सुधार ला सकते हैं, जिनसे पलहालन लंबे समय से वंचित है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के विरोध में लेह में रहा पूर्ण बंद

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 01 अक्टूबर।

सोनम वांगचुक समेत करीब 120 प्रदर्शनकारियों की गिरफ्त-ारी के बाद करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और एपेक्स बाडी, लेह ने मंगलवार को पूरे लद्दाख में बंद का ऐलान किया जिसका पूरा असर देखने को मिला है।

जानकारी के लिए जाने-माने जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक समेत करीब 120 अन्य लोगों को दिल्ली पुलिस ने सोमवार रात सिंघु बार्डर पर हिरासत में लिया। वे क्षेत्र में छठी अनुसूची लागू करने और क्षेत्र के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। इन गिरफ्तारियों के बाद लद्दाख में बवाल मचा हुआ है। लद्दाख में जनता वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों की हिरासत का कड़ा विरोध कर रही है और ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। वे अब वांगचुक की तत्काल रिहाई की मांग कर रहे हैं।

87 वर्षीय एपेक्स बाडी कार्यकर्ता हजान फातिमा बानो ने हिरासत पर चिंता जताते हुए कहा कि वे संघर्ष में शामिल होने नहीं गए थे; वे लद्दाख के लोगों की ओर से छठी अनुसूची की वकालत करने गए थे। हम उनके लिए अपनी जान देने को तैयार हैं। उन्हें बंदी नहीं बनाया जाना चाहिए।

बंद का उद्देश्य लद्दाख में अधिक स्वायत्तता और इसकी अनूठी सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए चल रहे संघर्ष के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। वांगचुक और हिरासत में लिए गए अन्य लोग छठी अनुसूची के लिए अपनी मांगों को दबाने के लिए दिल्ली में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे, जो लद्दाख की संस्कृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए विशेष अधिकार प्रदान करेगी।

पुलिस के अनुसार, दिल्ली में निषेधाज्ञा के बावजूद वापस लौटने से इनकार करने पर समूह को हिरासत में लिया गया। वांगचुक ने हिरासत में लिए जाने से पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें भारी पुलिस बल की मौजूदगी और दिल्ली की सीमा पर उनकी बसों को रोका जा रहा था।

वांगचुक ने बताया कि शुरू में समूह को लगा कि उन्हें एस्कार्ट किया जा रहा है, लेकिन जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। हिरासत में लिए गए लोगों को अलीपुर सहित विभिन्न पुलिस थानों में ले जाया गया और रात भर हिरासत में रखा गया। छठी अनुसूची और वांगचुक की रिहाई की मांग के पीछे लद्दाख के लोगों के एकजुट होने के कारण विरोध प्रदर्शन जारी रहने की उम्मीद है।

लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) ने करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ मिलकर संविधान की छठी अनुसूची लाने के लिए दिल्ली चलो पदयात्रा का आयोजन किया। यह पूरा मामला पिछले चार सालों से चल रहा है, वे जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने, लद्दाख के लिए लोक सेवा आयोग की स्थापना और लेह और करगिल जिलों के लिए अलग लोकसभा सीटों की मांग कर रहे हैं। सोमवार को दिल्ली पुलिस ने छह दिनों के लिए राष्ट्रीय राजधानी के मध्य और सीमावर्ती क्षेत्रों में बैनर, तख्तियां, हथियार या विरोध प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया। विभिन्न समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बीच कानून और व्यवस्था की चिंताओं के कारण प्रतिबंध लागू किया गया था।

लखनऊ में फोर लेन आउटर रिंग रोड का निर्माण कराएगी योगी सरकार

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार लखनऊ में फोर लेन आउटर रिंग रोड के निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। सीएम योगी के विजन अनुसार, लखनऊ के रैथा अंडरपास से लेकर पीएम मित्र पार्क (टेक्सटाइल पार्क) तक 14.28 किमी क्षेत्र की सड़क को फोर लेन किया जाएगा। वहीं, आईआईएम से आउटर रिंग रोड स्थित रैथा अंडरपास के कायाकल्प को भी इस परियोजना के अंतर्गत पूरा किया जाएगा। इस प्रक्रिया में 8.4 किमी तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कर इसे दो लेन का किया जाएगा। फोर लेन व डबल लेन संबंधी इन दोनों प्रक्रियाओं को 139.56 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। योगी सरकार द्वारा इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए धनराशि अवमुक्त करने के साथ ही विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इन कार्यों को लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रमुख अभियंता (विकास) व विभागाध्यक्ष की देखरेख में पूरा किया जाएगा।

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
जय गौमाता
आज बुधवार, 2-10-2024 को पितृ अमावस्या है।
जय श्री कृष्ण, जय गौमाता की।
चालों चले शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, 421 वर्ष प्राचीन स्वयंभू शिवजी एवं 720 वर्ष प्राचीन हनुमान जी के पावन सानिध्य मे लगभग 1100 गोवंश की सेवा का पुण्य प्राप्त करें।
पित्र अमावस्या विशेष। शास्त्रों के अनुसार गोमाता के श्री मुख को पितरों का मुख कहा गया हैं, हम जो भी गोमाता को अर्पण करते हैं वो सीधे हमारे पितरों को प्राप्त होता है तो चलिए इस पुनीत कार्य में आप और हम सब मिलकर इसका लाभ प्राप्त करें आप अपनी अनुदान राशि सीधे बैंक खाते मे स्कैन करके जमा करा सकते हैं। क्यू आर कोड दिया गया हैं।
1100 गौग्रास (चारे) की व्यवस्था में आपका सहयोग अपेक्षित है।

आजीवन सदस्यता	₹ 21,000/-	एक दिन का चुन्नी भूँसा	₹ 5,100/-
संपूर्ण दिवस का चारा	₹ 21,000/-	एक दिन का गुड	₹ 4,100/-
एक दिन की कुट्टी	₹ 18,000/-	तुला दान	₹ 2,100/-
एक दिन की घाँस	₹ 11,000/-	एक गाय बछडे की सेवा (एक महिना)	₹ 1,516/-
एक दिन की लाप्सी	₹ 7,100/-	एक कट्टा हरी घाँस (एक महिना)	₹ 500/-

Ph. 9849710223, 9849030314, 9247888983, 7989734546, 9397040888, 8074989208, 9000001863, 9246346311
राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन अपराह्न 3 से 5 बजे तक

नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरी निर्माता बनें युवा : प्रो. सीताराम

एआई और एमएल के इस दौर में निरंतर सीखना और कौशल विकास बेहद महत्वपूर्ण

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रोफेसर टी जी सीताराम ने मंगलवार को हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के स्नातकों से कहा कि उन्हें निरंतर कौशल बढ़ाने चाहिए और नौकरी चाहने के बजाय नौकरी निर्माता बनना चाहिए। प्रो. सीताराम ने गच्चीबावली में ब्रह्माकुमारीज शांति सरोवर के ग्लोबल पीस ऑडिटोरियम में यूओएच के 24वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए भारत के विकास को गति देने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता के 50 साल पूरे करने पर बधाई दी और स्नातकों से तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य की चुनौतियों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी प्रगति के साथ आज के नौकरी बाजार में प्रासंगिक बने रहने के लिए निरंतर सीखना और कौशल विकास महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा, तेजी से बदलते तकनीक के इस दौर में सिर्फ स्नातक होना ही पर्याप्त नहीं है। आजीवन सीखना और नए कौशल के साथ अपडेट रहना ज़रूरी है। उन्होंने अनुसंधान और नवाचार में महत्वपूर्ण योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए यूओएच की प्रशंसा की। प्रो. सीताराम ने देश भर के 14,000 से ज़्यादा संस्थानों में नवाचार, उद्यमशीलता और अनुसंधान का समर्थन करने वाले एक नियामक निकाय से एक सुविधाकर्ता में एआईसीटीई के परिवर्तन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान नवाचार परिषदों की स्थापना और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने में एआईसीटीई की सफलता का हवाला दिया, जिसके कारण 6,600 से ज़्यादा स्टार्टअप का निर्माण हुआ और 18,000 पेटेंट आवेदन दाखिल किए गए।

उन्होंने कहा, लक्ष्य प्रत्येक स्नातक को उद्यमिता में उतरने और भारत की आर्थिक वृद्धि में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है और इस बदलाव में युवाओं की अहम भूमिका है। प्रो. सीताराम ने बताया कि यूपीआई और डिजीलॉकर जैसी प्रगति सहित भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा दुनिया के लिए एक मॉडल बन गया है। उन्होंने उच्च शिक्षा में देश की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया, जिसका लक्ष्य 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है, जिसका एनईपी 2020 में उल्लेख किया गया है।

उन्होंने स्नातकों को जमीन से जुड़े रहने, सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को बनाए रखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया, चाहे वे निगमों में काम करके, अपना खुद का उद्यम शुरू करके या अनुसंधान और विकास करके हों। उन्होंने स्नातक छात्रों से आग्रह किया, आपकी डिग्री केवल एक प्रमाण पत्र नहीं है, यह आगे की असीमित संभावनाओं को अनलॉक करने की कुंजी है। इसका बुद्धिमानी से उपयोग करें और समाज को वापस देना याद रखें।

हार्दिक अभिनंदन!
चेयरमैन
रोहीत कुमार कोठारी
(सुपुत्र स्वरुपचन्द - चन्द्रकला कोठारी)
JITO HYDERABAD
श्री प्रशांत कोचेटा
Board of Director 2024-26
(सुपुत्र : रमेशलालजी - सुनंदा कोचेटा)
All Board of Directors 2024-2026
JITO Hyderabad Chapter
के मनोनित होने पर हार्दिक बधाई एवं मंगल भविष्य की शुभकामनाएँ एवं हार्दिक अभिनन्दन करते है
शुभकामनाओं सहित
रमेशलाल सजयकुमार कोचेटा
अमोलकचन्द अरुणकुमार गौरव मुथा
हर्षकुमार दिपक कुमार मुणोत
ब्रिजराज सदिपकुमार श्रीश्रीमाल
शांतीलाल महेन्द्र धमेन्द्र मुणोत
उगमराज सचीन विपीन कोचेटा (लातूर)
रविकुमार प्रसाद रांका (निगडी पुणे)
शांतिलाल संदीप कुमार पगारिया (औरंगाबाद)

श्री कृष्ण गौ-सेवा ट्रस्ट (गौशाला)
आज सर्वपितृ अमावस्या
काला हनुमान मंदिर, अनंतगिरि, एक्सप्रेस हाई-वे ब्रिज - पिल्लर नं. 161, अत्तापुर, हैदराबाद. फोन : 9885441501, 9390013492
अब आप गोग्रास हेतु ऑनलाईन भी अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं।
Bank Details : SRI KRISHNA GAUSEVA TRUST | AP Mahesh Co-Op. Urban Bank Ltd. Attapur Branch | A/c No. : 02900120000023 | IFSC : APMC0000029
PAN : AALTS8474R | UNI : AALTS8474RE20231 | 80G : AALTS8474RE20231 | CSR No. : CSR00054876
1 वर्ष तक गौ-माता हेतु आपकी ओर से चारा व चिकित्सा के लिए ₹ 5,100/- दान करें।
You can also Google Pay PhonePe Paytm on 9676160498
नोट : गौशाला में अग्रिम सूचना देने पर गायों के लिए लापसी की व्यवस्था भी की जाती है।
गौ-दर्शन एवं गौ-सेवा महातीर्थ के समान है। गौ-सेवा से ग्रह एवं स्वास्थ्य दोष की पीड़ा दूर होती है।
सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार !!
शुभकामनाओं सहित नवीन अग्रवाल
LUXXURO MODULAR FURNITURES
Gagan Pahad, Hyderabad. M: 9391043141

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
कामधेनु गौ मंदिर
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
समर्थ नारायण महाराज
आज बुधवार, 2-10-2024 को पितृ अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
श्री प्रभुदत्तजी महाराज
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317

जय जगन्नाथ
जय गौ माता
श्री जगन्नाथ स्वामी गौ सेवा संस्थान
आज पितृ अमावस्या है, गौशाला अवश्य पधारें
वैकुंठवासी
पितृ अमावस्या के दिन स्नान दान के साथ पितृ पूजन भी किया जाता है, इसलिए इस खास दिन पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है.अमावस्या वह दिन होता है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच में आ जाता है, जिसके कारण इस दिन पूरी रात्रि चंद्रमा दिखाई नहीं देता है. अमावस्या को पितरों का पर्व कहा जाता है. अमावस्या के दिन पूजा, जप-तप, दान और पवित्र नदी में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है.
गौ सेवा एवं गौ रक्षा हमारा परम धर्म और प्रथम कर्तव्य
श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामी जी
महंत अच्युत रामानुजाचार्य
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित सेवाएं
श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्धाश्रम
श्री जगन्नाथ गुरुकुल वेद विद्यालय
श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप एवं श्री जगन्नाथ गो सेवा संस्थान
निवेदक : श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा, सीतारामबाग, हैदराबाद
श्री जगन्नाथ स्वामी गौ सेवा संस्थान के तीन वर्षीय कमेटी पदाधिकारी
मेघराज अग्रवाल अध्यक्ष
दीनबंधु अग्रवाल उपाध्यक्ष
कृष्णचंद्रा बांगड़ कोषाध्यक्ष
गोपी किशन बंग कार्यकारिणी सदस्य
फोन नं. : 8099563154

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज बुधवार, 2-10-2024 को पितृ अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गूड़ - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
SRI GOPAL GOSHALA TRUST
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

श्री गणेशाय नमः
गायत्री वेद फाउण्डेशन संचालित
श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय श्री गौ सेवा सदन
गायत्री मन्दिर, भास्कर मेडिकल कॉलेज के पास, चिल्लूकर, मोईनाबाद, आर. आर. जिला, फोन : 9989994814
श्री गौ सेवा सदन
भारत की तीन पहचान गंगा, गायत्री और गौ माता...
गौ माता की सेवा सबसे सर्वश्रेष्ट सेवा है...
जिसे हर एक को आत्मसात करना चाहिए...।
- श्रीश्री संविदानंद सरस्वतीजी महाराज
PAY WITH ANY APP
मोइनाबाद में गायत्री वेद फ़ाउण्डेशन द्वारा संचालित श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय में श्री गो सेवा सदन चल रहा है। सभी गौभक्तों का नवनीत गो सदन में हार्दिक स्वागत है।
आज पितृ अमावस्या पर गौ सदन अवश्य पधारें एवं गौ माता की सेवा कर पुण्य के भागी बनें।
पं. पुरुषोत्तम लाला
पं. विशेष शर्मा

आज बुधवार 2-10-2024
पितृ मोक्ष अमावस्या
के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज पित मोक्ष अमावस्याहे अपने पित्तरो के मोक्ष के लिए गौशाला अवश्य पधारें।
गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बने। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:
NARAYANI GOW SEVA SADAN,
A/C No. 50200065063209,
for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996,
TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें।
सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद

गौ माता, गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा
Dhyan Foundation
Journey of Spirit
ध्यान फाउण्डेशन
गौशाला
आज अमावस्या
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड
(स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए
3000 से अधिक गौवंश का घर
ध्यान फाउण्डेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टशा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।
गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।
प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन
सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

।।श्री गणेशाय नमः।।
बुधवार, 02 अक्टूबर 2024 पितृ अमावस्या के अवसर पर पधारें
श्री आईजी गौशाला
आज बुधवार दि. 02 अक्टुबर 2024 को पितृ अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर (कापरा मंडल) (रजि.न.720/2008)
के अवसर पर सपरिवार पधार कर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेवें
राठौड़ साउंड एंड डिजीटल स्टूडियो के तत्वाधान में आयोजित एक दिन गौ माता के नाम जागरण
संत सानिध्य श्री महात्माजी मुनीषा नन्दजी भजन कलाकार सन्दीप सेजु (मारवाड़), महावीर मारवाड़ी,भैराराम सैणचा, रमेश सीरवी, रमेश प्रजापत
सम्पूर्ण जागरण का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल BRS Rajasthani पर लाइव होगा
आज की महाप्रसादी की व्यवस्था नेमाराम मुलेवा, भैराराम सोलंकी, जीताराम पंवार, धन्नाराम देवड़ा, मोतीलाल हाम्बड़ जेठाराम गेहलोत, वेनाराम चोयल, चुन्नीलाल पंवार द्वारा कार्यक्रम स्थल पर रहेगी
मांगीलाल, कालुराम, भुराराम काग चिन्तल वालों की तरफ से एक गाड़ी गायों के लिए कुट्टी का सहयोग दिया
गौशाला के बैंक एकॉउंट में भी दान राशि जमा कराकर पुण्य के भागीदार बनें
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c No. 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.